37 वां स्थापना वर्ष

समवेत शिखर

वर्ष-37 अंक-42 | रायपुर, बुधवार 01 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 08, मूल्य : 2.50 रुपए, ई-पेपर: samvetshikhar.com

फर्स्ट कालम

जनरल धीरज सेठ ने नए सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को 31 वें सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया। उन्हें जनरल उपेंद्र द्विवेदी के स्थान पर यह जिम्मेदारी दी गयी है जो चार दशक से भी लंबी सेवा के बाद आज सेवानिवृत हो गये। जनरल धीरज सेठ राष्टीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में उन्हें आर्म्ड कोर में कमीशन मिला था। लगभग चार दशकों के शानदार मिलिट्री करियर के दौरान उन्हें संचालन, रणनीतिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में कार्य का व्यापक अनुभव है।

बंगाल- हल्दिया रिफाइनरी के पास आग लगी, 1 की मौत, 20 से ज्यादा घायल

हल्दिया। पश्चिम बंगाल के हल्दिया में सोमवार देर रात 2.45 बजे हल्दिया रिफाइनरी के पास भीषण आग लग गई, जिससे एक शख्स की मौत हो गई जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर है। आग की चपेट में हल्दिया नगर पालिका के वार्ड-13 के चिरंजीबपुर इलाके के कई घर आ गए थे। पुलिस के मुताबिक, सभी पीड़ितों को हल्दिया सब-डिविजनल अस्पताल में एडमिट कराया गया है। पांच घायलों को तमलुक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर किया गया। आग पर काबू पाने के लिए 20 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगाई गई थीं। दोपहर 2 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

सिंधु जल संधि अब भी लागू भारत इसे एकतरफा खत्म नहीं कर सकता : पाक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है। मुसादिक मलिक ने सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल है। वे कहते हैं कि पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे। जो हमारे हिस्से के पानी पर दावा करेंगे, उनके हाथ काट दिए जाएंगे।

ट्रम्प ने कहा-दोहा में होगी शांति वार्ता, ईरान ने दावे को नकारा

दोहा/तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में वार्ता होगी, जबकि ईरान ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में वाशिंगटन के साथ किसी भी स्तर की वार्ता निर्धारित नहीं है। श्री ट्रंप ने कहा कि उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और पूर्व वरिष्ठ सलाहकार जैरेड कुशनर दोहा जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उच्चस्तरीय बैठकों के साथ-साथ तकनीकी स्तर की वार्ता भी जारी रहेगी। श्री ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर दावा किया कि ईरान ने बैठक का अनुरोध किया था और यह बैठक दोहा में होगी, हालांकि उन्होंने इसके बारे में कोई अन्य विवरण नहीं दिया।

डोनाल्ड ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से फिर झटका, अमेरिका में नहीं हटेगा जन्मजात नागरिकता का अधिकार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दो दिन के अंदर दो बड़े झटके लगे हैं। एक दिन पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक मामले में जोरदार झटका दिया था। वहीं, मंगलवार को ट्रंप के जन्मजात नागरिकता को सीमित करने के ऐतिहासिक प्रयास को 6-3 के बहुमत से खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि अमेरिका की धरती पर जन्म लेने वाले लगभग सभी बच्चों को 14वें संशोधन के तहत जन्म से ही अमेरिकी नागरिकता का अधिकार प्राप्त रहेगा। दरअसल, ट्रंप ने पिछले साल अपने दूसरे कार्यकाल के पहले दिन एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गरिमामयी उपस्थिति में रामगढ़ महोत्सव-2026 का भव्य समापन

रामगढ़ की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत को विश्व पटल पर दिलाएंगे नई पहचान : मुख्यमंत्री साय

- रामगढ़ के विकास के लिए 1 करोड़ रुपये की घोषणा, उदयपुर एवं डूमरडीह को मिलाकर नगर पंचायत बनाने की घोषणा
- मुख्यमंत्री ने 6 पहाड़ी कोरवा बच्चों का कराया शाला प्रवेश, टूरिज्म इन्फ्लूएंसर्स का किया सम्मान

समवेत शिखर संवाददाता

अंबिकापुर/रामगढ़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को सरगुजा जिले के ऐतिहासिक दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रामगढ़ केवल एक सांस्कृतिक आयोजन का केंद्र नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपरा, प्रकृति पूजा, आस्था, इतिहास और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। सरगुजा की यह पवित्र भूमि प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर है। अनेक प्राचीन ग्रंथों में रामगढ़ का उल्लेख मिलता है, जो इसकी ऐतिहासिक महत्ता को प्रमाणित करता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनश्रुतियों के अनुसार त्रेतायुग में वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण ने इस क्षेत्र में समय व्यतीत किया था। सीताबेंगरा गुफा आज भी श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है तथा रामगढ़ की हवाओं और शिलाओं में रामायण की स्मृतियां आज भी जीवंत हैं। उन्होंने कहा कि सीताबेंगरा गुफा भारत की सबसे प्राचीन नाट्यशालाओं में से एक मानी जाती है, जहां हजारों वर्ष पूर्व सांस्कृतिक आयोजन और नाट्य प्रस्तुतियां होती थीं। वहीं जोगीमारा गुफा अपनी प्राचीन भित्तिचित्र कला के लिए विश्वविख्यात है। हाथीपोल जैसी प्राकृतिक शैल संरचना तथा यहां के प्राचीन शिल्प हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साक्षी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकवि कालिदास द्वारा मेघदूतम् की रचना इसी क्षेत्र में किए जाने का उल्लेख मिलता है, जिससे रामगढ़ का साहित्यिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार रामगढ़, सीताबेंगरा और जोगीमारा जैसी ऐतिहासिक धरोहरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से किसानों से 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। 13 लाख किसानों को दो वर्षों का बकाया बोनस प्रदान किया गया है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं के खातों में प्रतिमाह 1,000 रुपये अंतरित किए जा रहे हैं। रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 49 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन कराया गया है। तीर्थयात्रा दर्शन योजना के अंतर्गत देश के 19 प्रमुख तीर्थस्थलों को शामिल किया गया है, जहां वरिष्ठ नागरिक अपनी इच्छा के अनुसार दर्शन कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए विभिन्न विभागों में लगातार भर्ती प्रक्रिया संचालित की जा रही है। (शेष पेज-4 पर)

यहां पर्यटक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा

यहां पर्यटक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक इस क्षेत्र के इतिहास, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित हो सकें। उन्होंने कहा कि जिस भव्यता के साथ इस वर्ष रामगढ़ महोत्सव का आयोजन हुआ है, उसी भव्यता के साथ यह महोत्सव प्रतिवर्ष आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में सरगुजा जिले में 2,387 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। प्रदेश में लोगों के पक्के आवास का सपना तेजी से साकार हो रहा है। 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति प्रदान की गई है तथा प्रतिदिन लगभग 1,600 आवास बनकर तैयार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस के कारण बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। पुनर्वासित नक्सलियों तथा विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) परिवारों को भी आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

पेट्रोकेमिकल्स के इम्पोर्ट पर जीरो कस्टम-ड्यूटी 15 जुलाई तक बढ़ी

सरकार ने 40 से ज्यादा प्रोडक्ट्स पर राहत दी, सप्लाई बनाए रखने के लिए फैसला किया

नई दिल्ली (ए)। सरकार ने 30 जून को लगभग 40 जरूरी पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स के इम्पोर्ट पर जीरो कस्टम ड्यूटी को 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अब यह राहत 15 जुलाई तक लागू रहेगी। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल सप्लाई चेन में आई रुकावटों के बीच घरेलू उद्योगों को स्थिरता देने के लिए यह कदम उठाया गया है।

यह फुल कस्टम ड्यूटी छूट पहली बार 2 अप्रैल को एक अस्थायी राहत उपाय के रूप में शुरू की गई थी। पहले इसे 30 जून को समाप्त होना था, लेकिन मंगलवार को वित्त मंत्रालय ने इस छूट को 15 जुलाई तक बढ़ाने का फैसला किया।

प्लास्टिक्स, फार्मा और टेक्सटाइल समेत कई सेक्टर्स को मिलेगा फायदा : ड्यूटी माफी का यह फैसला उन उद्योगों को सीधा फायदा पहुंचाएगा जो पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक और इंटरमीडिएट्स पर निर्भर हैं। इनमें प्लास्टिक्स, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, केमिकल्स, ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स शामिल हैं। सरकार के इस कदम से इन डाउनस्ट्रीम सेक्टर्स पर लागत का दबाव कम होगा।

वेस्ट एशिया संकट के कारण सप्लाई चेन में आई रुकावट : वित्त मंत्रालय ने 2 अप्रैल को योजना की घोषणा करते हुए कहा था कि वेस्ट एशिया में संघर्ष से वैश्विक सप्लाई चेन में रुकावट को देखते हुए यह छूट दी जा रही है।इसका मुख्य उद्देश्य घरेलू उद्योग के लिए जरूरी पेट्रोकेमिकल इनपुट्स की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना और सप्लाई को स्थिर रखना है। इसके साथ ही सरकार ने यह भी कहा था कि इस उपाय से तैयार उत्पादों यानी फिनिश्ड प्रोडक्ट्स के कंज्यूमर्स को भी बड़ी राहत मिलेगी।

इन 9 प्रमुख प्रोडक्ट्स समेत 40 आइटम्स पर मिलेगी छूट : कस्टम ड्यूटी छूट के दायरे में आने वाले प्रमुख पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स में मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यूनि, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमीथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉलीब्यूटाडीन, स्टाइरीन-ब्यूटाडीन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन्स शामिल हैं।

पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर लिमिट 1 जुलाई से हटेगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल की खरीद पर लगाई गई सभी इमरजेंसी पाबंदियों को 1 जुलाई से हटाने का फैसला किया है। नए आदेश के बाद अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो जाएगी, यानी अब आप अपनी गाड़ी में जितना चाहें उतना डीजल भरवा सकेंगे। इसके साथ ही फैक्ट्रियों और कमर्शियल खरीदारों पर लगी रोक भी हटा दी गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 11 जून को पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से ये पाबंदियां लगाई थीं, जिन्हें सप्लाई सुधरने के बाद 29 जून के नए आदेश के जरिए वापस ले लिया गया है।

शाह ने एफसीआरए 2.0 पोर्टल तथा ई-ओसीआई कार्ड का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (ए)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यहां विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम, एफसीआरए 2.0 पोर्टल तथा ई-ओसीआई कार्ड का शुभारंभ किया और कहा कि इससे नागरिकों को सुविधाएं बढेंगी।

श्री शाह ने कहा कि इन दोनों पहलों से नागरिकों की सुविधाएं बढेंगी और विशेष रूप से एफसीआरए पोर्टल से दान प्राप्त करने वालों की दिक्कतें दूर होंगी। उन्होंने कहा, ÷ जब नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और तकनीक को स्वीकारने की मानसिकता तो सभी प्रकार का शासन ईमानदार लोगों के लिए बहुत सरल हो जाता है, गलत करने वालों पर पैनी निगरानी की व्यवस्था होती है और देश को अधिक से अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी सरकारों में एफसीआरए की व्यवस्था फाइलों और प्रक्रियाओं में उलझी हुई और निगरानी से परे थी लेकिन अब इसे मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में आवेदनों की संख्या और दान के प्रवाह में काफी वृद्धि हुई है, जिसे देखते हुए कागजी कार्यवाही में कमी लाना और विदेशी अंशदान पर प्रभावी निगरानी देश की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हो गया है। एफसीआरए कानून के कारण गलत उद्देश्यों से आने वाले विदेशी अंशदान पर निगरानी बढ़ेगी। नयी प्रणाली के माध्यम से भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी और ई-साइन आधारित प्रमाणीकरण, ओसीआर और एनजीओ दर्पण बैंक विवरण प्रणाली जैसी सुविधाएं सुनिश्चित होंगी।

बंगाल से कश्मीर तक 1500 किमी लंबी मानसून पट्टी बनी, 26 राज्यों में मानसून पहुंचा

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून ने मंगलवार दोपहर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश में एंट्री कर ली है। देश में अब तक 26 राज्यों को कवर कर लिया है। इससे पहले 24 जून को मध्य प्रदेश-गुजरात में एंट्री ली थी। इसके बाद 6 दिन अटका रहा। इससे कई राज्यों में गर्मी और उमस बनी हुई है। उधर, दिल्ली और उत्तर भारत के लिए राहत की खबर आ रही है। सैटेलाइट तस्वीरों में करीब 1,500 किमी लंबी मानसून ट्रफ (कम दबाव की लंबी पट्टी) बनती हुई दिखाई दी है। यह उत्तरी बंगाल की खाड़ी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मानसून ट्रफ बन चुकी है, लेकिन फिलहाल यह हिमालय की तलहटी (फुटहिल्स) के करीब स्थित है। यह ट्रफ धीरे-धीरे दक्षिण की ओर अपनी सामान्य स्थिति में पहुंचेगी, उत्तर भारत में बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर 1 से 4 जुलाई के बीच भारी बारिश हो सकती है।

पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाना एक एक्सपेरिमेंट : सरकार

असर अगले साल पता चलेगा सुप्रीम कोर्ट का मौजूदा सप्लाई पॉलिसी जारी रखने का आदेश

नई दिल्ली (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड से एथेनॉल खरीद बढ़ाने पर विचार करने को कहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश बीपीसीएल की याचिका पर दिया। कोर्ट ने कहा कि सरकार की मौजूदा पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होगा। बीपीसीएल_ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण की राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर सकता है। इस दौरान केंद्र सरकार ने बताया कि पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने का प्रोग्राम अभी भी एक्सपेरिमेंट है। इसका पूरा असर अगले साल तक पता चलेगा। एथेनॉल सप्लाई का यह विवाद कर्नाटक की विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड की याचिका से जुड़ा है। विन्प ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाते हुए दलील दी थी कि उसका एथेनॉल बनाने का प्लांट है। इसकी सलाना उत्पादन क्षमता करीब 9.90 करोड़ लीटर है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर एसआईटी रिपोर्ट सार्वजनिक करें सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली (ए)। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में बड़े और जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार और मंदिर ट्रस्ट से इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है।

कांग्रेस की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी महापाप है लेकिन प्राण प्रतिष्ठा और शिलान्यास में प्रमुख भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे इस मुद्दे पर मौन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट जमा होने के बावजूद उसे सार्वजनिक नहीं किया गया।

एसआईआर पर 23 विपक्षी दलों ने सीजेआई को लिखा पत्र

डीएमके ने भी दस्तखत किए, बोले-चुनाव आयोग की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी

नई दिल्ली (ए)। चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने मंगलवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लेटर लिखा। डीएमके के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी है। स्क्रूक का उद्देश्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जबकि लोकतंत्र का आधार सभी वयस्क नागरिकों को वोट का अधिकार देना है।

लेटर पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम समेत 23 विपक्षी दलों और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, लेटर पर साइन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वाम दलों के नेता शामिल हैं।

मुंबई में चलती स्कूल बस पर पेड़ गिरा एक छात्र की मौत, 11 घायल

मुंबई। मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार दोपहर प्राइवेट स्कूल बस पर एक पेड़ गिर गया। बस में कुल 12 स्टूडेंट थे। उनमें से 11 का रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं बस में फंसे 11 साल के छात्र विहान श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। स्कूल की छुट्टी के बाद प्राइवेट बस रोज की तरह बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही थी। तभी रोड नंबर 11 पर सड़क किनारे लगे पेड़ की बड़ी डालियां बस की छत पर आ गिरीं, जिससे बस का अगला और बीच का हिस्सा बुरी तरह दब गया। पेड़ गिरते ही बस के अंदर मौजूद बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग बस के पास पहुंचे।

डिजिटल इंडिया की धूम » **अब दुनिया के 10 देशों में डिजिटल पेमेंट कर सकेंगे भारतीय**

पीयूष गोयल की मौजूदगी में ग्रीस में शुरू हुई भारत की यूपीआई सर्विस

नई दिल्ली (ए)। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब ग्रीस में भी लाइव हो गया है। ग्रीस इस डिजिटल पेमेंट नेटवर्क से जुड़ने वाला नया देश बन गया है। एथेंस में यूरोबैंक के हेडक्वार्टर में यूरोबैंक और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड की पार्टनरशिप से शुरू हुई इस सर्विस का लाइव डेमो भी देखा गया।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एथेंस की अपनी ऑफिशियल विजिट के दौरान इस सर्विस के लाइव डेमो को देखा। उन्होंने कहा कि यूपीआई को मिल रही वैश्विक स्वीकार्यता से यह साबित होता है कि भारत की टेक्नोलॉजी पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। यह तकनीक सीमाओं के पार भी बेहतरीन तरीके से काम कर सकती है।

अब 10 देशों में मिलेगी यूपीआई की सुविधा : ग्रीस के इस नेटवर्क में शामिल होने के बाद अब दुनिया के 10 देशों में अलग-अलग रूपों में यूपीआई का इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह भारतीय यात्रियों के लिए क्यूआर-कोड आधारित मर्चेंट पेमेंट से लेकर क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस सर्विसेज (पैसे ट्रांसफर करने) तक की सुविधा देता है। इससे पहले कंबोडिया, सिंगापुर, यूएई, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर और श्रीलंका को उन आठ देशों के रूप में लिस्ट किया था, जहां यूपीआई को स्वीकार किया जा रहा है।

फ्रांस के एफिल टॉवर से हुई थी शुरुआत

यूरोप में यूपीआई के विस्तार में फ्रांस एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। साल 2024 में पेरिस के एफिल टॉवर से यूपीआई को लॉन्च किया गया था। इसके बाद इस सर्विस का विस्तार वहां के बड़े रिटेल डेस्टिनेशंस जैसे नीस में स्थित गैलरीज लाफायेट तक किया गया।

क्या है यूपीआई और इसके ग्लोबल विस्तार का भविष्य : यूपीआई को नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने डेवलप किया है, जो मोबाइल एप्स के जरिए तुरंत डिजिटल पेमेंट करने की सुविधा देता है। इसके ग्लोबल विस्तार का मुख्य उद्देश्य विदेश यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए पेमेंट की प्रक्रिया को आसान बनाना है। साथ ही इससे क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसफर में लगने वाली लागत और परेशानियों को कम करने में बड़ी मदद मिल रही है।

राजनाथ ने क्षेत्रीय उद्योगों से विकसित भारत की यात्रा में साझीदार बनने का किया आह्वान

नई दिल्ली (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विकसित भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध, प्रौद्योगिकी में सक्षम और सामाजिक रूप से सशक्त देश का संकल्प बताते हुए क्षेत्रीय उद्योगों से इस यात्रा में भागीदार बनने का आह्वान किया है।

श्री सिंह ने मंगलवार को वडोदरा में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान उद्योगपतियों, उद्यमियों, युवा नवोन्मेषकों और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने में क्षेत्रीय उद्योगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, विकसित भारत सिर्फ़ आर्थिक विकास का लक्ष्य नहीं है, बल्कि आर्थिक रूप से समृद्ध, तकनीकी रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से सशक्त देश बनाने का संकल्प है और क्षेत्रीय उद्योगों को इस यात्रा में भागीदार बनना चाहिए जिससे क्षेत्रीय ताकतों को राष्ट्रीय क्षमताओं में, स्थानीय नवाचारों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और औद्योगिक विकास को रणनीतिक ताकत में बदला जा सके।

न्यूज ब्रीफ

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुईखदान में निःशुल्क शव वाहन मुक्तांजलि-1099 की सुविधा

खैरागढ़ छुईखदान। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुईखदान मे आम नागरिको की सुविधा एवं संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाओ को ध्यान मे रखते हुए निःशुल्क शव वाहन मुक्तांजलि-1099 की सुविधा उपलब्ध कराई गई है इस सेवा के माध्यम से मरीज की मृत्यु होने पर उसके पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक घर अथवा निर्धारित स्थान तक निःशुल्क पहुंचाया जाता है जिससे शोकाकुल परिवारो को कठिन समय मे आर्थिक एवं मानसिक संबल मिल सके। अस्पताल परिसर मे इस सेवा से संबंधित सूचना बोर्ड भी लगाया गया है जिसमें 1099 हेल्पलाइन के साथ साथ वाहन चालको के संपर्क नंबर भी प्रदर्शित किए गए है ताकि आवश्यकता पड़ने पर परिजन तत्काल सेवा प्राप्त कर सके वर्तमान मे इस सेवा के लिए वाहन चालक पारस मो. 7067121789 एवं अर्जुन (मो. 7987146620 उपलब्ध है। खंड चिकित्सा अधिकारी बीएमओ डॉ. मनीष बघेल ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता को बेहतर एवं संवेदनशील स्वास्थ्य सुविधाए उपलब्ध कराने के लिए मुक्तांजलि-1099 सेवा संचालित की जा रही है उन्होने कहा कि किसी भी परिवार को अपने प्रियजन के निधन के बाद शव वाहन की व्यवस्था को लेकर परेशान होने की आवश्यकता नही है जरूरत पड़ने पर 1099 हेल्पलाइन अथवा प्रदर्शित मोबाइल नंबरो पर संपर्क कर निःशुल्क सेवा का लाभ लिया जा सकता है। डॉ. बघेल ने नागरिको से अपील की कि इस महत्वपूर्ण जनहितकारी सुविधा की जानकारी अधिक से अधिक लोगो तक पहुंचाए ताकि आवश्यकता के समय कोई भी परिवार इस सेवा से वंचित न रहे उन्होने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुईखदान मे मरीजो को बेहतर स्वास्थ्य सेवाए उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

छात्र प्रणव राजपूत ने मेधावी छात्र परीक्षा 2026 में प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त कर स्कूल के साथ पालकों को किया गौरवान्वित

साजा। सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा आयोजित मेधावी छात्र परीक्षा 2026 में सरस्वती शिशु मंदिर साजा के कक्षा पंचम के छात्र भैया प्रणव सिंह राजपूत ने 92 प्रतिशत प्राप्त कर छत्तीसगढ़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया है, इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्य गुनी राम साहू तथा विद्यालय परिवार एवं स्वामी विवेकानंद शिक्षण समिति साजा ने इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है साथ ही हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की है। बता दें कि प्रणव सिंह श्री वेद प्रकाश सिंह राजपूत के सुपुत्र हैं। ये बचपन से ही मेधावी रहे हैं।प्रत्येक वर्ष मेधावी छात्र के रूप में इनका चयन होता है। सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा भव्य अलंकरण समारोह आयोजित कर राज्य शासन के शिक्षा मंत्री व अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रति वर्ष पुरस्कृत किया जाता है। सरस्वती शिशु मंदिर साजा में अध्यनरत छात्र-छात्राओं के लिए भी यह उपलब्धि मायने रखता है इस गौरवशाली संस्थान ने भारतीय परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखा है। अंग्रेजी की ओर भागते पालकों के लिए भारतीय संस्कारों से सुसज्जित यह संस्था प्रेरणा का स्वरूप है। प्रणव के प्रदेश में तृतीय स्थान लाने पर पालकों के साथ संस्थान भी बधाई के पात्र है,आमजनों के द्वारा इन्हें दिया जा रहा है।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आवेदन 3 जुलाई तक

कवर्धा। पंजीकृत श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 3 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। जिला श्रम अधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ ऐसे निर्माण श्रमिकों की प्रथम दो संतानों को मिलेगा, जिनका मंडल में कम से कम एक वर्ष पूर्व से वैध पंजीयन हो तथा छात्र-छात्राएं वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कक्षा 6वीं में प्रवेश ले रहे हों। पात्र विद्यार्थियों का चयन शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार किया जाएगा।

शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव : विधायक चंद्राकर

शा. प्राथमिक शाला खाड़ा में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में हुए शामिल, नवप्रवेशी बच्चों का किया आत्मीय स्वागत

समवेत शिखर संवाददाता

दुर्ग। शासकीय प्राथमिक शाला खाड़ा में आयोजित संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में दुर्ग ग्रामीण के विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्री चंद्राकर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। श्री चंद्राकर जी ने कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी के नवप्रवेशी विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक प्रदान कर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत कर अभिनंदन किया। साथ ही विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की बधाई दी। इस अवसर पर बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन आनंद से भर दिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजित नेवता भोज में सहभागिता कर श्री चंद्राकर ने विद्यार्थियों, पालकों एवं ग्रामीणजनों के साथ आत्मीय संवाद किया। अपने उद्बोधन में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा, शिक्षा ही हमारे भविष्य की पूंजी है। हमारे गांव-क्षेत्र का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए आज हम सभी मिलकर प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार में लगातार शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। आगे श्री चंद्राकर ने कहा-बच्चे कच्चे मिट्टी के समान होते हैं, जिस साँचे में ढालो वैसा ही उनका स्वरूप बनता है। इसलिए घर के संस्कारों के साथ-साथ स्कूल में भी बच्चों को अच्छे संस्कार प्रदान करना हम सबकी जिम्मेदारी है। मैं सभी बच्चों से आग्रह करता हूं कि खूब मन लगाकर पढ़ाई करो। शिक्षा के माध्यम से आप जो बनना चाहते हो, जो मुकाम हासिल करना चाहते हो, वो सब बन सकते हो। इसलिए जीवन में ईमानदारी पूर्वक पढ़ाई करो, क्योंकि शिक्षा से ही प्रगति के द्वार खुलते हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से गाँव के सरपंच नंद कुमार साहू , आलबरस सरपंच सैनिक भुवन , भोथली सरपंच नेमीन खुटेल, जनपद सदस्य श्रीमती दामिनी साहू, महामंत्री पुराण देशमुख, बूथ अध्यक्ष दशरथ देशमुख, रामेश्वर प्रसाद साहू, भेवेंद्र देशमुख, प्राचार्य जे. आर. साहू, संकुल समन्वयक जनार्दन सेन, प्रधान पाठक श्रीमती यशोदा राजपूत, गुमीत साहू, डूमेंद्र सिन्हा, रवि मारकर तथा बड़ी संख्या में पालकगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

यूथ हॉस्टल सदस्यों ने पूरा किया हम्प्टा पास और चंद्रताल ट्रैक

समवेत शिखर संवाददाता

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफइण्डिया,नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश में नेशनल हिमालयन ट्रेकिंग सह ट्रेनिंग अभियान अंतर्गत हम्प्टा पास और चंद्रताल ट्रेकिंग कार्यक्रम 21 जून से 28 जून तक किया गया। ट्रैक की शुरुआत कुल्लू के पास सेउबाग बेस कैंप से हुई जहां से दल ने जोबरा होते हुए चिका ,बालू का घेरा, हम्प्टा पास, शिया गोरू, छत्रु और चंद्रताल तक का ट्रैक पूरा किया। विस्तृत जानकारी देते हुए यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया छत्तीसगढ़ के राज्य सचिव के.सुब्रमण्यम ने बताया कि हम्प्टा पास और चंद्रताल की समुद्र तल से ऊंचाई 14,100 फीट है और यह दुर्गम ट्रैक में शामिल है। इसे दुर्ग-भिलाई इकाई के पांच सदस्यों ने सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस अभियान में देश के विभिन्न राज्यों से 39 सदस्यों ने सहभागिता सुनिश्चित की।

इस दल में शामिल वरिष्ठ सदस्य भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त महाप्रबंधक 62 वर्षीय संजय द्विवेदी ने अपनी ऊर्जावान सहभागिता से सभी सदस्यों को प्रेरित किया। भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन विभाग कर्मी बृजबिहारी मिश्र ने ट्रैक लीडर की गौरवशाली भूमिका वहन की। भिलाई इस्पात संयंत्र के मर्चेंट मिल कर्मी ईश्वर कुमार पटेल ने अपने पैर में हुई सर्जरी से उबर कर ट्रैक को पूरा करने का साहस जुटाया।

साइबर ठगी में म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश, 23 आरोपी हिरासत में

समवेत शिखर संवाददाता

दुर्ग। साइबर ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि के लेनदेन में बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दुर्ग पुलिस ने 23 आरोपियों को हिरासत में लिया है। कार्रवाई थाना छावनी में दर्ज अपराध क्रमांक 312/2026 के तहत की गई, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(2), 318(3) एवं 318(4) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार विवेचना के दौरान यह सामने आया कि आरोपी कमीशन के लालच में अपने स्वयं के तथा अन्य लोगों के बैंक खाते साइबर एवं आर्थिक अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त रकम को विभिन्न माध्यमों से स्थानांतरित करने एवं अवैध लेनदेन के लिए किया जाता था। तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों के विश्लेषण तथा अन्य उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर 29 जून 2026 को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 23 लोगों को हिरासत में लिया।

पूछताछ के दौरान कई आरोपियों ने कमीशन के बदले बैंक खाते उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 मोबाइल फोन, 3 एटीएम कार्ड, 3 बैंक पासबुक, 3 आधार कार्ड, 3 चेकबुक सहित अन्य बैंकिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज जब्त किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है और साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि कुछ व्यक्तियों को धारा 35(1) बीएनएसएस के तहत नोटिस देकर छोड़ा गया है। मामले में साइबर एवं आर्थिक अपराध से जुड़े नेटवर्क की कड़ियों की जांच की जा रही है।

दुर्ग पुलिस की अपील : दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी लालच, कमीशन या लाभ के बदले अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक, मोबाइल सिम या अन्य बैंकिंग दस्तावेज किसी अन्य व्यक्ति को उपलब्ध न कराएं। ऐसे खातों का उपयोग साइबर अपराधों में होने पर खाताधारक भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं। किसी भी संदिग्ध साइबर गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस या साइबर हेल्पलाइन को दें।

दुर्ग के मोहन बाल मंदिर परिसर की देखरेख पर उठे सवाल, स्थानीय लोगों ने व्यवस्था सुधार की मांग की

समवेत शिखर संवाददाता

दुर्ग। शहर में लगातार सामने आ रही अप्रिय घटनाओं के बीच शासकीय भवनों की सुरक्षा, रखरखाव और निगरानी व्यवस्था को लेकर स्थानीय स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। इसी कड़ी में दुर्ग शहर के गंजपारा वार्ड क्रमांक 36 स्थित मोहन बाल मंदिर परिसर को लेकर स्थानीय नागरिकों ने गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मोहन बाल मंदिर परिसर में छोटे बच्चों के लिए स्कूल संचालित होता है, जहां लगभग 40 बच्चे अध्ययन करते हैं। बताया गया कि बीती रात्रि परिसर में गौवंश के साथ कथित रूप से अशोभनीय घटना होने की जानकारी सामने आई, जिसे स्थानीय लोगों ने गंभीर एवं निंदनीय बताया है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस प्रकार की घटनाओं के पीछे परिसर की सुरक्षा और देखरेख में कमी एक बड़ा कारण हो सकती है। उनके अनुसार परिसर के मुख्य द्वार पर नियमित रूप से ताला नहीं लगाया जाता, भवन के कई कमरे खुले रहते हैं तथा परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और चौकीदार की व्यवस्था नहीं है। इसके साथ ही स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि मोहन बाल मंदिर परिसर के कुछ कमरों में पिछले कई वर्षों से राशन दुकान संचालित की जा रही है। उनका कहना है कि यह भवन शासकीय उपयोग के लिए है और परिसर के उपयोग, किराया, रखरखाव एवं बिजली व्यय को लेकर स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं है। नागरिकों ने दावा किया कि इस विषय में पहले भी जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायतें दी जा चुकी हैं। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि संबंधित विभाग एवं नगर निगम परिसर के उपयोग, सुरक्षा व्यवस्था, भवन प्रबंधन तथा राशन दुकान संचालन से जुड़े तथ्यों की जांच कर स्थिति स्पष्ट करें। साथ ही परिसर में नियमित निगरानी, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके। स्थानीय नागरिकों ने यह भी सुझाव दिया है कि भवन की देखरेख के लिए वार्ड स्तर पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर स्थायी व्यवस्था बनाई जाए।

'अल मदद' के स्वास्थ्य शिविर का लाभ लिया लोगों ने, याद किए करबला के शहीद

समवेत शिखर संवाददाता

भिलाई। अलमदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की ओर से रक्त दान शिविर एवं दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण और सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 29 जून को मुस्लिम कम्युनिटी हॉल सेक्टर-6 में आयोजन किया गया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भागीदारी दी और निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में परीक्षण करवाया। सोसाइटी की ओर से स्वास्थ्य शिविर के बाद शाम 5 बजे से औरतों की लिए तकरीर रखी गई थी। जिसमें आलिमा गुल निशा ने करबला के शहीदों का बयान किया गया।

अल मदद सोसाइटी की डायरेक्टर अंजुम अली ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर और तकरीर के बाद फातिहा ख्वानी हुई और आखिर में खिचड़ा तकसीम किया गया। इस आयोजन में बैतुलमाल कमेटी, इकरा टीचर्स एसोसिएशन, अंजुमन हुसैनिया, सीटीबी फाउंडेशन, हजरत बीबी फातिमा जोहरा कमेटी के ओहदेदारों के साथ सैयद जमशेद अली एजीएम (बीएसपी), सीजीटी फाउंडेशन के प्रमुख आरिफअशरफी, हुसैन, बैतुलमाल कमेटी से अब्दुल हफीज़, अलीम सिद्दीकी एवं सैयद बाबा की भागीदारी रही। वहीं पूरे आयोजन को सफल बनाने में अलमदद सोसाइटी से कौसर खान, शाहीन खान, लीना तज़नीम, कैसर इकबाल, शीरिन कुरैशी, दिलशाद, साबरा, दरख्शां अंजुम, नीलोफर, रुखसाना सिद्दीकी, समीना खान, रुबिना, तहमीना, डॉक्टर अमरीन, सैयद निसार, शमीमुद्दीन, दानिश कुरैशी, अब्दुल शमी, शादाब, आरिफखान, शौकत इकबाल, तौहीद अली सिद्दीकी, अशरफ अली और अलीमुद्दीन का प्रमुख योगदान रहा।

पुलिस के बाद अब पटवारियों पर एसीबी की नजर

- राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार से त्रस्त है आमजन
- नामांतरण, बंटवारा, खसरा बी-1 की नकल के नाम पर खुलेआम वसूली

समवेत शिखर संवाददाता

थान खम्हरिया। पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के बाद अब एंटी करप्शन ब्यूरो एसीबी की नजर राजस्व विभाग के पटवारियों पर टिक गई है।

नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, खसरा-बी-1-नक्शा,बटांकन तथा नक्शा त्रुटि सुधार और फसल क्षति सर्वे जैसे कामों के नाम पर पटवारियों द्वारा खुलेआम वसूली की शिकायतें लगातार बढ़ रही है। इससे तंग आकर एसीबी दुर्ग ने थान खम्हरिया सहित पूरे जिले में पटवारियों के खिलाफ सत्यापन और ट्रैप अभियान शुरू कर दिया है। 26 जून को थान खम्हरिया थाने मे पदस्त प्रधान आरक्षक अजय लहरे को एसीबी डीएसपी मनीष तम्बोली की टीम ने 15 हजार रूपए काम के बदले रिश्वत लेते रंगे हाथो पकड़ा था।

सूत्रों के मुताबिक इसी दिन तहसील क्षेत्र के दो पटवारी के उपर भी एसीबी की टीम कार्रवाई करने वाली थी परंतु थाने की कार्रवाई मे विलंब के कारण संभव नहीं हो सका । राजस्व विभाग मे नीचे से उपर तक भ्रष्टाचार का बोलबाला है खासकर खसरा, रकबा व नक्शा त्रुटि सुधार का काम करने पटवारी दलाल के माध्यम से हजारो रूपए तक हितग्रहियो से वसूली करने का आरोप है।थान खम्हरिया क्षेत्र के दर्जनों किसान की शिकायत है की पटवारी व राजस्व निरीक्षक तहसीलदार के आदेश का भी अवहेलना करते है ग्राम उमरावनगर के किसान कूशल साहू भूमि सीमांकन के लिए पिछले 6 माह से भटक रहा है वही थान खम्हरिया निवासी फिरोज खान पिछले 4 माह से दशहरा उत्सव मैदान मे अतिक्रमण हटाने सीमांकन के लिए पटवारी का चक्कर लगा रहा है ग्रामीणों का आरोप यह भी है कि खसरा-नक्शा की नकल सरकारी फीस 15 रु, पटवारी मांगते 2 हजार रूपए,सीमांकन/नपाई 2 हजार से शुरू,जमीन ज्यादा तो रेट भी ज्यादा, ऐसे राजस्व विभाग मे भ्रष्टाचार चरम पर है। गौरतलब है कि गरीब किसान कोर्ट-कचहरी नहीं कर सकता पटवारी ही उसके लिए भगवान बन बैठा है। तहसीलदार के चक्कर काटो तो वो भी पटवारी की रिपोर्ट मांगते हैं। पूरा सिस्टम पटवारी के इशारे पर चलता है। सबसे ज्यादा भूमि बिक्री नकल पर बोली लगती है सिंचित को असिंचित, दोफसली का एक फसली और पक्की मकान को कच्चा बनाने पटवारी हितग्राहीयो से अधिक दाम वसूलते है।पिछले 6 माह का ही उप पंजीयक कार्यालय का नकल निकाला जाय तो पटवारीयो का काला चिठ्ठा बाहर निकल सकता है।खबर है कि एसीबी का एक्शन प्लान पिछले महीने थाने में प्रधान आरक्षक को रिश्वत लेते पकड़ने के बाद एसीबी डीएसपी मनीष तंबोली ने राजस्व विभाग को शिकायत के बाद टार्गेट किया है।खबर है कि ऐसीबी के पास थान खम्हरिया तहसील क्षेत्र के राजस्व मामलो की 30 शिकयते प्राप्त हुई है अब कब और कैसे भ्रष्टाचार नैरोधक दस्ते की कार्रवाई होगी यह समय के गर्भ मे है।

प्रधान पाठक धनेश रजक की बाल पुस्तक का भव्य विमोचन

साहित्य सृजन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए हुए सम्मानित

समवेत शिखर संवाददाता

दो रचनाओं ने किया आकर्षित

उल्लेखनीय है कि साझा बाल काव्य संग्रह मोर अंगना के शोर में धनेश रजक की दो रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। पहली कविता मत काटो तुम इन पेड़ों को पर्यावरण संरक्षण का प्रेरक संदेश देती है, जबकि दूसरी बाल कविता आ नहा लो बेटा, आज शनिवार है बस्ता-विहीन शनिवार की अवधारणा पर आधारित एक मनोरंजक, शिक्षाप्रद एवं प्रेरक गीत है। श्री रजक की इन रचनाओं ने सभी वर्गों को आकर्षित किया है।

साजा। हमर चिन्हारी साहित्य समिति छत्तीसगढ़ एवं साहित्य लेखन रिसोर्स शिक्षक परिवार छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आयोजित भव्य पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह में विकासखंड साजा, जिला बेमेतरा के शासकीय प्राथमिक शाला खपरी धोबी के प्रधान पाठक धनेश रजक द्वारा लिखित बाल पुस्तक ÷नन्हे बच्चों की 20 मीठी-मीठी कविताएँ÷ का विशेष विमोचन माननीय अनुज शर्मा, विधायक धरसींवा सहित विशिष्ट अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया।

मोर अंगना न शोर के लिए हुए सम्मानित : इस अवसर पर साझा बाल काव्य संग्रह मोर अंगना के शोर में साहित्यिक सहभागिता के लिए प्रधान पाठक धनेश रजक को माननीय केदार कश्यप (कैबिनेट मंत्री) एवं अनुज शर्मा (विधायक, धरसींवा), श्री अमित चिमनानी (सीए एवं भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रवक्ता), श्रीमती डॉ. गीता देवी सिंह तथा सुश्री के. शारदा (राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका, दुर्ग) के करकमलों से सहभागिता सम्मान प्रमाणपत्र, स्मृति-चिह्न एवं पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

केदार कश्यप ने बताया प्रेरणादायी पहल : समारोह के दौरान कैबिनेट मंत्री माननीय केदार कश्यप ने साझा बाल काव्य संग्रह मोर अंगना के शोर की सराहना करते हुए कहा कि यह एक उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी पहल है। उन्होंने पुस्तक के उत्कृष्ट समन्वय की प्रशंसा करते हुए उपस्थित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं से अपने-अपने अंचल, संस्कृति एवं स्थानीय परिवेश पर आधारित साहित्य का सृजन करने का आह्वान किया।

विधायक अनुज शर्मा ने की सराहना : विधायक अनुज शर्मा ने प्रधान पाठक धनेश रजक द्वारा लिखित पुस्तक नन्हे बच्चों की 20 मीठी-मीठी कविताएँ का अवलोकन करते हुए इसे अत्यंत सुंदर, आकर्षक एवं बालकों के लिए उपयोगी पुस्तक बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों में पठन-पाठन की रुचि विकसित करने तथा रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक सराहनीय एवं प्रेरणादायी पहल है।

शुभकामनाएं और बधाइयों का लगा तांता : पुस्तक विमोचन एवं सम्मान प्राप्त होने पर साजा के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने धनेश रजक को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव एवं प्रेरणा का विषय बताया।कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती ज्योति बनाफर (बेमेतरा) एवं मारुति शर्मा (बालोद) ने किया, जबकि सांस्कृतिक मंच का प्रभावशाली संचालन प्रधान पाठक धनेश रजक ने किया।

इस अवसर पर मोर अंगना के शोर के प्रमुख संपादक वीरेन्द्र कुमार साहू, संरक्षक श्रीमती ऋचा सिंह, हमर चिन्हारी साहित्य समिति छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष मीना रानी दुबे, समिति के पदाधिकारी, साहित्यकार, शिक्षक-शिक्षिकाएँ तथा बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी एवं दर्शकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम साहित्य, शिक्षा एवं बाल सृजन को समर्पित एक गरिमामय, प्रेरणादायी एवं यादगार आयोजन के रूप में संपन्न हुआ।

3 जुलाई को हड़ताल पर रहने कोटवारों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

समवेत शिखर संवाददाता

थान खम्हरिया। कोटवार एसोसिएशन आफ छ ग के प्रांतीय आव्हान पर प्रदेश के सभी कोटवार 7 सूत्रीय मांगो को लेकर 3 जुलाई शुक्रवार को एक दिवसीय हडताल पर रहेंगे।आज थान खम्हरिया तहसील कोटवार संघ ने अपने लंबित मांगो को लेकर एक दिवसीय हडताल मे जाने तहसीलदार सरिता मढरिया व थाना प्रभारी अर्जुन साहू को ज्ञापन सौपा।

ज्ञापन के माध्यम से कोटवारो ने कहा है कि पूर्व के मांगो पर शासन द्वारा कोई जरूरी कदम नही उठाने बडी विडंबना है के साथ ही कोटवारो भे निराशा भी है ज्ञापन मे आगे कहा गया है कि अपनी मांगो को लेक 3 जुलाई को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौपा जायगा। कोटवारो एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ की प्रमूख मांगो मे कोटवारो को नियमित करते हुए राजस्व विभाग मे सम्मिलित किया जाय, कोटवारो को पारिश्रमिक मे वृद्धिकरथे हुए न्युनतम 15 हजार रूपए मासिक किया जावे,कोटवारो की नियुक्त मे हो रही भ्रष्टाचार को दूर करते हुए कोटवादो के परिवार के सदस्य को नियुक्त मे प्राथमिकता दी जावे,झूठे आरोप को आधार पर भ्रिन्न तथ्यो की जानकारी लिए कोटवारो के ऊपर हो रही कार्यवाहियो पर रोक लगायी जाय कोटवेरो से अनावश्यक बेगारी न लेने संबंधी आदेश का कडाई से पालन हो तथा नगरीय निकाय क्षेत्र मे कोटवारो की नियुक्त पर लगाया गया प्रतिबंध तत्काल हटायी जावे जैसे मांगे शामिल है।3 जुलाई को तहसील क्षेत्र के लगभग 80 कोटवार तहसील कार्यालय के सामने अपनी मांगो लेकर धरने पर बैठने वाले है।थान खम्हरिया तहसील कोटवार संघ के अध्यक्ष धुरवादास ने एक दिवसीय हडताल के संबंध मै बताया कि उपरोक्त मांगे 20 वर्ष पुरानी है परंतु विडंबना है कि शासन की ओर से अब तक कोई पहल की गयी जिससे कोटवारो मे निराशा है उन्होने बताया कि संघ अपनी 7 सूत्रीय मांगो को लेकर 3 जुलाई को प्रथम चरण मे सांकेतिक हडताल पर रहेंगे।

▶▶ न्यूज ब्रीफ

सरोना फ्लाईओवर ब्रिज पर ट्रेलर पलटा क्रेन से हटाया गया ट्रेलर, 6 ट्रैक्टर लदे हुए थे, 40 मिनट में बहाल हुआ यातायात

रायपुर। राजधानी रायपुर के सरोना फ्लाईओवर पर मंगलवार सुबह सड़क हादसा हो गया। 6 ट्रैक्टरों से लदा ट्रेलर सरोना ब्रिज से गुजरते समय बेकाबू होकर पलट गया। हादसे के बाद दुर्ग-रायपुर रोड पर यातायात बाधित हो गया और लंबा जाम लग गया। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। डीएसपी ट्रैफिक सतीश ठाकुर ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। ट्रेलर पलटते ही सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस और अन्य टीमें मौके पर पहुंचीं और क्रेन की मदद से राहत और हटाने का कार्य शुरू किया गया। करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद ट्रेलर को हटाकर यातायात सामान्य किया गया। हादसे में ट्रेलर में लदे ट्रैक्टरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है, लेकिन चालक सुरक्षित है। शुरुआती जांच में वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यातायात प्रभावित होने के दौरान पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर दुर्ग से रायपुर आने-जाने वाले हल्के वाहनों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी थी। पुलिस ने सुझाव दिया कि वाहन चालक सरोना मार्ग की बजाय एम्स-मोहबाबाजार मार्ग से शहर में प्रवेश करें, ताकि जाम से बचा जा सके। डीएसपी सतीश ठाकुर के अनुसार, अब मार्ग पूरी तरह सामान्य हो चुका है और यातायात सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

निर्माणाधीन बिलासपुर-उरगा खंड पर आम वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित

रायपुर। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर (ह॥ 130) के निर्माणाधीन बिलासपुर-उरगा खंड पर आम नागरिकों एवं सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित है। यह खंड अभी निर्माणाधीन है तथा तकनीकी रूप से सामान्य यातायात के लिए चालू नहीं किया गया है। वर्तमान में इस मार्ग का उपयोग केवल परियोजना निर्माण कार्य में संलग्न वाहनों, मशीनरी एवं अधिकृत कर्मियों द्वारा ही किया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), परियोजना कार्यान्वयन इकाई, कोरबा के परियोजना निदेशक अंकित आनंद ने बताया कि निर्माणाधीन बिलासपुर-उरगा खंड पर अनधिकृत आवागमन को रोकने के लिए सभी एंट्री एवं एग्जिट पॉइंट बंद कर दिए गए हैं। साथ ही, पूरे राजमार्ग में निगरानी के लिए सीसीटीवी सर्विलांस प्रणाली स्थापित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद निर्माणाधीन मार्ग पर प्रवेश करने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एनएचएआई ने सभी नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्माणाधीन मार्ग पर प्रवेश न करें तथा आवागमन के लिए केवल निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें। निर्माणाधीन मार्ग पर अनधिकृत प्रवेश न केवल सुरक्षा की दृष्टि से अत्यधिक जोखिमपूर्ण है, बल्कि इससे निर्माण कार्य की गति भी प्रभावित होती है। एनएचएआई सुरक्षित, सुगम एवं विश्वस्तरीय राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है तथा आम नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों के महत्व पर हुआ मंथन

रायपुर। आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा आज इंद्रावती भवन, नवा रायपुर में राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण सांख्यिकीय आंकड़ों के महत्व, साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण तथा प्रशासनिक आंकड़ों के प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के संचालक श्री तीर्थराज अग्रवाल ने कहा कि विश्वसनीय सांख्यिकीय आंकड़े प्रभावी नीति निर्माण, सुशासन और समावेशी विकास की मजबूत आधारशिला हैं। मुख्य अतिथि प्रो. प्रीति के. सुरेश (डायरेक्टर, स्स्ल्र्झ्रष्ट) तथा प्रो. धर्मेंद्र कुमार गंगेश्वर (विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय) ने भी नीति निर्माण, अनुसंधान और विकास योजनाओं के सफ्ल क्रियान्वयन में सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़ों की भूमिका पर प्रकाश डाला। अपर संचालक श्री एन. बुलीवाल ने राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस की प्रासंगिकता एवं सांख्यिकी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

खेल प्रतिभाओं को आधुनिक प्रशिक्षण, बेहतर संसाधन और प्रतिस्पर्धात्मक अवसर उपलब्ध कराएगी हमारी सरकार : सीएम साय

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति की बैठक, उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन प्रक्रिया में 156 खिलाड़ी पात्र

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज उनके निवास कार्यालय में उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव सहित समिति के सदस्यों ने वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 के लिए प्राप्त आवेदनों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया तथा सभी पहलुओं की समीक्षा के बाद 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन को अंतिम स्वरूप प्रदान किया। इनमें 20 अलग-अलग खेलों के खिलाड़ी शामिल हैं।

बैठक में अनुमोदित 156 खिलाड़ियों की सूची को सामान्य प्रशासन विभाग को भेजा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इसे अधिसूचित करने के बाद खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में लेने के लिए आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ होगी। राज्य के खिलाड़ी लंबे समय से इस सूची की प्रतीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में आज हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद खिलाड़ियों का यह इंतजार जल्द समाप्त हो जाएगा।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए पारदर्शी, समयबद्ध और प्रोत्साहन आधारित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि चयनित उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पात्रता के अनुरूप उन्हें शासकीय सेवा में नियुक्ति दिलाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया और व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन खिलाड़ियों का अनुभव और उपलब्धियां प्रदेश की नई खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं, इसलिए उनकी सेवाओं का उपयोग खेल प्रशिक्षण, प्रतिभा संवर्धन और खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में भी किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल खिलाड़ियों को सम्मानित करना नहीं, बल्कि ऐसी मजबूत खेल व्यवस्था विकसित करना है, जहां गांव से लेकर राज्य स्तर तक प्रतिभाओं की समय रहते पहचान हो, उन्हें आधुनिक प्रशिक्षण, बेहतर संसाधन और प्रतिस्पर्धात्मक अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से खेल गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा खेल प्रतिभाओं के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। खेल अधोसंरचना के विस्तार, आधुनिक सुविधाओं के विकास तथा नई खेल अकादमियों की स्थापना की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य ऐसे उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार करना है जो राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ और देश का गौरव बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि आज चयनित खिलाड़ी भविष्य में नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर प्रदेश में खेल संस्कृति को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक में बताया गया कि राज्य में अब तक 182 उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किए जा चुके हैं। इसी क्रम में वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 के लिए पूर्व में विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों के परीक्षण और निर्धारित मानकों के आधार पर 156 खिलाड़ियों को पात्र पाया गया।

पारदर्शी और नियमसम्मत उपयोग सरकार की प्राथमिकता : राजस्व मंत्री वर्मा

राजस्व विभाग की अंतरविभागीय समिति की बैठक में 12 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर हुआ गहन विचार-विमर्श

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। राज्य शासन ने विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थाओं, सहकारी बैंकों, सामाजिक संगठनों और सार्वजनिक उपयोग की परियोजनाओं के लिए शासकीय भूमि आवंटन से जुड़े मामलों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण की दिशा में एक बड़ी पहल की है। इसी कड़ी में आज मंत्रालय (महानदी भवन) में शासकीय भूमि आवंटन संबंधी विचारार्थ अंतरविभागीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

यह उच्च स्तरीय बैठक राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी के मार्गदर्शन में विचारार्थ प्रकरण सूची पर विस्तार से चर्चा की गई। 12 महत्वपूर्ण मामलों पर मंथनरू बैठक के दौरान कुल 12 प्रमुख प्रस्तावों पर विचार किया गया। इनमें मुख्य रूप से आवासीय प्रयोजन, बैंक शाखा भवन, सामाजिक भवन, विद्यालय, ऑडिटोरियम निर्माण और विभिन्न संस्थाओं को शासकीय भूमि आवंटन से जुड़े मामले शामिल हैं। बैठक में रायपुर, धमतरी, कवर्धा और जगदलपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से प्राप्त भूमि आवंटन संबंधी प्रस्तावों की समीक्षा की गई।

सामाजिक अंकेक्षण के दौरान प्राप्त आपत्तियों का कंडिकावार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें : मुख्य सचिव विकासशील

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ सामाजिक अंकेक्षण इकाई की सामान्य सभा की बैठक संपन्न

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ सामाजिक अंकेक्षण इकाई की सामान्य सभा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने सामाजिक अंकेक्षण में पारदर्शिता और जवाबदेही पर विशेष जोर दिया जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सामाजिक अंकेक्षण के दौरान प्राप्त आपत्तियों का कंडिकावार शीघ्र निराकरण किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण ग्राम सभा को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वार्षिक कार्ययोजना पर विस्तार से हुई चर्चा : मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को ग्राम सभाओं में अनिवार्य रूप से अंकेक्षण रिपोर्ट दिया जाना आवश्यक है। बैठक में सामाजिक अंकेक्षण इकाई द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत वार्षिक कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। इस वर्ष प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण एवं राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रमों के सामाजिक अंकेक्षण कराये जाने पर बल दिया गया।

सामाजिक अंकेक्षण नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम : बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2025-26 में अब तक किए गए सामाजिक अंकेक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना एवं बजट का भी अनुमोदन किया गया। बैठक में सामाजिक अंकेक्षण इकाई के निर्माण हेतु विस्तार से चर्चा हुई। सामाजिक अंकेक्षण कार्य में नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु डेवलपमेंट एजेंसी के सहयोग के लिए भी चर्चा हुई। बैठक में सामाजिक अंकेक्षण इकाई के विस्तार हेतु अन्य योजनाओं से निश्चित विकास निधि के निर्धारण के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई।

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित वरिष्ठ नेता पहुंचे नकटी के प्रभावितों से मिलने

गरीब और कमजोर वर्गों पर होने वाले किसी भी प्रकार के अन्याय को स्वीकार नहीं किया जा सकता : बघेल

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। कांग्रेस नकटी के ग्रामीणों के साथ खड़ी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पूर्व मंत्री शिव डहरिया, पूर्व मंत्री धनेन्द्र साहू, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, राजेन्द्र पप्पू बंजारे सहित वरिष्ठ नेता नकटी के प्रभावितों से मिलने पहुंचे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि नकटी में गरीबों के घर उजाड़े जाने का कांग्रेस विरोध करती है। 40 सालों से लोग घर बनाकर रह रहे है, सरकार दूसरे जगह विधायकों की कालोनी बना सकती है। नया रायपुर में आप 1 रू. फीट में सैकड़ों एकड़ जमीन एलॉट कर सकते है। वहां पर विधायक कालोनी बना लेते। सरकार गरीब विरोधी है। यह अत्याचार है। हम गरीबों को तत्काल व्यवस्थापित करने की मांग करते है। जिनका मकान तोड़े है, उनको मकान बना कर दे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि परपीड़क भाजपा सरकार की कार्रवाई के कारण नकटी गांव के अनेक गरीब परिवारों के आशियाने उजड़ गए। गरीब और कमजोर वर्गों पर होने वाले किसी भी प्रकार के अन्याय को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हमारा संघर्ष पूरी प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेगा। कांग्रेस पार्टी उनके न्याय और अधिकारों की इस लड़ाई में हर कदम पर साथ है।

कृषि विश्वविद्यालय में सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. एमपी ठाकुर सहित चार कर्मचारियों को दी गई विदाई

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. एम.पी. ठाकुर सहित चार कर्मचारियों को आज यहां भावभीनी विदाई दी गई। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सभा कक्ष में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित विदाई समारोह में पूर्व में निदेशक शिक्षण, निदेशक विस्तार सेवाएं तथा अधिष्ठाता कृषि संकाय जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके डॉ. एम.पी. ठाकुर को उनकी अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर विदाई दी गई। डॉ. ठाकुर सेवानिवृत्ति से पूर्व कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के नोडल अधिकारी का दायित्व संभाल रहे थे।

छत्तीसगढ़ में मशरूम की खेती को गांव-गांव तक पहुंचाने में डॉ. ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके अलावा निदेशक शिक्षण कार्यालय से सेवानिवृत्त तीन अन्य कर्मचारियों श्री मुक्तानंद नायक शाखा अधिकारी, श्री जलम यादव सहायक ग्रेड-01 एवं श्री नवल किशोर श्रीवास्तव वाहन चालक को भी भावभीनी विदाई दी गई। कुलपति डॉ. चंदेल ने सभी सेवानिवृत्त होने वालों को शॉल, श्रीफ्ल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

उन्होंने उनके सेवानिवृत्ति उपरांत स्वस्थ, सुदीर्घ तथा सुखमय जीवन हेतु शुभकामनाएं व्यक्त कीं। विदाई समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिलदेव दीपक, निदेशक शिक्षण डॉ. विजय कुमार, वित्त नियंत्रक श्रीमती मनीषा नाग, उप वित्त नियंत्रक श्री सचिन शर्मा, उप कुलसचिव डॉ. येमन कुमार देवांगन सहित विश्वविद्यालय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

निर्माण स्थलों पर सुरक्षा घेरा अनिवार्य हो, बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं : डॉ. वर्णिका शर्मा

बारिश के मौसम में बच्चों की सुरक्षा पर अलर्ट, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने दिए निर्देश

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। बारिश के मौसम में खुले गड्ढों, निर्माणाधीन स्थलों और पानी से भरी नालियों के कारण बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ते खतरे को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, जिला कलेक्टरों और नगरीय निकायों के अधिकारियों को आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि बारिश के दौरान खुले गड्ढों में पानी भर जाने से बच्चों के लिए गंभीर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। कई बार खेलते समय या स्कूल आते-जाते बच्चों को गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे उनकी जान तक जोखिम में पड़ जाती है।

आयोग ने नगरीय क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर खुले गड्ढों, नालियों और निर्माणाधीन स्थलों की पहचान करने तथा उन्हें तत्काल भरने या उनके चारों ओर मजबूत बैरिकेडिंग और सुरक्षा घेरा लगाने की अनुशंसा की है। साथ ही निर्माण एजेंसियों और आवासीय कॉलोनियों को भी निर्देशित करने कहा गया है कि निर्माण कार्यों के लिए खोदे गए गड्ढों को खुला न छोड़ें और उनके आसपास पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करें। डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि संवेदनशील और निर्माणाधीन स्थलों पर आवश्यकता अनुसार चौकीदार या सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएं, ताकि बच्चों को संभावित जोखिम से बचाया जा सके।

उन्होंने इस विषय को अत्यंत संवेदनशील बताते हुए जिला स्तर पर नियमित समीक्षा करने और संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। आयोग ने संबंधित विभागों और निकायों से इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करते हुए किए गए उपायों की जानकारी 7 जुलाई 2026 तक उपलब्ध कराने को कहा है, ताकि बारिश के मौसम में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

एनआईटी के पास 7 संस्थानों पर निगम की कार्रवाई

रायपुर। रायपुर नगर निगम की जोन-7 टीम ने जनशिकायत मिलने के बाद जीई रोड स्थित एनआईटी के आसपास सात संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान सभी संस्थानों में गंदगी और प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने पर नगर निगम ने कुल 50 हजार रुपए का ई-चालान किया। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन-7 की जोन कमिश्नर डॉ. तृप्ति पाणीग्रही के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौजूद रही। नगर निगम के मुताबिक स्वच्छता को लेकर मिली शिकायत की जांच के लिए टीम मौके पर पहुंची थी। निरीक्षण के दौरान शिकायत सही पाई गई। सातों संस्थानों में गंदगी मिलने के साथ ही प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग भी पाया गया।

आदिवासी समाज के सशक्त नेतृत्व और शिक्षा से नए छत्तीसगढ़ का निर्माण हो रहा है : मंत्री केदार कश्यप

छत्तीसगढ़ कंडरा आदिवासी समाज के सामाजिक भवन का हुआ लोकार्पण, उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप मंगलवार को रायपुर के महादेव घाट में आयोजित छत्तीसगढ़ कंडरा आदिवासी समाज के सामाजिक भवन लोकार्पण, सम्मान समारोह एवं वार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए। उन्होंने नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण किया और शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

शिक्षा और संगठन समाज की सबसे बड़ी ताकत : मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक ताकत उसकी शिक्षा, संगठन और संस्कार होते हैं। आज आदिवासी समाज के युवा शिक्षा, प्रशासन, तकनीक, व्यवसाय, खेल और जनप्रतिनिधित्व सहित अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। यह नए और विकसित होते छत्तीसगढ़ का सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि आज दूरस्थ क्षेत्रों के आदिवासी युवा डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, उद्यमी और जनप्रतिनिधि बनकर समाज के लिए प्रेरणा बन रहे हैं।

शासकीय योजनाओं से आदिवासी समाज को मिल रहा सशक्त आधार

श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। नई शिक्षा नीति, छात्रवृत्ति, आवासीय विद्यालय, कौशल विकास, वनाधिकार, स्वरोजगार, लघु वनोपज का बेहतर मूल्य तथा महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण जैसी योजनाओं से आदिवासी समाज को आगे बढ़ाया जा रहा है।

सामाजिक भवन बनेगा विकास और मार्गदर्शन का केंद्र : मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि सामाजिक भवन केवल एक भवन नहीं, बल्कि समाज की एकता, संवाद, संस्कार और नई पीढ़ी के मार्गदर्शन का केंद्र है। यहां विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, सांस्कृतिक गतिविधियों, सामाजिक कार्यक्रमों और समाज के विकास से जुड़े कार्यों के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे।

युवाओं को आगे बढ़ाने का किया आह्वान : मंत्री केदार कश्यप ने समाज के वरिष्ठजनों से अपनी समृद्ध परंपराओं और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, डिजिटल तकनीक और स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री केदार कश्यप ने सामाजिक भवन के निर्माण के लिए समाज को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि संगठित समाज, शिक्षित युवा और सशक्त नेतृत्व के बल पर छत्तीसगढ़ कंडरा आदिवासी समाज विकास और प्रगति की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

कबीर के विचारों को सिर्फ याद करने की नहीं उस पर चलने की है जरूरत : रंजना शर्मा

सतगुरु कबीर धर्मदास वंशावली सेवा समिति रायपुर का दो दिवसीय सतगुरु कबीर प्राकट्य उत्सव संपन्न

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। सतगुरु कबीर धर्मदास वंशावली सेवा समिति रायपुर का दो दिवसीय सतगुरु कबीर प्राकट्य उत्सव दिनांक 29.06.2026 को सम्पन्न हुआद्य कार्यक्रम के प्रथम दिवस में श्री सदुरु कबीरधाम, अमलेश्वर में सदुरु कबीर साहेब का 628वाँ प्रकट उत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर कबीर पंथ के 16वें वंशाचार्य परम पूज्य हुजूर उदितमुनि नाम साहेब कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा का आगमन हुआ। इस अवसर पर परम पूज्य वंशाचार्य के कर-कमलों द्वारा पहली बार श्री कबीरधाम अमलेश्वर में सात्विक यज्ञ, चौका एवं आरती संपन्न कराई गई। इस दिव्य आयोजन में श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा के साथ सहभागिता कर सद्गुरु कबीर साहेब के सत्य, समता, मानवता एवं सदाचार के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में सदगुरु कबीर धर्मदास वंशावली सेवा समिति एसकेडीवी मिशन नवयुवक मंडल एवं आमीन माता महिला मंडल की ओर से राजधानी रायपुर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई द्य शोभा यात्रा कबीर चौक रामनगर से प्रारंभ होकर तेलघानी नाका होते हुए राजधानी रायपुर के प्रमुख मार्गो से होते हुए मेकाहारा ऑडिटोरियम के लिए प्रस्थान किया। उक्त शोभायात्रा में बस्तरिया नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उत्सव में रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बलौदाबाजार, महासमुंद, धमतरी एवं आसपास के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में कबीरपंथी श्रद्धालु उपस्थित हुए। पूरे परिसर में भजन-कीर्तन, सत्संग एवं गुरु वंदना से भक्तिमय वातावरण बना रहा।

शिखर बने उतुंग शिखर, अपने प्रताप से।
डरे कभी वह नहीं, किसी के उग्र शाप से।।

संपादकीय

विश्व शांति के सामने नई चुनौती

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम का समझौता तत्काल संघर्ष को रोकने की दिशा में एक सकारात्मक कदम अवश्य है, लेकिन इस समझौते के पीछे दोनों देशों के बीच गहरा अविश्वास भी साफदिखाई देता है। यही कारण है कि दुनिया राहत की सांस लेने के साथ-साथ भविष्य को लेकर सशंकित भी है। जब युद्धविराम केवल हथियारों की आवाज़ को कुछ समय के लिए शांत करे, लेकिन राजनीतिक और रणनीतिक मतभेद जस के तस बने रहें, तब स्थायी शांति की उम्मीद कमजोर पड़ जाती है। अमेरिका और ईरान के संबंध कई दशकों से तनावपूर्ण रहे हैं। परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में प्रभाव, आर्थिक प्रतिबंध, क्षेत्रीय सुरक्षा और वैचारिक मतभेद दोनों देशों के बीच टकराव के प्रमुख कारण रहे हैं। समय-समय पर वार्ता और समझौते हुए, लेकिन आपसी विश्वास की कमी के कारण वे अधिक समय तक टिक नहीं सके। यही इतिहास वर्तमान युद्धविराम को लेकर भी आशंकाएं पैदा करता है।

युद्धविराम का उद्देश्य केवल गोलीबारी रोकना नहीं होता, बल्कि संवाद और समाधान का रास्ता खोलना भी होता है। यदि दोनों पक्ष एक-दूसरे की नीयत पर संदेह करते रहें, तो किसी भी छोटी घटना से तनाव दोबारा भड़क सकता है। ऐसी स्थिति न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया के लिए अस्थिरता का कारण बन सकती है। इस संघर्ष का प्रभाव क्षेत्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं है। पश्चिम एशिया वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। यदि वहां तनाव बढ़ता है, तो कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, वैश्विक महंगाई, समुद्री व्यापार में बाधा और वित्तीय बाजारों में अस्थिरता जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों पर भी इसका सीधा असर पड़ता है। इसलिए अमेरिका और ईरान के संबंध केवल द्विपक्षीय मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता से भी जुड़े हैं।

विश्व समुदाय की चिंता का दूसरा कारण यह है कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की कोई ठोस और दीर्घकालिक व्यवस्था अभी स्पष्ट नहीं दिखती। केवल युद्धविराम की घोषणा पर्याप्त नहीं होती। इसके साथ प्रभावी निगरानी व्यवस्था, नियमित संवाद, पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के प्रति प्रतिबद्धता भी आवश्यक होती है। यदि ये तत्व कमजोर रहें, तो समझौता केवल अस्थायी विराम बनकर रह जाता है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य प्रमुख वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल मध्यस्थता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए जिसमें दोनों पक्ष विश्वास निर्माण के उपायों पर गंभीरता से आगे बढ़ सकें। कूटनीति का उद्देश्य किसी एक पक्ष की जीत नहीं, बल्कि स्थायी शांति की स्थापना होना चाहिए।

भारत ने हमेशा संवाद, संयम और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यह नीति आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। विश्व व्यवस्था में बढ़ते संघर्ष यह संकेत देते हैं कि सैन्य शक्ति स्थायी समाधान नहीं दे सकती। अंततः बातचीत, आपसी सम्मान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही टिकाऊ शांति का आधार बन सकते हैं। अंततः, अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन इसे अंतिम समाधान मान लेना जल्दबाजी होगी। जब तक दोनों देशों के बीच विश्वास की खाई नहीं पाटी जाती, तब तक संघर्ष की आशंका बनी रहेगी। विश्व शांति की रक्षा के लिए आवश्यक है कि युद्धविराम को व्यापक राजनीतिक संवाद, विश्वास बहाली और दीर्घकालिक कूटनीतिक प्रयासों में बदला जाए। यही पूरी दुनिया की अपेक्षा भी है और समय की सबसे बड़ी मांग भी।

भारत और खाड़ी संकट का आर्थिक प्रभाव : सब कुछ स्थिर और सामान्य रहा

वी. अनंत नागेश्वरन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार

जब फरवरी के अंत में हवाई हमलों के कारण हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद हो गया – ऐसा समुद्री मार्ग जिससे होकर दुनिया के कच्चे तेल का करीब एक-पांचवां हिस्सा और भारत के कच्चे तेल और खाना पकाने के गैस का अधिकांश हिस्सा गुजरता है – तो भारत के लिए कहानी पहले ही लिखी हुई लग रही थी। एक ऐसा देश, जो अपने कच्चे तेल का दस में से नौ हिस्सा और आधे से ज्यादा खाना पकाने के गैस का खाड़ी से आयात करता है, उसके लिए आम तौर पर यही उम्मीद की जा रही थी कि पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगेंगी, रसोई में गैस खत्म हो जाएगी, रुपये की कीमत गिरेगी और डॉलर के लिए होड़ मचेगी। लगभग चार महीने बाद, जब जलडमरूमध्य फिर से खुल गया और कच्चे तेल की आपूर्ति अपने संकट-पूर्व स्तर के करीब पहुँच गयी, तो इनमें से कुछ भी नहीं हुआ। एक भी रिटेल आउटलेट बंद नहीं हुआ। जिस भी परिवार को सिलेंडर चाहिए था, उसे सिलेंडर मिल गया। भारत को न तो 1991 जैसे और न ही 2013 जैसे हालात का सामना करना पड़ा। व्यापक आर्थिक स्थिरता बनी रही।

यह कोई संयोग नहीं था और न ही यह सिर्फ़ किस्मत की बात थी। यह एक ऐसे सरकार का काम था, जिसने वही तरीका अपनाया, जो उसने महामारी के समय अपनाया था – जानबूझकर और धीरे-धीरे कदम उठाना, एक ही बार में कोई बड़ा या नाटकीय बदलाव करने के बजाय एक उपाय के ऊपर दूसरे उपाय को जोड़ना। पहली प्राथमिकता घर-परिवार थे। इस पूरी अवधि के दौरान, एक भी रिटेल आउटलेट का स्टॉक खत्म नहीं हुआ और हर रसोईघर में सिलेंडर मौजूद रहा। आयात से जुड़ी लागत के कारण 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 1,600 रुपये से ऊपर चली गई थी, फिर भी घरों के लिए इसकी कीमत 900 रुपये के आसपास ही रखी गई और सबसे गरीब लोगों के लिए तो यह कीमत और भी कम थी। महामारी के शुरुआती महीनों की यादें एक सबक थीं, जब प्रवासी मजदूरों में मची घबराहट के कारण गांवों की ओर लौटने वालों की लहर चल पड़ी थी। वाणिज्यिक और थोक उपयोगकर्ताओं को घरों की जरूरत को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया।

पूरी अर्थव्यवस्था को चलाने वाले ईंधन के मामले में, सरकार ने इसका बोझ खुद उठाने का फ़ैसला किया, न कि इसे आम लोगों पर डाला। सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क में दस रुपये प्रति लीटर की कटौती की, जिससे उसे लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ, इसके अलावा विमानन ईंधन पर भी बोझ कम किया गया। इसके बाद तेल विपणन कंपनियों ने दो महीने से ज़्यादा समय तक पंप पर कीमतें स्थिर रखीं और फिर एक बार मामूली बदलाव किया। इसके पीछे की वजह साफ़ है÷ ऐसी अनिश्चितता के समय में, सिर्फ़ सरकार के पास ही जोखिम उठाने के लिए ज़रूरी बैलेंस शीट और समय होता है; और इसने परिवारों और कंपनियों पर असर डालने के बजाय राजकोषीय खाते पर बोझ डालने का विकल्प चुना। एयरलाइंस के लिए खास समर्थन तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ऋण-गारंटी योजना, कोविड के दौर में अपनाए गए खास और असरदार उपायों के मॉडल पर ही आधारित थीं।

कीमत में राहत के पीछे आपूर्ति की मजबूत स्थिति थी। घरेलू रिफाइनरियों ने एक हफ्ते में ही रसोई गैस का उत्पादन आधा बढ़ा दिया, जिससे आयात से आने वाली गैस की कमी काफी हद तक पूरी हो गई। भारत ने जल्दी ही अपने स्रोतों का विस्तार किया, अमेरिका और रूस से खरीद बढ़ायी और नए आपूर्तिकर्ता देश जोड़े, ताकि जलडमरूमध्य से होकर कम ऊर्जा आये; साथ ही रूसी कच्चा तेल खरीदना जारी रखने के लिए ज़रूरी छूट भी हासिल कर ली। सरकार ने लंबी अवधि के लिए भी कदम उठाए÷ घरों को सिलेंडर के बदले पाइप से गैस पहुँचाना, कोयले गैसीकरण कार्यक्रम, ईथेनॉल मिश्रण को और बढ़ावा देना तथा प्रधानमंत्री की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के दौरान रणनीतिक तौर पर कच्चा तेल भंडारण पर सहमति। भारत उन कुछ देशों में से एक था, जिसने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रने वाले जहाजों की संख्या बहुत कम हो जाने के बावजूद अपना कार्गो लाना जारी रखा।

बाहरी खातों को भी उतने ही धैर्य के साथ संभाला गया। सरकार ने सरकारी कर्ज़ की विदेशी संस्थागत खरीद पर लगी रोक और पूंजीगत लाभ टैक्स हटा दिए और पूर्ण पहुँच रूट के तहत प्रतिभूतियों का दायरा बढ़ाया, जिससे बॉन्ड मार्केट में पैसा आया। एक नई गैर-निवासी डॉलर जमा योजना से काफी बड़ी राशि में डॉलर आने की उम्मीद है। सालों में किए गए मुक्त व्यापार समझौते धीरे-धीरे अपने काम कर रहे थे÷ अप्रैल और मई 2026 के दौरान गैर-तेल, गैर-रत्न-आभूषण के अलावा वस्तु और सेवाओं का निर्यात पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया।

प्रमुख आंकड़े भरोसा दिलाते हैं। पिछले वित्त वर्ष में सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पैंतालीस अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो महामारी के बाद के वर्षों के सत्तर से अस्सी अरब डॉलर की सीमा को पार कर गया। चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 26 में जीडीपी का केवल 0.6 प्रतिशत था और अब उम्मीद है कि वित्त वर्ष 27 में यह इससे थोड़ा ही ज़्यादा होगा।

ईमानदारी से यह भी मानना होगा कि किस्मत ने भी साथ दिया। बंद होने के कुछ ही हफ्तों में कच्चा तेल एक सौ बीस डॉलर के पार पहुंच गया, लेकिन मई से चीन की तेल खरीद में कमी और अमेरिका के रिजर्व से लगातार तेल जारी होने से यह फिर से सौ डॉलर से नीचे आ गया, और चीन के उर्वरक निर्यात को फिर से शुरू करने से बजट को होने वाले भारी नुकसान से बचाया जा सका। अगर संघर्ष लंबे चले होते, या तेल एक सौ बीस डॉलर के करीब स्थिर रहता, तो स्थिति इतनी आरामदायक नहीं होती; ठोस नीति और अच्छी किस्मत दोनों ने अपना काम किया। वास्तव में, किस्मत अंततः ठोस नीतिकारों का ही साथ देती है। आने वाले बदलावों के संकेत के तौर पर, गोल्डमैन सैक्स ने हाल ही में भारत के लिए अपने वृद्धि पूर्वानुमान को सीवाई 26 के लिए 6.8% और वित्त वर्ष 27 के लिए 6.5% तक बढ़ा दिया है, जो पहले के पूर्वानुमानों से दोनों के लिए 30 बीपी अधिक हैं।

हालांकि, मध्यम अवधि में आत्मसंतोष की कोई गुंजाइश नहीं है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ गठबंधन विभाजित हैं, हथियारबंद आपूर्ति श्रृंखलाएँ हैं और ऐसी पूंजी, जो कभी भी आ-जा सकती है, भुगतान संतुलन पर दबाव उस संघर्ष से भी लंबा रह सकता है, जिसने उसे खतरे में डाला था।

प्रेरक प्रसंग

मां से बड़ा कोई नहीं

स्वामी विवेकानंद एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे जिनके प्रेरणास्प्रद वचन यदि कोई अपने जीवन में अपना ले तो उसे कभी असफलता का मुहँ नहीं देखना पड़े। स्वामी विवेकान्द के जीवन का ऐसा ही एक बहुत ही प्रेरणादायक प्रसंग है –

एक बार एक व्यक्ति ने उनसे प्रश्न किया की इस संसार में माँ की महिमा सबसे ज्यादा क्यों गाई जाती है? स्वामी जी मुस्कुराए और उन्होंने उस व्यक्ति से कहा कि जाओ एक पांच सेर वजन का पत्थर लेकर आओ फिर में तुम्हारे प्रश्न का जवाब दूंगा । वह व्यक्ति गया और स्वामी जी के कहे अनुसार एक पत्थर ले आया । अब स्वामी जी ने उससे कहा कि ÷यह पत्थर एक कपडे में लपेटकर अपने पेट पर बांध लो और इस पत्थर को दिन भर अपने पेट पर बांधकर रखना और कल आना फिर में तुम्हारे प्रश्न का जवाब दूंगा। स्वामी जी के कहे अनुसार उस व्यक्ति ने वह पत्थर अपने पेट पर बांध लिया। दिनभर वो अपने काम करता रहा पर उसे बहुत परेशानी हो रही थी शाम होते होते पत्थर को लेकर चलना फिरना उसके लिए असंभव हो गया अंततः वह स्वामी जी के पास गया और बोला स्वामी जी इस पत्थर को लेकर चलना मेरे लिए असम्भव है। अब में इसे अपने पेट पर बंधकर नहीं रख सकूंगा। एक प्रश्न का उत्तर पाने के लिए में इतनी बड़ी सजा नहीं सह सकता। अब स्वामी जी उससे बोले एक पत्थर का बोझ तुम एक दिन भी नहीं उठा सकते, और एक माँ अपने शिशु को पूरे नो माह पेट में रखती है साथ ही घर का सारा काम भी करती है। इस संसार में माँ से ज्यादा सहनशील और धेर्यवान कोई नहीं है। इसलिए माँ से बढकर इस जगत में कोई नहीं है।

धर्म-कर्म

त्रिसंध्या क्या होती है और इसे करने से क्या लाभ मिलते हैं

त्रिसंध्या वैदिक परंपरा की एक पवित्र साधना है, जिसमें दिन के तीन प्रमुख कालों में ईश्वर का स्मरण, ध्यान और प्रार्थना की जाती है। प्रातः, मध्याह्न और सायंकाल - इन तीन संधियों पर किया जाने वाला यह अभ्यास शरीर, मन और आत्मा को शुद्ध करने का प्राचीन तरीका है। वैदिक काल से ब्राह्मण, ऋषि और गृहस्थ इस साधना को नियमित रूप से करते थे। आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में यह प्रथा कम होती जा रही है, लेकिन जो लोग इसे अपनाते हैं, उन्हें आंतरिक शांति और ऊर्जा का अनोखा अनुभव होता है।

त्रिसंध्या का आध्यात्मिक अर्थ : त्रिसंध्या शब्द त्रि और संध्या से मिलकर बना है। त्रि का अर्थ तीन और संध्या का अर्थ जुड़ाव या मिलन है। यह दिन के तीन कालों में आत्मा को परमात्मा से जोड़ने की प्रक्रिया है। प्रातः संध्या दिन की शुरुआत को पवित्र बनाती है, मध्याह्न संध्या कर्म को संतुलित रखती है और सायं संध्या रात्रि की शांति का आह्वान करती है। इस साधना से त्रिगुणों का संतुलन होता है और व्यक्ति अंदर से मजबूत बनता है।

त्रिसंध्या करने की विधि : त्रिसंध्या करने के लिए सबसे पहले शांत और स्वच्छ जगह चुनें। आसन पर बैठकर सूर्य की दिशा में मुख रखें। प्रातः और सायं संध्या में जल में फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। गायत्री मंत्र का कम से कम ग्यारह या इक्कीस बार जाप करें। जाप के बाद कुछ देर मौन ध्यान करें। मध्याह्न संध्या में भी यही विधि अपनाएं। शुरुआत में थोड़ा समय लें, धीरे-धीरे आदत पड़ जाएगी।

त्रिसंध्या से मिलने वाले मानसिक लाभ : नियमित त्रिसंध्या करने से मन की चंचलता कम होती है।

इस पेज में प्रकाशित लेख लेखक के उनके निजी विचार हैं।

आंचलिक

नव प्रवेशी बच्चे और कक्षा पहली के बच्चों का प्राथमिकता के साथ जाति प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया करें : कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

समवेत शिखर संवाददाता

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा ने मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर श्री छिकारा ने स्कूलों में बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए विशेषकर नव प्रवेशी बच्चे और कक्षा पहली के बच्चों को प्राथमिकता देते हुए स्कूलवार, कक्षावार एवं श्रेणीवार जानकारी तैयार कर कार्रवाई करने कहा। इस कार्य के लिए प्रत्येक स्कूल में एक शिक्षक को नोडल अधिकारी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल जतन योजना, कस्तूरबा गांधी विद्यालयों, शिक्षा एवं खेल गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला स्तरीय अधिकारियों को स्कूलों का नोडल अधिकारी के रूप में दायित्व दिया जाएगा जो प्रत्येक माह के एक शनिवार को स्कूल की सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे।

कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण करने और योजनाओं की जमीनी स्थिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। बैठक में पेंशन योजनाओं, छात्रवृत्ति, राजस्व प्रकरणों के लंबित मामलों, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं, राजस्व शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण, वृद्धावस्था सामाजिक पेंशन, श्रमिक कार्ड योजनाओं के लाभ वितरण की समीक्षा सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक पेंशन का वितरण बैंक सखी के माध्यम से करवाने तथा अच्छा कार्य करने वाले लखपति दीदियों को सम्मानित करने पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने समय सीमा की बैठक में समय पर उपस्थित नहीं होने वाले अधिकारियों को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागों से शासकीय कार्यों के लिए आवश्यक भूमि की जानकारी लेते हुए भूमि संबंधी कार्यवाही पर चर्चा की। उन्होंने पुराने शासकीय वाहनों को कंडम घोषित करवाने के साथ ही स्क्रेपिंग होने के बाद नए वाहनों की मांग शासन स्तर पर भेजने की समीक्षा की।उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्व-सहायता समूहों द्वारा आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सामग्री का उत्पादन एवं विक्रय कराया जाए, जिससे समूहों की आय में वृद्धि हो सके। साथ ही आजीविका ऋण शिविरों के आयोजन के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राशन कार्ड का ई-केवाईसी की स्थिति की समीक्षा करते हुए 15 जुलाई तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। ऑफ-लाइन वाले राशन दुकानों को ऑन-लाइन करने पर चर्चा भी की। उन्होंने जन औषधि केंद्रों के संचालन, दवाइयों की उपलब्धता एवं बिक्री की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

शासकीय आयोजनों में अब सिर्फ देवभोग के उत्पादों का होगा स्वाद

कलेक्टर ने जारी किए निर्देश

समवेत शिखर संवाददाता

जगदलपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री आकाश छिकारा द्वारा अब जिले में आयोजित होने वाले सभी शासकीय आयोजनों, बैठकों, सम्मेलनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में केवल छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित द्वारा उत्पादित देवभोग ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों का ही उपयोग किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इस दूरगामी निर्णय का मुख्य उद्देश्य दुग्ध सहकारी समितियों से जुड़े राज्य के स्थानीय पशुपालकों और किसानों के आर्थिक हितों का संरक्षण करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने जारी परिपत्र में निर्देशित किया है कि छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियम 2002 (यथासंशोधित 2020) के नियम 8.4 के अंतर्गत यदि राज्य शासन की कोई विभागीय इकाई सामग्री का निर्माण करती है, तो उससे सीधे सामग्री क्रय करने का प्रावधान है। इसके तहत शासकीय कार्यालयों को देवभोग के प्रमाणिक और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को खरीदने के लिए अलग से कोई निविदा यानी टेंडर बुलाने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि वे सीधे दुग्ध महासंघ से इन उत्पादों को प्राप्त कर सकेंगे। यह नियम जिले के समस्त शासकीय विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों, मंडलों और स्थानीय निकायों पर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। कलेक्टर ने सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों और विभागाध्यक्षों को हिदायत दी है कि भविष्य में होने वाले सभी शासकीय कार्यक्रमों के देयकों (बिल-वाउचर) के सत्यापन के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि केवल देवभोग ब्रांड के उत्पादों का ही क्रय किया गया हो।

आज का इतिहास

- 1852- सिंध के मुख्य आयुक्त सर बर्टलेफ्रोरे द्वारा सिर्फ सिंध राज्य में और मुंबई कराची मार्ग पर प्रयोग के लिए 'सिंध डाक' नामक डाक टिकट जारी किया गया।
- 1862- कलकत्ता उच्च न्यायालय का उद्घाटन।
- 1879- भारत में पोस्टकार्ड की शुरुआत।
- 1955- इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया का राष्ट्रीयकरण किया गया और इसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का नाम दिया गया।
- 1960- अफ्रीकी देश घाना को गणराज्य घोषित किया गया।
- 1964- भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना
- 1968- अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और 59 अन्य देशों ने परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तख्त किए।
- 1975- तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 20 सूत्री कार्यक्रम का ऐलान किया।

प्रथम पेज का शेष

रामगढ़ की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक ...

आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रारंभ की गई है, जिसके माध्यम से लोगों की शिकायतों का प्रभावी समाधान किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रामगढ़ के विकास के लिए 1 करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही क्षेत्रवासियों की मांग पर उदयपुर एवं डूमरडीह को मिलाकर नगर पंचायत के गठन की घोषणा भी की।

इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि रामगढ़ महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला और गौरवशाली परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन का सशक्त माध्यम है। यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य कर रहा है।कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने सभी को रामगढ़ महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लगभग 50 वर्षों से आयोजित हो रहा यह महोत्सव ऐतिहासिक, पौराणिक और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने पहाड़ी कोरवा बच्चों का कराया शाला प्रवेश, टूरिज्म इन्फ्लूएंसर्स को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंच से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के छह बच्चों का शाला प्रवेश कराया। उन्होंने बच्चों को तिलक लगाकर मिठाई खिलाई तथा स्कूल बैग, वॉटर बॉटल सहित अध्ययन सामग्री प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने 26 से 30 जून तक सरगुजा जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर विशेष डॉक्यूमेंट्री तैयार करने वाले टूरिज्म इन्फ्लूएंसर्स को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया।समापन समारोह में विधायक श्री प्रबोध मिंज, विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते, विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैंकरा, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर सहित अन्य विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

बकावंड के पांच गांवों में मनाया गया जल अर्पण दिवस, ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

समवेत शिखर संवाददाता

जगदलपुर। बस्तर जिले के विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम जैतगिरी, सरगीपाल, गिरोला, डुरकाबेड़ा और बदलावंड में विगत दिवस जल अर्पण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर जल संरक्षण एवं पानी बचाओ अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए डबरी एवं तालाब निर्माण करने तथा जल संसाधनों के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इनमें पेयजल स्त्रोतों के आसपास सोख्ता गड्ढों का निर्माण, घरों में उपयोग किए गए पानी का साग-सब्जी की बाड़ी में पुनः उपयोग तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने जैसे कदम शामिल रहे। इस अवसर पर महिला जल वाहिनी की सदस्य महिलाओं ने जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। वहीं ग्रामीणों के साथ मिलकर जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसके माध्यम से पानी बचाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस मौके पर जल जीवन मिशन की आईईसी ज्योत्सना सूना ने ग्रामीणों को जल के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, शुद्ध पेयजल के महत्व को समझने, जल संसाधनों की सुरक्षा करने, नियमित जल कर भुगतान करने, सोख्ता गड्ढों और किचन गार्डन की उपयोगिता तथा स्थानीय स्तर पर पौधरोपण कर उनकी देखरेख करने जैसे विषयों पर समझाइश दी। साथ ही ग्रामीणों को इन कार्यों में निरंतर सकारात्मक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में उक्त सभी पांचों ग्रामों के सरपंच, पंचायत पदाधिकारी, महिला जल वाहिनी की सदस्य महिलाएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सामुदायिक सहभागिता के साथ आयोजित यह पहल जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों की जागरूकता और जिम्मेदारी का सशक्त उदाहरण के रूप में परिलक्षित हुई।

न्यूज ब्रीफ

भिलाई इस्पात संयंत्र क्षेत्र में संपत्ति कर को लेकर स्टील सिटी चेंबर ने उठाए सवाल

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) क्षेत्र के मकान, दुकान एवं आवासीय लीज संपत्तियों पर संपत्ति कर

को लेकर स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। चेंबर अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने कहा कि जिन संपत्तियों का स्वामित्व भिलाई इस्पात संयंत्र के पास है, उन पर संपत्ति कर का भुगतान भी संयंत्र प्रबंधन द्वारा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम एक ओर कर्मचारियों की कमी का हवाला देता है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों को पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय केवल कर वसूली पर ध्यान केंद्रित करता दिखाई देता है। उनका कहना है कि नगर निगम को शहर के नागरिकों, विशेषकर तृतीय पक्ष निवासियों एवं व्यवसायियों को मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। ज्ञानचंद जैन ने कहा कि यदि नगर पालिका निगम भिलाई टाउनशिप क्षेत्र में कार्य करना चाहता है, तो उसे कर वसूली के साथ-साथ सभी आवश्यक नागरिक सुविधाएं भी उपलब्ध करानी होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो एजेंसी नागरिकों को सुविधाएं देगी, उसे सहयोग मिलेगा, लेकिन बिना पर्याप्त सुविधाओं के केवल आर्थिक भार स्वीकार नहीं किया जाएगा। स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स ने नगर निगम से इस संबंध में अपने आदेशों पर पुनर्विचार करने तथा किसी भी निर्णय से पहले तृतीय पक्ष नागरिकों को विश्वास में लेकर आगे बढ़ने की मांग की है।

अनुसूचित जाति वर्ग के स्वरोजगार हेतु प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

कवर्धा। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं एवं इच्छुक हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के अंतर्गत बैंक माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के तहत विभिन्न स्वरोजगार एवं लघु उद्योग स्थापित करने के लिए पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत बैंकों के माध्यम से ऋण स्वीकृत कराया जाता है तथा जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा पात्र हितग्राहियों को अनुदान प्रदान किया जाता है। इस योजना में ऋण इकाई लागत की अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं है। हितग्राही अपनी आवश्यकता एवं व्यवसाय के अनुसार ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

निधन

पूर्व पार्षद शैला सिंह चंदेल

दुर्ग। पोलसायपारा वार्ड 27 निवासी एवं पूर्व पार्षद श्रीमति शैला सिंह चंदेल 87 वर्ष का मंगलवार की सुबह

निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा इच्छा के अनुरुप पोलसायपारा निवास से बनारस के लिए रवाना हुई। अंत्येष्टि एवं अन्य संस्कार बनारस में संपन्न होंगे। वे स्व. गोविंद सिंह चंदेल की पत्नि और स्व. राजेश सिंह चंदेल,पूर्व पार्षद देवेन्द्र सिंह चंदेल, नरेन्द्र सिंह चंदेल, सुरेन्द्र सिंह चंदेल, बीरेंद्र सिंह चंदेल की माताजी थी।

जनशिकायत संबंधी आवेदनों का करें त्वरित निराकरण : कलेक्टर सिंह

पंचायतों में राजस्व प्रकरणों के पंजीयन का हो रिकार्ड दुरूस्ती

समवेत शिखर संवाददाता

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में विभागवार समय-सीमा के लंबित आवेदनों की गहन समीक्षा की। साथ ही लंबित आवेदनों का निराकरण समयावधि में करने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, जनशिकायत पोर्टल के लंबित आवेदनों के निराकरण की जानकारी लेते हुए कहा कि जनशिकायत संबंधी आवेदनों का अधिकारी त्वरित निराकरण करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने जनशिकायत से संबंधित आवेदन लंबित होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगायी। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत विभागों को प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। साथ ही एल-1 अधिकारी को समय-सीमा के भीतर प्रकरण निराकृत करने कहा। विभागीय अधिकारियों ने सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत तकनीकी दिक्कतों से अवगत कराया। कलेक्टर श्री सिंह ने ई-डिस्ट्रिक मैनेजर को उच्च स्तर पर आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम पंचायतों में राजस्व प्रकरण अविवादित, नामांतरण, बंटवारा पंजीयन की जानकारी ली। साथ ही पंचायत सचिवों द्वारा राजस्व प्रकरणों के पंजीयन उपरान्त रिकार्ड दुरूस्ती पर जोर देते हुए एसएलआर को पंचायतों में पंजीकृत प्रकरणों के रिकार्ड दुरूस्ती कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय प्रयोजन हेतु विभागों को भू-आबंटन के लंबित प्रकरण होने पर संबंधित विभाग राजस्व विभाग को प्रकरण प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें ताकि भू-आबंटन की कार्यवाही में प्रगति लायी जा सके। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग में एनएचएम एवं अन्य पदों पर भर्ती प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने सीएमएचओ को एनएचएम भर्ती काउंसलिंग तिथि पश्चात उसी दिन नियुक्ति आदेश जारी करने के निर्देश दिये। इसके अलावा शेष अन्य पदों पर भी भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण कराने निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि जिले में अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्यों को गति प्रदान करने विभागीय बेस लाइन सर्वे अंतर्गत नगरीय निकायों/जनपद पंचायतों से जानकारियां मंगायी जा रही है। संबंधित विभाग के अधिकारी अधिनस्त अधिकारियों को उक्त जानकारी मय हस्ताक्षर के साथ संबंधित निकायों/जनपद को उपलब्ध कराने निर्देशित करें।

बैठक में एडीएम वीरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पांडे, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, एसडीएम दुर्ग हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम पाटन लवकेश ध्रुव सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

जिला भाजपाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक को जन्मदिन पर लगा बधाइयों का तांता

समवेत शिखर संवाददाता

दुर्ग। जिला भाजपा के अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक का जन्मदिन मंगलवार को कार्यकर्ताओं द्वारा उत्साह और गर्मजोशी के साथ मनाया गया। बोरसी स्थित मीनाक्षी नगर के चंद्राकर भवन में आयोजित शुभकामना समारोह में सुबह से ही जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों तथा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक और खेल संगठनों के प्रतिनिधियों का तांता लगा रहा। सभी ने श्री कौशिक को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना की। जन्मदिन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा। कार्यकर्ताओं ने केक काटकर, मिठाइयां वितरित कर तथा आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। कई कार्यकर्ता अपने समर्थकों के साथ रैली के रूप में चंद्राकर भवन पहुंचे और पूरे उत्साह के साथ श्री कौशिक का स्वागत करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। श्री कौशिक के जन्मदिन के अवसर पर दुर्ग शहर के पांचों भाजपा मंडलों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं के बीच केक काटकर जन्मदिन की खुशियां साझा कीं। वहीं अपने जन्मदिन को यादगार और सामाजिक संदेश से जोड़ते हुए सिविल लाइन, कसारीडीह स्थित मां सतरूपा शीतला मंदिर परिसर में श्री कौशिक ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जन्मदिन के अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, विभिन्न विधायकगण, भाजपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय नेताओं तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने दूरभाष के माध्यम से श्री कौशिक को शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

125 दिनों का रोजगार देने जुलाई से प्रारंभ होगी विकसित भारत जी-राम-जी योजना

कल देश व्यापी आयोजन से होगा नया कानून का आगाज

समवेत शिखर संवाददाता

कवर्धा। ग्रामीणों को 125 दिनों का मांग आधारित रोजगार, समय पर मजदूरी भुगतान,ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास और आजीविका संवर्धन सहित अनेको जन कल्याणकारी प्रावधानों के साथ बने नए कानून विकसीत भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (विकसित भारत जी राम जी योजना) का राष्ट्रीय स्तरीय शुभारंभ केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा 2 जुलाई 2026 को तिरुपति, आंध्रप्रदेश से वर्चुअल शुभारंभ किया जाएगा। इसी क्रम में कबीरधाम जिले में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत गंडईखुर्द विकासखंड बोड़ला में उपमुख्यमंत्री एवं मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्री विजय शर्मा की उपस्थित में आयोजित होगा। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि मनरेगा योजना के स्थान पर विकसित भारत जी राम जी-2025 प्रतिस्थापित हो रहा है। नए प्रावधान मुख्य रूप से विकसित भारत 2047 के लिए महत्वपूर्ण है जो विकसित ग्राम से विकसित राष्ट्र की कल्पना को साकार करेगा।125 दिनों के रोजगार से ग्रामीणों को आर्थिक लाभ होगा और अधोसंरचना विकास से आजीविका के नए स्रोत खुलेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि ग्रामीणों, श्रमिकों, महिलाओं,अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों और कमजोर समूह के लिए योजना में नए उपबंध किये गए है। जिसमे समय पर मजदूरी भुगतान, योजना से होने वाले कार्य में पारदर्शिता सहित ग्रामीणों के समग्र विकास पर जोर होगा।

विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (जी राम जी) की प्रमुख विशेषताएं:- (1) प्रत्येक वित्तीय वर्ष में पंजीकृत परिवारों को 100 के बदले 125 दिवस का गारंटीशुदा रोजगार। (2) 7 दिनों में मजदूरी भुगतान की सुविधा। (3) कार्यों में तेजी लाने प्रशासनिक व्यय की सीमा को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत किया गया है। (4) विकसित भारत 2047 हेतु राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के ढांचे को जल संरक्षण, अधोसंरचना विकास, आजीविका संवर्धन और कौशल विकास जैसे कार्य जोड़े जाएंगे। (5) पारदर्शिता को बढ़ावा देने जीआईएस, ई केवाईसी बायोमेट्रिक प्रणाली का उपयोग होगा। (6) दो माह के लिए कृषि अवकाश (60 दिवस) होगा जो राज्य सरकार द्वारा निर्धारित किया जायेगा। (7) कार्य की मांग एवं उपलब्धता के आधार पर 15 दिवस में ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

कलेक्टर वर्मा ने डिप्टी कलेक्टर आरबी देवांगन को शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर दी भावभीनी विदाई

32 वर्ष 7 माह की शासकीय सेवा के बाद डिप्टी कलेक्टर आरबी देवांगन हुए सेवानिवृत्त

समवेत शिखर संवाददाता

कवर्धा। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में मंगलवा को डिप्टी कलेक्टर आर.बी. देवांगन के शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर गोपाल वर्मा ने श्री देवांगन को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके लगभग 32 वर्ष 7 माह के समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना की तथा उनके स्वस्थ, सुखद और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में अपर कलेक्टर श्री विनय पोयाम, अपर कलेक्टर श्री नरेन्द्र पैकरा, एसडीएम श्री चेतन साहू सहित जिले के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने कहा कि शासकीय सेवा केवल दायित्व निभाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह समाज और शासन के प्रति समर्पण का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि आर.बी. देवांगन ने अपने 32 वर्ष 7 माह के सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा और पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका सरल स्वभाव, कार्य के प्रति समर्पण और सभी के साथ आत्मीय व्यवहार हमेशा याद रहेगा। कलेक्टर ने श्री देवांगन के स्वस्थ, सुखद और सक्रिय जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। डिप्टी कलेक्टर आर.बी. देवांगन ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि शासकीय सेवा के दौरान उन्हें कई जिलों में काम करने का अवसर मिला।

हर जगह उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों, सहकर्मियों और कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि कबीरधाम जिले में सभी का अपनापन और सहयोग हमेशा याद रहेगा। यहां बिताया गया समय उनके जीवन की सबसे अच्छी और अविस्मरणीय यादों में शामिल रहेगा।

अचार के स्वाद में घुली आत्मनिर्भरता, बिहान ने बदली मां जगदंबा समूह की महिलाओं की जिंदगी

समवेत शिखर संवाददाता

कवर्धा। सहसपुर लोहारा की कुछ महिलाओं ने शायद कभी नहीं सोचा था कि रसोई में बनने वाला आम का अचार एक दिन उनकी पहचान बन जाएगा। जो महिलाएं पहले केवल घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित थीं, वे आज अपने हाथों से तैयार अचार के जरिए न केवल परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई मिसाल भी बन गई हैं। इस बदलाव की मजबूत नींव राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान ने रखी। सहसपुर लोहारा के माँ जगदंबा स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने अपने आसपास उपलब्ध आम को आजीविका का माध्यम बनाने का निर्णय लिया। शुरुआत आसान नहीं थी। बाजार, पैकेजिंग और व्यवसाय का अनुभव नहीं था, लेकिन बिहान के तहत मिले प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और सामूहिक प्रयास ने उनकी सोच और जिंदगी दोनों बदल दी। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं ने गुणवत्ता के साथ आम का अचार तैयार करना शुरू किया। धीरे-धीरे स्थानीय बाजार में उनके उत्पाद की मांग बढ़ने लगी। आज समूह की महिलाएं स्वयं अचार तैयार करती हैं, उसकी पैकेजिंग करती हैं और बाजार तक

पहुंचाकर बिक्री भी करती हैं। इस उद्यम से उन्हें नियमित आय मिल रही है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उनका आत्मविश्वास भी कई गुना बढ़ा है। समूह की महिलाओं का कहना है कि पहले वे केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, लेकिन अब अपनी मेहनत से कमाई कर परिवार की जिम्मेदारियों में बराबरी से भागीदारी निभा रही हैं। उनकी पहचान अब केवल गृहिणी के रूप में नहीं, बल्कि सफल महिला उद्यमी के रूप में भी बनने लगी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान ग्रामीण महिलाओं के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रहा है।

बारिश के मौसम में सर्पदंश से रहें सतर्क जिलेभर में विशेष जागरूकता अभियान शुरू

अस्पतालों में एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध, समय पर उपचार से बच सकती है जान

समवेत शिखर संवाददाता

कवर्धा। वर्षा ऋतु के आगमन के साथ सर्पदंश की घटनाओं की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य समिति ने जिलेभर में विशेष जनजागरूकता अभियान शुरू किया है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों और वनांचल में रहने वाले लोगों को सर्पदंश से बचाव के उपायों तथा समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.के. तुरे ने बताया कि बारिश के मौसम में सांप सुरक्षित स्थान की तलाश में खेतों, झाड़ियों, जलभराव वाले क्षेत्रों के साथ-साथ घरों और गोठानों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे में खेतों में कार्य करते समय गमबूट या ऊंचे जूते पहनना, झाड़ियों या गड्ढों में हाथ डालने से पहले डंडे से जांच करना तथा रात के समय टॉर्च का उपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने घर और आसपास की नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, झाड़-झंखाड़ हटाने तथा खुले स्थान या फर्श पर सोने से बचने की भी सलाह दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्पदंश होने पर घबराने के बजाय पीड़ित को शांत रखें और प्रभावित अंग को यथासंभव स्थिर रखें। प्रभावित स्थान पर चीरा लगाना, जहर चूसने का प्रयास करना, कसकर रस्सी बांधना या झाड़-फूंक जैसे अंधविश्वासों का सहारा लेना नुकसानदायक हो सकता है। ऐसी स्थिति में बिना देर किए पीड़ित को निकटतम शासकीय स्वास्थ्य संस्थान पहुंचाना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर 108 या 112 पर कॉल कर निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का लाभ लिया जा सकता है। जिले के सभी शासकीय अस्पतालों में सर्पदंश के उपचार के लिए प्रशिक्षित चिकित्सा दल तथा पर्याप्त मात्रा में एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) उपलब्ध है। समय पर उपचार मिलने से अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती है। जिला प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, मितानिनों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से सर्पदंश से बचाव संबंधी जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की है।

कृषक उन्नति योजना से बेटे का सपना हुआ साकार

समवेत शिखर संवाददाता

कवर्धा। मेहनत से खेती करने वाले किसान के लिए उसकी फसल ही सबसे बड़ी पूंजी होती है। जब उसी मेहनत का उचित मूल्य और अतिरिक्त आर्थिक सहयोग समय पर मिले, तो परिवार के कई सपने साकार हो जाते हैं। ऐसी ही कहानी है कबीरधाम जिले के ग्राम भागुटोला निवासी श्री जगन्नाथ पटेल की, जिनके परिवार की एक बड़ी इच्छा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सरकार की कृषक उन्नति योजना से पूरी हुई।

करीब पांच एकड़ कृषि भूमि पर धान सहित अन्य फसलों की खेती करने वाले श्री जगन्नाथ पटेल ने इस वर्ष 82.49 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा। धान विक्रय के बाद उन्हें कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की राशि लगभग 57 हजार रुपए एकमुश्त प्राप्त हुई। यह राशि उनके परिवार के लिए किसी सौगात से कम नहीं थी। श्री पटेल बताते हैं कि उनका 21 वर्षीय बेटा लंबे समय से मोटरसाइकिल खरीदना चाहता था। परिवार की अन्य जिम्मेदारियों के कारण यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा था। लेकिन योजना के तहत मिली एकमुश्त प्रोत्साहन राशि से उन्होंने बेटे के लिए मोटरसाइकिल खरीदी और उसके चेहरे की खुशी देखकर उन्हें अपनी मेहनत का सच्चा फल मिला। श्री जगन्नाथ पटेल कहते हैं कि यदि यह राशि किस्तों में मिलती, तो इतनी बड़ी जरूरत पूरी करना मुश्किल होता।

ग्रिड में भेजी गई अतिरिक्त सोलर बिजली की खरीद दर तय, अगले बिजली बिलों में मिलेगा क्रेडिट

पीएम सूर्य घर योजना के रूफ टॉप सोलर उपभोक्ताओं को मिलेगा अधिशेष बिजली का लाभ

समवेत शिखर संवाददाता

कवर्धा। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्रिड में भेजी गई अतिरिक्त (सरप्लस) सोलर बिजली की खरीद दर तय कर दी है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने इस दर को अपनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दर को अनुमोदन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) को भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद उपभोक्ताओं को इसकी राशि अगले बिजली बिलों में क्रेडिट के रूप में दिखाई देगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने बताया कि नेट मीटरिंग व्यवस्था के तहत सोलर संयंत्र से बनने वाली बिजली का पहले उपभोक्ता की मासिक बिजली खपत में समायोजन किया जाता है। यदि इसके बाद भी बिजली बचती है और ग्रिड में जाती है, तो उसकी यूनिट हर महीने उपभोक्ता के खाते में जुड़ती रहती है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर खाते में बची सभी अतिरिक्त यूनिट का नियमानुसार बायबैक किया जाता है। इसकी राशि निर्धारित दर के अनुसार उपभोक्ता के खाते में जमा कर दी जाती है और आगामी बिजली बिलों में समायोजित की जाती है।

प्रत्येक नए वित्तीय वर्ष में यूनिट का लेखा-जोखा नए सिरे से शुरू होता है। इसलिए पिछले वित्तीय वर्ष की अतिरिक्त यूनिट नए बिजली बिल में यूनिट के रूप में नहीं दिखाई देती। उसका मूल्य उपभोक्ता के खाते में सुरक्षित रहता है और नियमानुसार बिजली बिलों में क्रेडिट के रूप में समायोजित किया जाता है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिशेष बिजली के समायोजन और बायबैक की पूरी प्रक्रिया छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के प्रचलित नियमों के अनुसार पारदर्शी ढंग से संचालित की जाती है। सोलर संयंत्र से बनी बिजली का पहले उपभोक्ता की मासिक खपत में समायोजन किया जाता है। यदि इसके बाद भी बिजली बचती है और ग्रिड में जाती है, तो उसकी यूनिट हर महीने उपभोक्ता के खाते में जुड़ती रहती है। वित्तीय वर्ष के अंत में बची हुई सभी यूनिट का निर्धारित दर पर बायबैक किया जाता है। इसकी राशि उपभोक्ता के खाते में सुरक्षित रहती है और आगामी बिजली बिलों में क्रेडिट के रूप में समायोजित की जाती है। नए वित्तीय वर्ष में यूनिट का लेखा-जोखा फिर से शून्य से शुरू होता है, इसलिए पिछले वर्ष की बची यूनिट नए बिल में यूनिट के रूप में नहीं दिखती। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बायबैक की दर से तय कर चुकी है।

विशेष लोक अदालत के माध्यम से माननीय उच्चतम न्यायालय के लंबित प्रकरणों का होगा समाधान

समवेत शिखर संवाददाता

दुर्ग। उच्चतम न्यायालय, भारत द्वारा न्याय को जनसामान्य तक सुलभ, सरल एवं सहभागी स्वरूप में उपलब्ध कराने की अभिनव पहल समाधान समारोह, 2026÷ के अंतर्गत समापन चरण में दिनांक 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य माननीय उच्चतम न्यायालय में लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति, संवाद एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना है, ताकि पक्षकारों को सहज, मानवीय एवं सुलभ न्याय प्राप्त हो सके। इस संबंध में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। जिन पक्षकारों को इस संबंध में नोटिस प्राप्त हुआ है, वे निर्धारित तिथि की प्रतीक्षा किए बिना पूर्व में ही मध्यस्थता केन्द्र, दुर्ग में संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त पक्षकार दूरभाष, ई-मेल अथवा व्हाट्सएप के माध्यम से भी संपर्क स्थापित कर अपने प्रकरणों के सौहार्दपूर्ण निराकरण हेतु आवश्यक जानकारी एवं सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। विशेष लोक अदालत में पक्षकार अपनी सुविधा के अनुसार प्रत्यक्ष अथवा वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित होकर विवादों के समाधान की प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। इच्छुक पक्षकार एवं अधिवक्तागण निर्धारित त्रशश्नद्दद्य स्नशह्म्द्व के माध्यम से

आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन हेतु लिंक माननीय उच्चतम न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। वेबसाइट : www.sci.gov.in Google Form भरने की अंतिम तिथि : 31 जुलाई 2026 इसके अतिरिक्त पक्षकार अन्य सहायता एवं जानकारी हेतु One Stop Centre (War Room) In-charge समाधान समारोह (Special Lok Adalat) के संपर्क नंबर 011-23112428 एवं 011-23112528 पर भी संपर्क कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा समस्त नागरिकों, अधिवक्तागण एवं संबंधित पक्षकारों से अपील की गई है कि वे इस महत्त्वपूर्ण पहल का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने लंबित प्रकरणों के त्वरित, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण हेतु सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

शपथ पत्र

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शपथकर्ता खुशबू देवांगन पिता श्री तोरनलाल देवांगन, जाति कोष्टा, निवासी-मरकामटोला, तहसील खैरागढ़, जिला-के.सी.जी. (छ.ग.) निम्नांकित कथन शपथपूर्वक करती हूं कि :-

1. यह कि, मुझ शपथकर्ता का नाम व पता उपरोक्तानुसार वर्णित है। मुझ शपथकर्ता का नाम आधार कार्ड में (अंग्रेजी के स्पेलिंग) में KHUSHABU DEWANGAN अंकित है एवं शैक्षणिक दस्तावेजों (अंकसूची) में (अंग्रेजी के स्पेलिंग) मुझ शपथकर्ता का नाम KHUSHBU DEWANGAN अंकित है। उक्त दोनों नाम मुझ शपथकर्ता के ही नाम है किसी दूसरे व्यक्ति का नाम नहीं है जिसकी पुष्टि में यह शपथपत्र श्रीमान के समक्ष पेश है। अतः मुझ शपथकर्ता का नाम शैक्षणिक दस्तावेजो में अंकित नाम KHUSHBU DEWANGAN अनुसार लिखे (सुधार) किये जाने हेतु उक्त शपथपत्र पेश है।
2. यह कि, मुझ शपथकर्ता द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः सत्य है। असत्य कथन पाये जाने पर मैं स्वयं जवाबदार रहूंगी, जिसके समर्थन में यह शपथपत्र पेश है।

शपथकर्ता
खुशबू देवांगन

न्यूज ब्रीफ

सहकारी सप्ताह के तहत जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित

महासमुंद। कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं रायपुर के निर्देशानुसार सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला सहकारी विकास समिति विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री लंगेह ने संबंधित अधिकारियों एवं समिति सदस्यों को सहकारी सप्ताह के दौरान निर्धारित गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सहकारी समितियों के सदस्यों की आय वृद्धि में किसान उत्पादक संगठन एफ्पीओ, एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों ;पैक्स की भूमिका विषय पर विस्तृत परिचर्चा की गई। इस दौरान किसानों को संगठित कर उनकी उपज के बेहतर विपणन, कृषि आदानों की उपलब्धता, भंडारण सुविधाओं के विस्तार तथा कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने में एफ्पीओ एवं पैक्स की भूमिका को बताया गया।

सामान्य सभा की बैठक 3 को

महासमुंद। जिला पंचायत महासमुंद के सामान्य सभा की बैठक शुक्रवार 03 जुलाई को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोंगरा पटेल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। बैठक में कृषि विभाग, सहकारिता एवं उद्योग विभाग, शिक्षा विभाग, वन विभाग, महिला एवं बाल विकास, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जल संसाधन, समाज कल्याण, विद्युत, पशुपालन, मत्स्य एवं समग्र शिक्षा विभाग से संबंधित एवं अन्य विषय पर चर्चा की जाएगी। सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे बैठक में अपने विभाग की अद्यतन जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

कक्षा-1-10वीं तक श्रवण बाधित दिव्यांग बालिकाएं प्रवेश के लिए कर सकतीं हैं आवेदन

धमतरी। शासकीय श्रवण बाधितार्थ बालिका विद्यालय धमतरी में कक्षा पहली से दसवीं तक की श्रवण बाधित दिव्यांग बालिकाओं को निःशुल्क आवासीय शिक्षण का लाभ दिया जा रहा है। संस्था के अधीक्षक ने बताया कि इस आवासीय विद्यालय में कक्षा पहली से आठवीं तक श्रवण बाधित दिव्यांग बालिकाओं का प्रवेश प्रारंभ है।

जनचौपाल में सड़क, पेयजल, बिजली सहित अन्य समस्याओं से कराया अवगत, विधायक ने निराकरण का दिया आश्वासन

समवेत शिखर संवाददाता

महासमुंद। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने मंगलवार को ग्राम रायतुम और कछारडीह में जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों से भेंट कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। इस अवसर पर ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, बिजली जैसी अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित अपनी समस्याओं से अवगत कराया। विधायक श्री सिन्हा ने ग्रामीणों को उनकी समस्याओं के उचित निराकरण का आश्वासन दिया।

उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि जन चौपाल का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस दौरान ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए विधायक ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी तथा पात्र हितग्राहियों से इन योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने रायतुम और कछारडीह गांव में नववाहित बहनों को उपहार भेंट कर सुखमय दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही नवजात शिशुओं के लिए शिशु किट भी प्रदान किया। इस अवसर पर भाजपा नेतागण निर्भय नायक, शम्मी सलूजा, कमल कौशिक, देवेंद्र राय, पप्पू पटेल, डोमन यादव, छबिंद्र पटेल, हनी गंभीर, ग्राम कछारडीह सरपंच दिनेश्वर साहू, ग्राम रायतुम सरपंच सोनिया ठाकुर, रायतुम उप सरपंच प्रियंका पटेल, कछारडीह उप सरपंच मालती चक्रधारी सहित भरत ध्रुव, प्रवीण साहू, मनोहरी साहू, संतु यादव, नारायण दीवान, सुरेश प्रधान, रूपधर पटेल, मनोज यादव, सुनील पटेल, टीकाराम पटेल, मोहन साहू, कृपा सेन, प्रवीण साहू, धरम सिन्हा, महेंद्र मरकाम, संजय अग्रवाल, परमेश्वर साहू, नरेंद्र साहू, हीरामन साहू, लीलाराम साहू, मानिक ठाकुर, पुनूराम साहू, बहुर साहू, मंजुलता ठाकुर, विशाखा ठाकुर, ज्ञानती तिवारी, पार्वती साहू, भगवंतिन सिन्हा, कुंती दीवान, झरना निषाद, कृष्णकुमारी ध्रुव, प्रेमा पटेल, कलेश्वरी, अक्ती बाई, महिमा ध्रुव, सुमित्रा ध्रुव, मीना यादव, दीपिका साहू, दुर्गा धृतलहरे, लखन ध्रुव, खिलेश ध्रुव, संतराम यादव, जेलसिंग, भगवान सिंग, दीपक पटेल सहित ग्रामीणजन उपस्थित थें।

शिविर में मन को खुश और तंदुरूस्त रखने की कला सीखी

समवेत शिखर संवाददाता

महासमुंद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान तीन दिवसीय राजयोग ध्यान शिविर का समापन ग्राम परसदा के 20वी वाहिनी कैम्प में हुआ। ब्रम्हा कुमारी सुषमा बहन के नेतृत्व में प्रति दिन सुबह 9.30 से 11 बजे तक चले इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में 20 वाहिनी बटालियन के भाई बहनों ने राजयोग ध्यान शिविर का बहुत सुंदर अभ्यास कर सुंदर अनुभव किया। 20 वी वाहिनी सेनानी कमांडेंट मनिषा ठाकुर रावते के विशेष आमंत्रण पर इस कार्यक्रम को सफ्ल बनाया गया। भाई बहनों ने शक्तिशाली पार्ज़िटिव विचारों से और परमात्म शक्तियों का आव्हान करते हुए मन को खुश, तंदुरुस्त रखने की कला सिखी। दीदी ने कहा यदि हमारा मन स्वस्थ हो तो शरीर स्वत ही स्वस्थ और तंदुरुस्त बनने लगेगा। इसके निरंतर अभ्यास से हमारा जीवन तनावमुक्त बनेगा ।

कलेक्टर ने ली सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

सड़क सुरक्षा से जुड़े निर्देशों का गंभीरता से पालन करने के दिए निर्देश

समवेत शिखर संवाददाता

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक के पश्चात सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं आमजन में जागरूकता बढ़ाने के संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि साहू, सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य एवं जिला अधिकारी मौजूद थे। रात्रि के समय सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु कलेक्टर ने एनएचआई, पशुपालन विभाग, यातायात विभाग तथा नगरीय निकायों को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर मवेशियों को सड़कों से हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पशु मालिकों की पहचान कर उन्हें समझाईश देने तथा उनके विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थलों एवं नवीन ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन कर वहां आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग तथा नगरीय एवं ग्रामीण निकायों को निर्देशित किया गया। साथ ही ओवरलोड संचालित हो रहे वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने निर्देशित किया कि स्कूलों में विद्यार्थियों के माध्यम से पालकों से संपर्क स्थापित कर यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाएं, ताकि सड़क सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी विकसित हो सके। कलेक्टर ने यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए यातायात विभाग को निर्देशित किया गया कि हेलमेट न पहनने एवं अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर ई.चालान की प्रभावी कार्रवाई करें। जिला परिवहन अधिकारी प्रतीक शुक्ला ने बताया कि आगामी सत्र 2026.27 में जिले में संचालित समस्त स्कूल बसों का जांच कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में 4 नवीन ब्लैक स्पॉट के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय किया जा रहा है। कलेक्टर श्री लंगेह ने सभी संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा से जुड़े दिशा.निर्देशों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने तथा समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं, मिले 85 आवेदन

समवेत शिखर संवाददाता

महासमुंद। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन में राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर कुल 85 आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर श्री लंगेह ने प्रत्येक आवेदन का अवलोकन कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का समय.सीमा में निराकरण कर आम नागरिकों को राहत पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। जनदर्शन में ग्राम पंचायत मामा भांचा के आश्रित ग्राम डोंगरीपाली के निवासियों ने गांव में बोर खनन, ग्राम बम्हनी के जागेश्वरी पाल ने भू अभिलेख में नाम सुधरवाने हेतु आवेदन दिया। इसी तरह जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना, अतिक्रमण, पीएम सम्मान निधि, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना एवं राशन कार्ड से संबंधित एवं अन्य आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता, जवाबदेही और प्राथमिकता के साथ निराकरण करें। जनदर्शन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि साहू सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नकटी गांव के 60 परिवारों के साथ हुए बेदखली कार्रवाई की विनोद ने की निंदा

समवेत शिखर संवाददाता

महासमुंद। पूर्व संसदीय सचिव विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने रायपुर के नकटी गांव में हुए बेदखली की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे प्रशासनिक कार्रवाई नहीं अपितु भाजपा सरकार की क्रूरता और धोखेबाजी का जीवंत उदाहरण बताया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि सुबह 4 बजे जब पूरा प्रदेश सो रहा था, तब इस सरकार ने भारी पुलिस बल और दर्जनों जेसीबी के साथ 60 गरीब परिवारों के सिर से छत छीन ली।

महिलाएं बिलखती रहीं, बच्चे भूख से तड़पते रहे और सरकार का बुलडोजर चलता रहा। यह दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति की आत्मा को झकझोर देने वाला है। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि इस कांड का सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि भाजपा के वरिष्ठ सांसद बृजमोहन अग्रवाल और स्थानीय विधायक अनुज शर्मा ने कुछ दिन पहले ही मीडिया के सामने बयान देकर ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि चिंता मत करो किसी का घर नहीं टूटेगा। भोले.भाले ग्रामीण उनके बातों पर भरोसा कर निश्चिंत हो गए। उसी भरोसे की आड़ में सरकार ने तड़के अंधेरे में हमला बोला। यह सिर्फ मकान तोड़ना

नहीं है। यह भाजपा के चरित्र का प्रमाण है कि वह चुनाव के वक्त वादा करती है और सत्ता में आते ही गरीब की पीठ में छुरा घोंपती है। प्रशासन कह रहा है कि यह 9 हेक्टेयर सरकारी जमीन थी। सवाल यह है कि 22 साल से यहां लोग रह रहे थे तो सरकार कहां सो रही थी। इन्हीं परिवारों को बिजली कनेक्शन दिए, पानी की लाइन बिछाई, राशन कार्ड बनाए, पांच नए हितग्राहियों के नाम आवास भी स्वीकृत किए। जब वोट लेने थे तब ये लोग वैध थे। जब बुलडोजर चलाना था तब अवैध हो गए। यह दोहरा मापदंड नहीं तो क्या है।श्री चंद्राकर ने इसे अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए कहा कि कार्रवाई के दौरान का मंजर सबसे दर्दनाक था। एक तरफ प्रशासनिक अमला जेसीबी के पास बैठकर नाश्ता और भोजन कर रहा था। दूसरी तरफ जिनके घर उजड़ रहे थे उनके बच्चे सुबह से भूखे थे। इस दृश्य से पूरा प्रदेश उद्वेलित हो उठाए लेकिन सरकारी क्रूरता को अंजाम तक पहुंचाने वाले अफसरों का दिल नहीं पसीजा। सरकार ने इन 60 परिवारों को नवा रायपुर के सेक्टर.30 में बने इंडस्ट्रियल टीन शेडों में फेंक दिया है। जहां न दरवाजा, न शौचालय और न ही सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम।

अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी ने किया जेल का निरीक्षण

भोजन व्यवस्था सहित चिकित्सकीय सुविधाओं का लिया जायजा

समवेत शिखर संवाददाता

महासमुंद। अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी द्वारा सोमवार को बेमचा स्थित जिला जेल महासमुंद का निरीक्षण किया गया। छग उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका क्रमांक डब्लू पीपीआईएल 11,2013 में पारित आदेश दिनांक 15.12.2021 में प्रदत्त आदेशानुसार एवं छग राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी के पदाधिकारों द्वारा बेमचा स्थित जिला जेल में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती अनिता डहरिया, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, प्राधिकरण की प्रभारी सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महासमुंद सुश्री चेतना ठाकुर द्वारा उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश के पालन में बंदियो को दी जाने वाली विधिक सहायता, जेल में स्थापित व्हीसी कक्षए बैरकों की व्यवस्था, जेल बिल्डिंग की व्यवस्था, नए बैरको का निर्माण, मुलाकात कक्ष, विधिक सहायता कक्ष, बंदियों को प्रदत्त सुविधा, टायलेट की व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ताए बंदियों के कपड़ो की दशा, पेयजल की व्यवस्था के साथ.साथ बंदियों को दी जा रही प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था आदि का भी जायजा लिया।

राज्य स्तरीय रग्बी चैंपियनशिप में बालक-बालिका टीम बनी उपविजेता

समवेत शिखर संवाददाता

महासमुंद। छग रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन तथा जिला रग्बी संघ कोरबा द्वारा 9वीं राज्य स्तरीय बालक एवं बालिका रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 28 जून रविवार को प्रियदर्शनी स्टेडियम टी पी नगर कोरबा में किया गया।

महासमुंद जिले से अंडर 18 वर्ष बालक वर्ग में अजय प्रकाश साहू, समीर यादव, विनय कुमार यादव, असवन मीरी, भावेश तारक, प्रणव शर्मा, पुष्पेंद्र यादव, सतीश कुमार, उमेश केवर्त, कुणाल जांगड़े टीम के कोच डॉ सुनील कुमार भोई एवं टीम मैनेजर सुभांश शर्मा शामिल हुए। अंडर 18 वर्ष बालिका वर्ग में शिवानी, जिया, मेघा, सुहाना, गीतांजली, कंचन, लिशा, जानवी, नंदनी, राधिका, निवेदिता तथा कोच ममता धीवर एवं मैनेजर गीतांजली साहू शामिल हुए। राज्य स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता कोरबा में भाग लेने के लिए नगर पंचायत तुमगांव खेल मैदान से प्रतिभाशाली रग्बी खिलाड़ियों को उत्साह और जोश के साथ विजेता बनने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं देकर अतिथियों द्वारा रवाना किया गया जिसमें भुनेश्वर साहू, नवनियुक्त एल्डरमेन पप्पू पटेल, डोमार पटेल, विष्णु धीवर तथा युवा नेता मोहन चंद्राकर मैदान में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने कहाए उन्होंने कहा हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट खेल, अनुशासन और मेहनत के दम पर शानदार प्रदर्शन करेंगे और विजयी होकर लौटेंगे तथा महासमुंद का नाम रौशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। 18 वर्ष बालक टीम ने पहले मुकाबले में राजनांदगांव को 31.5 के स्कोर से हराया दूसरा मैच दुर्ग से 45.00 से जीता एवं तीसरे मैच में रायगढ़ से 00.10 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मैच में कोरबा को महासमुंद ने 19.00 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच रायगढ़ एवं महासमुंद के मध्य खेला गया जिसमें रायगढ़ ने बढ़त बनाकर विजेता बनीं एवं महासमुंद उपविजेता टीम बनीं। बालक टीम में अजय साहू, समीर यादव, विनय यादव ने बेहतर प्रदर्शन कर टीम को फ़ाइनल में पहुंचाया तथा बेहतर प्रदर्शन कर टीम को उपविजेता बनाने में सहयोग किया। 18 वर्ष बालिका टीम ने अपने पहले मैच में रायपुर से मैच बराबरी पर समाप्त किया, दूसरे मैच में बिलासपुर को 27.00 से हरायाए बालिका टीम सेमीफाइनल में प्रवेश करने में सफ्ल रहींए सेमीफाइनल मैच में महासमुंद ने कोरबा को 17.00 से हराया एवं फाइनल में प्रवेश किया। फ़ाइनल मैच बेमेतरा के साथ हुआ जो बहुत ही कड़ा रहा, जिसमें महासमुंद को हार का सामना करना पड़ा। फ़ाइनल मैच में बेमेतरा विजेता बनीं एवं महासमुंद उपविजेता टीम बनीं। पूरे मैच में जिया खान, शिवानी, नंदनी, गीतांजली ने बेहतर प्रदर्शन किया। समापन समारोह में अतिथियों द्वारा सभी विजेता टीम को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

विशेष छात्र सत्यांशु दीप भारतीय फुटबॉल टीम में चयनित, स्वीडन में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

समवेत शिखर संवाददाता

धमतरी। समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित विशेष स्कूल 'सार्थक स्कूल', धमतरी के लिए अत्यंत गौरव एवं हर्ष का विषय है कि विद्यालय के विशेष छात्र सत्यांशु दीप का चयन स्श्चद्गष्द्बद्धद्य ह्द्य4द्वश्चद्बष्ह्य क्द्धद्रड्डह्लड्ढ की भारतीय फुटबॉल टीम में हुआ है। वे 12 से 16 जुलाई 2026 तक स्वीडन में आयोजित होने वाली स्श्चद्गष्द्बद्धद्य ह्द्य4द्वश्चद्बष्ह्य त्नशह्लद्धद्बड्ड ञ्जह्म्श्चश्चद्ध4 2026 अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सत्यांशु दीप की यह उपलब्धि न केवल धमतरी जिले, बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और खेल कौशल का यह उत्कृष्ट उदाहरण दर्शाता है कि उचित प्रशिक्षण, प्रोत्साहन एवं अवसर मिलने पर वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित एवं अनुदानित विशेष विद्यालयों का उद्देश्य

दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खेल, जीवनोपयोगी कौशल एवं व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध कराना है। सत्यांशु दीप का चयन इस दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों की सार्थकता को भी प्रमाणित करता है।

विद्यालय परिवार ने बताया कि सत्यांशु ने नियमित अभ्यास, अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफ्लता अन्य विशेष बच्चों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी तथा उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित करेगी।

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों ने सत्यांशु दीप की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की है। साथ ही उनके अभिभावकों को भी इस सफ्लता का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए बधाई दी गई है, जिनके निरंतर सहयोग और विश्वास ने सत्यांशु को इस मुकाम तक पहुँचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी जिले के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित विशेष स्कूल 'सार्थक स्कूल' के छात्र सत्यांशु दीप का चयन स्श्चद्गष्द्बद्धद्य ह्द्य4द्वश्चद्बष्ह्य क्द्धद्रड्डह्लड्ढ की भारतीय फुटबॉल टीम में हुआ है। यह उपलब्धि सत्यांशु की मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है।

उन्होंने सत्यांशु दीप, उनके माता-पिता, प्रशिक्षकों, विद्यालय परिवार एवं समाज कल्याण विभाग को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। मुझे विश्वास है कि वे स्वीडन में आयोजित स्श्चद्गष्द्बद्धद्य ह्द्य4द्वश्चद्बष्ह्य त्नशह्लद्धद्बड्ड ञ्जह्म्श्चश्चद्ध4 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत, छत्तीसगढ़ एवं धमतरी जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

सत्यांशु की सफ्लता यह संदेश देती है कि प्रतिभा किसी सीमा की मोहताज नहीं होती। उचित अवसर, मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन से विशेष बच्चे भी विश्व मंच पर अपनी उत्कृष्ट पहचान बना सकते हैं। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य एवं प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।यह उपलब्धि समावेशी शिक्षा, खेल संस्कृति तथा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में धमतरी जिले की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। जिलेवासियों को विश्वास है कि सत्यांशु दीप स्वीडन में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत, छत्तीसगढ़ एवं धमतरी का गौरव विश्व मंच पर और अधिक ऊँचा करेंगे।

गांजा बेचने वाली महिला गिरफ्तार

समवेत शिखर संवाददाता

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी श्री सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत थाना सिहावा पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गिधावा में एक महिला अपने घर में अवैध रूप से गांजा संग्रहित कर उसकी बिक्री कर रही है।

जिसकी सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना सिहावा पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में संदेही के घर विधिवत दबिश दी। वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए मकान की तलाशी लेने पर घर के अंदर पलंग के नीचे रखे एक थैले से 1.150

किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। गांजा रखने एवं बिक्री के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने मौके पर ही मादक पदार्थ को विधिवत जब्त किया।तलाशी के दौरान गांजा बिक्री से प्राप्त नकद 2,650/- रुपये तथा एक की-पैड मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। जब्त सामग्री का कुल अनुमानित मूल्य 49,650/- रुपये है। आरोपिया महिला श्रीमती धनेश्वरी साहू, पति कोमल साहू, उम्र 39 वर्ष, निवासी ग्राम गिधावा, थाना सिहावा, जिला धमतरी को मौके से गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध थाना सिहावा में अपराध क्रमांक 49/2026, धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्यवाही कर आरोपिया को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

धमतरी पुलिस आमजन से अपील करती है कि अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, बिक्री, परिवहन अथवा भंडारण संबंधी किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल निकटतम थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। नशामुक्त, सुरक्षित एवं अपराधमुक्त धमतरी के संकल्प के साथ धमतरी पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के विरुद्ध कठोर एवं निरंतर कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

सहकारिता दिवस मनाया गया

निपनिया। सहकारिता मंत्रालय के 5वर्ष पूर्ण होने पर सहकारिता समिति निपनिया द्वारा सहकारिता दिवस मनाया गया जिसमे समिति अध्यक्ष धनीराम साहू, सरपंच नरेश नेताम, पर्यवेक्षक दीपक यादव, व्यवस्थापक सुनील पाटकर, दिनेश तिवारी, बघेल बाबू, रोशन यादव, लखन वर्मा एवं आसपास के कृषक बंधु उपस्थित थे।

डायल 112 की तत्परता, सड़क हादसे में घायल युवक को समय पर पहुंचाया अस्पताल

भाटापारा। ग्राम रानीजरौद और टेकारी के बीच दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम ने बिना वक्त गंवाए मौके पर पहुंचकर त्वरित और सराहनीय कार्यवाही की। मौके पर डायल 112 के आरक्षक महेंद्र साहू और चालक मुकेश रजक ने स्थिति को संभाला। इसी दौरान मुस्तैदी दिखाते हुए थाना सुहेला वाहन चालक 01 के स्टाफ आरक्षक छत्रपाल वर्मा भी तुरंत मौके पर पहुंचे। डायल 112 और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने मानवता का परिचय देते हुए तत्काल दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार और सहायता उपलब्ध कराई गई। उमेश यादव निवासी टेकरी इन्हें डायल 112 की मदद से तुरंत उप-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुहेला में लाकर उपचार हेतु एडमिट कराया गया। दूसरे घायल व्यक्ति घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए मौके पर बुलाई गई 108 एम्बुलेंस की मदद से उन्हें तुरंत जिला अस्पताल बलौदाबाजार रिफर किया गया। डायल 112 की अपील सड़क पर वाहन चलाते समय गति सीमा का ध्यान रखें और हेलमेट अवश्य पहनें।

निधन

प्रमोद शर्मा

छुरा। प्रमोद शर्मा रिटायर्ड तहसीलदार (राखी वाले पूर्व निवास ब्रापा) पिता स्व शेषनारायण शर्मा उम्र 64 वर्ष का आज आकस्मिक निधन हो गया।अंतिम यात्रा आज दोपहर 2 बजे रोहणीपुरम गोल चौक स्थित निवास गैस गोडाउन गली से निकल कर महादेवघाट के लिए प्रस्थान करेगा। वे सुनील शर्मा के छोटे भाई एवं कुमारी अदिति एवं प्रियल शर्मा के पिता थे।

बच्चे ही कल के भविष्य, समाज के विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान : सांसद चौधरी

सांसद एवं विधायक ने शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत

समवेत शिखर संवाददाता

गरियाबंद। जिले के मैनपुर विकासखण्ड के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल मैनपुर में नवीन शिक्षा सत्र पर जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी एवं बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक राम ध्रुव ने नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर तथा मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया।अतिथियों ने बच्चों को नए सत्र के पुस्तकों का वितरण किया तथा सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं।कार्यक्रम के दौरान सांसद श्रीमती चौधरी मंच से उतरकर छात्राओं के बीच जमीन पर बैठीं, उनसे संवाद किया,अपने स्कूली दिनों की यादें साझा कीं और बच्चों के साथ सेल्फी लेकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और शासन विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शिक्षा का स्तर बढ़ाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने पालकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों की शिक्षा में कोई कमी न आने दें,क्योंकि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगिण विकास के लिए शिक्षा ही पहली सीढ़ी होती है।उन्होंने शासन द्वारा शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से योग्य बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करने को कहा। बच्चे ही भविष्य के नागरिक है इसलिए बच्चों को स्कूल भेजना हम सबकी जिम्मेदारी हैं,शिक्षा केवल डिग्री लेने के लिए नहीं है।उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षित एवं संस्कारवान बनाकर सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चे शिक्षा से वंचित न रहें।हमारी सरकार शिक्षा के जरिए पूरे समाज को एक साथ जोड़कर उनके लिए विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है। शिक्षा और संस्कार दोनों आवश्यक है।

शाला प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम में बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव ने कहा कि प्रवेश उत्सव के माध्यम से यह सुनिश्चित करना है,कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।हर बच्चा स्कूल जाए,यह सर्वोच्च प्राथमिकता में है। समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी से ही हम शिक्षित व आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही भविष्य की नींव है। स्कूल प्रारंभिक जीवन की दिशा तय करता है। उन्होंने सभी पालकों से आग्रह करते हुए कहा कि अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें।

इस अवसर पर कलेक्टर बीएस उइके ने कहा कि शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आने और पूरी लगन के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया।उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की शिक्षा के प्रति सजग रहने और उन्हें निरंतर विद्यालय भेजने की अपील की।इस अवसर पर अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी बच्चों को गणवेश, पाठ्यपुस्तक एवं सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत कक्षा 9वीं के 5 बालिकाओं को साइकिल वितरण किया गया।इस दौरान बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी।

डीएसपी साहू की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी एवं सम्मानपूर्ण विदाई

समवेत शिखर संवाददाता

छुरा। लगभग चार दशक तक पुलिस विभाग में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के साथ सेवाएं देने वाले उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) प्रेम साहू के सेवानिवृत्त होने पर बलौदाबाजार जिला पुलिस द्वारा गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं पुलिस कर्मचारियों ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके उत्कृष्ट सेवाकाल को याद किया।?कार्यक्रम का माहौल भावनात्मक और सम्मानपूर्ण रहा। उपस्थित अधिकारियों ने डीएसपी प्रेम साहू के व्यक्तित्व, कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे सेवाकाल में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा तथा पुलिस-जनता के बीच विश्वास कायम करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका शांत स्वभाव, निष्पक्ष निर्णय क्षमता और अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार उन्हें एक कुशल एवं लोकप्रिय अधिकारी के रूप में स्थापित करता है। समारोह में पुलिस अधीक्षक ने डीएसपी प्रेम साहू को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा त्याग, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक है। प्रेम साहू ने अपने लंबे सेवाकाल में हर जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए विभाग की गरिमा और प्रतिष्ठा को बढ़ाया। उन्होंने अपने अनुभव और मार्गदर्शन से युवा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हमेशा प्रेरित किया। उनके द्वारा स्थापित कार्य संस्कृति आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी रहेगी। ?इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रेम साहू के साथ बिताए कार्यकाल की यादें साझा कीं और उनके सरल, सहज एवं मिलनसार व्यक्तित्व की प्रशंसा की। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पुलिस अधीक्षक ने महिलाओं को किया सम्मानित

बारूका के महिलाओं ने लिया संकल्प, नशा मुक्त होगा हमारा गांव

समवेत शिखर संवाददाता

गरियाबंद।ग्राम बारूका के ग्रामीण अंचल में सामाजिक सुधार और नशामुक्ति की दिशा में ग्राम बारूका की महिलाओं ने एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है।

गांव को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के लिए महिलाओं ने एकजुट होकर संकल्प लिया है। महिलाओं के इस साहसिक कदम और सामाजिक जागरूकता की सराहना करते हुए जिले के पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया है।ग्राम बारूका की महिलाओं ने गांव में अवैध शराब की बिक्री,जुआ,सट्टा और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन को पूरी तरह बंद करने का बीड़ा उठाया है। पुलिस द्वारा गांव में सुरक्षा और निगरानी के लिए महिला कमांडो बनाई हैं, जो गांव में नशा करने या बेचने वालों पर नजर रखेंगी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस हर कदम पर इन महिलाओं के साथ खड़ी है।ऐसी सामाजिक पहलों से अपराध मुक्त समाज की नींव मजबूत होती है।इस मुहिम को पूरे गांव का समर्थन मिल रहा है,जिससे गांव के माहौल में सकारात्मक बदलाव आना शुरू हो गया है।किसी भी समाज को नशा मुक्त बनाने में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।बारूका गांव की महिलाओं ने जो हिम्मत दिखाई है, वह अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है। अवैध नशा बेचने वालों के खिलाफपुलिस सख्त से सख्त कार्यवाही करेगी और महिलाओं की इस समिति को पूरा सुरक्षा कवच देगी।बारूका की महिलाओं ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस के इस प्रोत्साहन से उनका हौसला दो गुना हो गया है। अब वे अपने गांव को पूरी तरह से नशा मुक्त और सुरक्षित बनाकर ही दम लेंगी।

प्रतिबंध के बाद भी धड़ल्ले से रेत का खेल, नदी से जारी खनन

बिना पर्ची दौड़ रहे हाइवा

समवेत शिखर संवाददाता

भाटापारा। राज्य सरकार द्वारा हर वर्ष 15 जून से नदी-नालों में रेत खनन और नए भंडारण पर प्रतिबंध लागू किया जाता है, लेकिन गरियाबंद जिले में यह आदेश कागजों तक सीमित नजर आ रहा है। जिले के स्वीकृत रेत भंडारण स्थलों पर प्रतिबंध के बावजूद नदी से ट्रैक्टरों के जरिए प्रतिदिन सैकड़ों ट्रॉली रेत पहुंचाई जा रही है।इसके बाद यही रेत हाइवा में भरकर विभिन्न क्षेत्रों में भेजी जा रही है।

सबसे गंभीर बात यह है कि रेत परिवहन करने वाले कई हाइवा बिना रॉयल्टी पर्ची के ही सड़कों पर दौड़ रहे हैं। नियमों के अनुसार प्रत्येक वाहन के पास वैध रॉयल्टी पर्ची होना अनिवार्य है,लेकिन मौके पर ऐसा नहीं दिख रहा। इससे शासन को राजस्व हानि होने के साथ-साथ अवैध कारोबार को भी बढ़ावा मिलने की आशंका है।वही सरकारी नियमों के मुताबिक प्रत्येक स्वीकृत रेत घाट और भंडारण स्थल पर 24 घंटे निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाना अनिवार्य है,ताकि खनन और परिवहन पर नजर रखी जा सके। लेकिन जिले के अधिकांश भंडारण स्थलों पर कैमरे तक नहीं लगाए गए हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब निगरानी व्यवस्था ही नहीं है,तो नियमों का पालन कैसे सुनिश्चित होगा?

प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम रेत का उत्खनन, भंडारण और परिवहन जारी रहने से प्रशासन और खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पूरे खेल की जानकारी संबंधित अधिकारियों को होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

देखा गा है कि 15 जून के बाद नदी से रेत भंडारण कैसे हो रहा है?बिना रॉयल्टी पर्ची के हाइवा किसके संरक्षण में चल रहे हैं?साथ ही अनिवार्य सीसीटीवी कैमरे अब तक क्यों नहीं लगाए गए?

क्या अवैध रेत कारोबार पर प्रशासन की नजर नहीं है या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है?

यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है,तो यह केवल नियमों की अनदेखी नहीं बल्कि शासन के राजस्व और पर्यावरण दोनों के साथ गंभीर खिलवाड़ का मामला माना जाएगा।अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और खनिज विभाग इस पूरे मामले में क्या कार्रवाई करते हैं।

दो साल से अधूरे पड़े निर्माण कार्य, नया शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद भी छात्र-छात्राएं शौचालय सुविधा से वंचित

विभाग ने भेजे कई नोटिस,अब होगी सख्त कार्रवाई

समवेत शिखर संवाददाता

गरियाबंद। जिले के आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत स्कूलों में शौचालय निर्माण कार्य में बड़ी अनियमितता सामने आई है।लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से 116 स्कूलों में स्वीकृत शौचालय निर्माण योजना दो वर्ष बाद भी अधूरी पड़ी है।सबसे गंभीर बात यह है कि निर्माण एजेंसी को 60 से 65 लाख रुपये का भुगतान किए जाने के बावजूद एक भी शौचालय पूरी तरह तैयार नहीं हो सका है।

जानकारी के अनुसार,सहायक आयुक्त विभाग द्वारा पिछले दो वर्ष पूर्व के कार्यकाल में जिले के विभिन्न स्कूलों में शौचालय निर्माण की स्वीकृति दी गई थी। ठेकेदार ने निर्माण कार्य शुरू तो किया,लेकिन आज तक इसे पूरा नहीं किया। जबकि नए शिक्षा सत्र की शुरुआत हो चुकी है,जिससे स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को शौचालय की भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सहायक आयुक्त लोकेश पटेल ने बताया कि ठेकेदार ने विभाग को जानकारी दी है कि मैनपुर ब्लॉक में 70 से 80 प्रतिशत शौचालय निर्माण पूरा हो चुका है,लेकिन विभागीय निरीक्षण और जमीनी स्थिति इससे मेल नहीं खाती। विभाग ने ठेकेदार को कई बार नोटिस जारी कर शेष कार्य तत्काल पूरा करने अथवा निर्धारित शर्तों का पालन करने के निर्देश दिए,लेकिन कोई संतोषजनक प्रगति नहीं हुई।

अब विभाग ने ठेकेदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।अधिकारियों का कहना है कि अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने और समय सीमा में कार्य पूरा नहीं करने के कारण नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।इस मामले ने सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। करोड़ों रुपये की योजना का लाभ छात्रों तक नहीं पहुंच पाने से शिक्षा व्यवस्था और सरकारी जवाबदेही दोनों कटघरे में हैं।अब देखना होगा कि प्रशासन दोषी ठेकेदार के खिलाफ कितनी सख्त कार्रवाई करता है और अधूरे शौचालयों का निर्माण कब तक पूरा हो पाता है।

बरसात में गरीबों के आशियानों पर बुलडोजर कार्रवाई पर डहरिया ने उठाए सवाल

समवेत शिखर संवाददाता

आरंग। रायपुर तहसील क्षेत्र के मंदिरहसौद के समीप स्थित नकटी गांव में विधायक कॉलोनी निर्माण के लिए 29 जून को की गई बेदखली एवं बुलडोजर कार्रवाई को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. शिवकुमार डहरिया ने इस कार्रवाई को गरीब, दलित, सतनामी एवं ओबीसी समाज के साथ अन्यायपूर्ण और अमानवीय बताया है।

डॉ. डहरिया ने कहा कि मानसून और बरसात के बीच लोगों के सिर से छत छीनना किसी भी संवेदनशील सरकार के लिए उचित नहीं माना जा सकता। उनका कहना है कि बिना समुचित पुनर्वास के मकानों पर बुलडोजर चलाने से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए हैं।

उन्होंने प्रशासन के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि संबंधित भूमि पर वर्षों से अवैध कब्जा था, तो प्रशासन इतने लंबे समय तक मौन क्यों रहा। उन्होंने पूछा कि यदि बस्ती अवैध थी, तो वहां प्रधानमंत्री आवास योजना एवं इंदिरा आवास योजना के तहत मकानों की स्वीकृति किस आधार पर दी गई। साथ ही बिजली, पानी, सड़क, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र जैसी सरकारी सुविधाएं कैसे उपलब्ध कराई गईं।

पूर्व मंत्री ने कहा कि चुनाव के समय इन लोगों के वोट वैध थे, लेकिन अब उनके घर अवैध बताए जा रहे हैं। यदि शासन-प्रशासन वर्षों तक इस बस्ती को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ देता रहा, तो अचानक निवासियों को अतिक्रमणकारी घोषित कर बेदखल करना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

डॉ. डहरिया ने आरोप लगाया कि विधायक कॉलोनी निर्माण के नाम पर गरीबों के आशियाने उजाड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का पहला दायित्व प्रभावित परिवारों के लिए सम्मानजनक पुनर्वास सुनिश्चित करना होता है, जबकि यहां पहले बेदखली की कार्रवाई की गई और बाद में पुनर्वास की बात कही जा रही है।

उन्होंने मांग की कि नकटी गांव में चल रही बेदखली की कार्रवाई तत्काल रोकी जाए, सभी प्रभावित परिवारों का सम्मानजनक पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

अब राशन दुकानों में बायोमैट्रिक से ही राशन मिलेगी

नियम कानून का उल्लंघन करने वालो पर एफआईआर का प्रावधान

समवेत शिखर संवाददाता

भाटापारा। राशन दुकानों में व्याप्त अव्यवस्था व गड़बड़ी को रोकने की दिशा में शासन प्रशासन द्वारा राशन वितरण प्रणाली में बड़ा बदलाव किया गया है जिसके तहत अब राशन दुकानों में पदस्थ दुकानदार व सेल्समैन ओटीपी के जरिये राशन नही दे पायेंगे क्योकि राशन दुकानो में कई मामलो में ऐसा प्रकरण सामने आया है जिसमें अगर कोई राशन हितग्राही राशन लेने नही आता था तो उसके पंजीकृत मोबाइल फोन व नंबर पर आये ओटीपी के जरिये राशन प्रदान कर दिया जाता था लेकिन अब उक्त व्यवस्था को पुरी तरह बंद कर दिया गया है। खाद्य विभाग के डायरेक्टर ने स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि अब राशन दुकानो में राशन लेने के लिए आये लाभार्थी को स्वंय राशन दुकान आना होगा और अपने अंगूठे का बायोमैट्रीक वेरिफिक्रेशन कराना होगा तभी उक्त व्यक्ति को राशन प्राप्त हो सकेगा। इस प्रकार आधारित पहचान के बिना राशन नही मिल पायेगा। उक्त कदम खाद्य विभाग ने इसलिए उठाया है क्योकि खाद्य विभाग को लगातार शिकायत मिल रही थी कि ओटीपी सिस्टम का दुरूपयोग करते हुए गलत उपयोग किया जा रहा है कई स्थानों पर ओटीपी के जरिये फर्जी रूप से चावल शक्कर व अन्य राशन सामग्री का व्यापक रूप से लेनदेन किया जा रहा है। कुछ लोग ओटीपी खरीदकर या बेचकर सरकारी राशन को बाजार में बेच देते थे। जिसके कारण सरकारी राशन दुकानों का गलत उपयोग लगातार बढ़ रहा था । खाद्य विभाग की नई गाईडलाईन के अनुसार जिन राशनकार्ड धारको का केवाईसी पुरा हो चूका है उन्हें अब सिर्फ अब आधार ऑथेंटिकेशन करने के बाद ही राशन प्राप्त होगा । अगर कोई व्यक्ति नॉमिनी के जरिये राशन प्राप्त करता है तो उसे भी बायोमैट्रिक वेरिफिक्रेशन करना जरूरी होगा। अब ओटीपी के माध्यम से किसी को भी राशन नही दिया जायेगा हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इसमें ढील दी गई है जैसे क ी 10 साल से कम उम्र के बालक बालिका तथा एकल निराश्रित व्यक्ति एवं दिव्यांग हितग्राही तथा 60 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्ग पुरूष महिलाओं को ओटीपी की लिमिटेड सुविधा दी जा सकती है। शासन को यह लगातार शिकायत मिल रही थी कि कुछ लोग उन लोगो से ओटीपी लेकर जो खुद राशन नही लेते थे। सरकारी चावल को बाजार में बेच देते थे यह फर्जीवाड़ा भाटापारा शहर में ज्यादा देखने में आ रहा था । शासन प्रशासन के नये कदम आधार बेस्ड बायोमैट्रिक सिस्टम से पारदर्शिता बढ़ेगी और सही गरीब लोगो को चावल , शक्कर मिल सकेगा।

लखना में बेखौफ अवैध रेत खनन का खेल जारी, 40 ट्रैक्टरों से रोजाना दोहन

जेसीबी-हाइवा से हो रहा परिवहन

समवेत शिखर संवाददाता

नवापारा-राजिम। ग्राम लखना में महानदी और नदी तट स्थित नर्सरी क्षेत्र से कथित तौर पर अवैध रेत खनन का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है।

सूत्रों के अनुसार, रोजाना तड़के सुबह करीब 4 बजे से अवैध उत्खनन का खेल शुरू हो जाता है, जो दिन और रात तक अलग-अलग चरणों में चलता है। बताया जा रहा है कि महानदी और नर्सरी क्षेत्र से रेत निकालकर पहले करीब 40 ट्रैक्टरों के माध्यम से एक सुरक्षित स्थान पर डंप किया जाता है। इसके बाद दिन और रात में जेसीबी मशीनों की सहायता से हाईवा वाहनों में रेत लोड कर विभिन्न स्थानों के लिए रवाना किया जाता है। सूत्रों का दावा है कि यह पूरा नेटवर्क लंबे समय से संचालित हो रहा है। इतने बड़े पैमाने पर कथित अवैध उत्खनन और परिवहन के बावजूद जिम्मेदार विभागों की प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। सूत्रों का कहना है कि खनिज विभाग समय-समय पर खानापूर्ति की कार्रवाई जरूर करता है, लेकिन उसका असर ज्यादा दिनों तक दिखाई नहीं देता। गौरतलब है कि करीब दो-तीन वर्ष पहले लखना में अवैध रेत कारोबार को लेकर विवाद बढ़ने पर खनिज विभाग ने पूरे क्षेत्र में निगरानी के लिए बाकायदा दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई थी। उस दौरान अवैध कारोबार पर काफी हद तक अंकुश देखने को मिला था। हालांकि निगरानी व्यवस्था समाप्त होने के बाद कथित तौर पर अवैध रेत का कारोबार फिर बेखौफ तरीके से शुरू हो गया। सूत्रों का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में केवल औपचारिक कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। अवैध रेत कारोबार में सबसे बड़ी भूमिका निभा रहे ट्रैक्टरों पर सख्त कार्रवाई करना और उनके संचालन पर प्रभावी निगरानी रखना ज्यादा जरूरी है। साथ ही, खनिज विभाग को एक बार फिर इस क्षेत्र में अपना स्थायी अमला या निगरानी दल तैनात करना चाहिए, ताकि अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या खनिज विभाग, राजस्व विभाग और स्थानीय प्रशासन इस कथित अवैध रेत कारोबार पर स्थायी अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाएंगे, या फिर महानदी का सीना चीरकर चल रहा यह खेल यूं ही जारी रहेगा? यदि सूत्रों के दावे सही हैं, तो यह मामला केवल राजस्व हानि का नहीं, बल्कि पर्यावरण और नदी तंत्र के संरक्षण से जुड़ा गंभीर विषय भी है।

आवास प्लस 2.0 की सूची पर जिपं सदस्य वतन चंद्राकर ने उठाए सवाल

अनियमितता का लगाया आरोप

समवेत शिखर संवाददाता

आरंग। छत्तीसगढ़ में 24 जून को आयोजित विशेष ग्रामसभा के बाद 'आवास प्लस 2.0' योजना की सूची को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जिला पंचायत सदस्य वतन चंद्राकर ने आवास सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और अपात्र लोगों को शामिल किए जाने का आरोप लगाते हुए सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

चंद्राकर ने आरोप लगाया कि योजना का उद्देश्य गरीब और बेघर परिवारों को आवास उपलब्ध कराना है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका लाभ पात्र हितग्राहियों के बजाय प्रभावशाली और संपन्न लोगों को दिया जा रहा है। उनका कहना है कि कई ऐसे लोगों के नाम सूची में शामिल हैं, जिनके पास पहले से पक्के मकान मौजूद हैं, जबकि वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को सूची से बाहर रखा गया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सूची के कई नामों को दोबारा शामिल कर केवल कागजी आंकड़े बढ़ाने का प्रयास किया गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में असंतोष और आक्रोश की स्थिति बनी हुई है।

वतन चंद्राकर ने कहा कि जिन गरीब परिवारों के पास रहने के लिए पक्का मकान नहीं है, वे आज भी सरकारी योजना के लाभ से वंचित हैं। उन्होंने सरकार पर केवल प्रचार करने और वास्तविक पात्रों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।जिला पंचायत सदस्य ने सरकार से मांग की कि आवास प्लस 2.0 की सूची की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, फर्जी एवं दोहराए गए नामों को हटाया जाए तथा वास्तविक पात्र एवं बेघर परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर आवास स्वीकृत किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सूची में सुधार नहीं किया गया और पात्र हितग्राहियों को उनका अधिकार नहीं मिला, तो ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

घर से सोना निकालने का झांसा देकर 5 लाख की ठगी, 6 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में 5 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है. आरोपियों ने घर में गड़े सोना निकालने के नाम पर ठगी की घटना को अंजाम दिया है. इस मामले में पुलिस ने अंतर्राज्यीय गिरोह के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना 17 मई की बताई जा रही है. एक अज्ञात व्यक्ति साधु के भेष में पहुंचकर परिवार की बीमारी दूर करने की बात कही. आरोपी ने बताया कि घर में सोना गड़ा हुआ है, जिसे निकालने के बाद यह बीमारी ठीक हो जाएगी। आरोपियों ने सोना निकालने लाए भस्म दवा खरीदने के नाम पर दो बार में लगभग 5 लाख रुपये मांग लिए. जब आगे रकम की मांग की तो परिवार को शक हुआ. जब उन्होंने घर मे गड्ढे में लाल कपड़ा बंधे लोटे की जांच की तो उसमें 21 सोना के कलर की मूर्तियां मिली, जिसे साफ करने पर सभी मूर्तियां पीतल की निकली. ठगी का शिकार होने पर आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू की गई. जांच के दौरान पुलिस ने महाराष्ट्र के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अवैध गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 9 लाख रुपए से ज्यादा के गांजे के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो आयशर ट्रक में इमली की आड़ में तस्करी कर रहे थे। यह पूरा मामला डोंगरीपाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 29 जून को सुहेला-बरमकेला मुख्य मार्ग स्थित डोंगरीपाली मोड़ के पास घेराबंदी की। इस दौरान ओडिशा की ओर से आ रही आयशर ट्रक क्र30 छ्ज्ञ 5256 को रोका गया और उसकी जांच की गई। तलाशी के दौरान ट्रक में करीब 12 टन इमली की बोरियों के नीचे 94 किलो अवैध गांजा छिपाकर रखा गया था, जिसकी कीमत लगभग 9.40 लाख रुपये आंकी गई है। साथ ही पुलिस ने ट्रक और तीन मोबाइल फोन भी जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों में झारखंड निवासी जगत मोदक और मध्यप्रदेश निवासी सुनील बर्मा शामिल हैं। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 बी, 29 के तहत मामला दर्ज कर किया गया है। साथ ही मामले की जांच शुरु कर दी है।

महाकालेश्वर मंदिर में संतों का आगमन

उज्जैन। उज्जैन में आज प्रतिष्ठित संतों का गरिमामयी आगमन हुआ । स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज और महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि महाराज ने ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दरबार में पहुंचकर दर्शन लाभ लिए और बाबा महाकाल की विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से संतों का आत्मीय स्वागत व सत्कार किया गया। स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज और महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि महाराज का स्वागत एवं सम्मान सहायक प्रशासक द्वारा किया गया।

रामगढ़ संस्कृति, इतिहास, साहित्य और पर्यटन का अद्भुत संगम : मुख्यमंत्री

- » मुख्यमंत्री ने रामगढ़ पहुंचकर निहारी सीताबेंगरा की प्राचीन विरासत
- » जोगीमारा गुफा शिलालेख एवं हाथीपोल का किया अवलोकन
- » हमारी सांस्कृतिक धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य विरासत : मुख्यमंत्री साय

समवेत शिखर संवाददाता

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंगलवार को सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ऐतिहासिक एवं रामवनगमन पर्यटन परिपथ से जुड़े रामगढ़ में आयोजित दो दिवसीय 'रामगढ़ महोत्सव-2026' के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला के रूप में विख्यात सीताबेंगरा गुफा का अवलोकन किया तथा इसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं स्थापत्य विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही जोगीमारा गुफा के प्राचीन शिलालेख, भित्तिचित्रों तथा क्षेत्र की अनूठी प्राकृतिक धरोहर हाथीपोल का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि रामगढ़ सरगुजा की हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक चेतना, कला, आस्था और गौरवशाली इतिहास का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला के रूप में विख्यात यह स्थल संस्कृति, इतिहास, साहित्य एवं पर्यटन का अद्भुत संगम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती केवल प्राकृतिक संपदा से ही समृद्ध नहीं है, बल्कि इसकी सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत भी विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान रखती है। रामगढ़ जैसी धरोहरें हमारी ऐतिहासिक अस्मिता और सांस्कृतिक गौरव की अमूल्य निधि हैं, जिनका संरक्षण और संवर्धन हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन तथा पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें और स्थानीय लोगों को भी रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर प्राप्त हों।

उल्लेखनीय है कि रामगढ़ पर्वत की पश्चिमी ढलान पर स्थित सीताबेंगरा एवं जोगीमारा गुफाएँ भारतीय इतिहास, स्थापत्य, शिलालेख एवं चित्रकला की अनुपम धरोहर मानी जाती हैं। मान्यता है कि महाकवि कालिदास ने इन्हीं पहाड़ियों में अपनी कालजयी कृति 'मेघदूतम्' की रचना की थी, जिसका आरंभ 'आषाढस्य प्रथमदिवसे' से होता है। इसी ऐतिहासिक एवं साहित्यिक स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आषाढ़ के प्रथम दिवस पर रामगढ़ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

लगभग 44 फीट लंबी सीताबेंगरा गुफा में निर्मित प्राकृतिक रंगमंच, जोगीमारा गुफा में तीसरी-दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व की भित्तिचित्र परंपरा तथा यहाँ प्राप्त प्राचीन अभिलेख इस क्षेत्र को विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। रामगढ़ की एक अन्य महत्वपूर्ण पहचान 'हाथीपोल' नामक प्राकृतिक सुरंग है। लगभग 180 फीट लंबी तथा 15 से 20 फीट ऊँची यह प्राकृतिक सुरंग अपनी अनूठी संरचना के कारण पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

मातृशक्ति एवं प्रकृति के प्रति श्रद्धा का अनुपम संगम : मुख्यमंत्री

उदयपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को अपने सरगुजा प्रवास के दौरान विकासखंड उदयपुर स्थित रामगढ़ के फॉरेस्ट रेस्ट हाउस 'राम वाटिका' में स्थापित भगवान श्रीराम की प्रतिमा को नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की, इसके साथ ही उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' अभियान के अंतर्गत रुद्राक्ष का पौधारोपण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को मातृशक्ति एवं प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा आत्मीय जुड़ाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि माँ के नाम पर लगाया गया एक पौधा न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित भविष्य की सुदृढ़ आधारशिला भी है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएँ तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लें, ताकि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करते हुए प्रकृति के संतुलन को बनाए रखा जा सके। भगवान श्री राम की प्रतिमा को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम का जीवन मर्यादा, सत्य, त्याग एवं कर्तव्यपरायणता का अनुपम आदर्श है, जो युगों-युगों से समस्त मानवता का मार्गदर्शन करता आ रहा है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से प्रभु श्री राम द्वारा प्रशस्त आदर्श पथ पर चलते हुए सेवा, सद्भाव एवं समर्पण के भाव से समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में सहभागी बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

आसमान में छाए सूखे बादल अल्प वर्षा से अन्नदाता परेशान

खेतों में दरारें और माथे पर चिंता की लकीरें

समवेत शिखर संवाददाता

भाटापारा। मानसून की बेरुखी और सामान्य से बेहद कम बारिश ने एक बार फिर किसानों की कमर तोड़ दी है।

जिससे खरीफ फसलों की बुआई अधर में लटक गई है। जहाँ एक तरफ खेतों में पानी होना चाहिए था, वहीं अब किसान बारिश का इंतजार कर रहे है । गांवो में खुर्रा बोनी का कार्य किसानो ने प्रारंभ किया है जून का महीना बीतने को है, लेकिन पर्याप्त बारिश न होने के कारण किसान धान जैसी मुख्य फसलों की बुआई नहीं कर पा रहे हैं। जिन किसानों ने शुरूआती फुहारों में बुआई कर दी थी, उनकी फसलें अब पानी के अभाव में सूख रही हैं। नहरें सूखी पड़ी हैं और भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। ट्यूबवेल और कुएँ भी जवाब देने लगे हैं, जिससे सिंचाई की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बची है। किसान हर साल आसमान की तरफ आँखें गड़ाए बैठे रहते हैं। इस बार उम्मीद थी कि मानसून समय पर आएगा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव या स्थानीय मौसमी बदलावों के कारण मानसून की रफ्तार धीमी रही है। मौसम विभाग ने अगले 10 दिनों में कुछ क्षेत्रों में छिटपुट बारिश की संभावना जताई है। जून का महीना विदाई लेने के कगार पर पहुंचने वाला है इस बीच प्री मॉनसुन की बारिश नही होने से अब तक बारिश की झमाझम शुरूआत नही होने से लोग हलाकान है। और बेसब्री से तेज बारिश का इंतजार कर रहे है।

108 कलशों के पवित्र जल से महाप्रभु का दिव्य स्नान

जय जगन्नाथ के जयघोष से भक्तिमय हुआ ग 16 जुलाई की भव्य रथयात्रा की तैयारियां जोरों पर

समवेत शिखर संवाददाता

गरियाबंद। आस्था,श्रद्धा और सनातन परंपरा का अद्भुत संगम सोमवार को गरियाबंद में देखने को मिला। ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर देव स्नान पूर्णिमा के तहत श्री जगन्नाथ परिवार युवा बल द्वारा सिविल लाइन स्थित रामजानकी मंदिर में भगवान श्री जगन्नाथ,बड़े भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा की पारंपरिक स्नान यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, मृदंग और अन्य वाद्य यंत्रों की मंगल ध्वनि के बीच महाप्रभु को 108 पवित्र कलशों के जल से शाही स्नान कराया गया। पूरे मंदिर परिसर में 'जय जगन्नाथ' के जयघोष गूंजते रहे और भक्तों ने भाव-विभोर होकर इस दिव्य अनुष्ठान के दर्शन किए।

देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर भगवान के विग्रहों को रत्न सिंहासन से सम्मानपूर्वक स्नान मंडप तक लाया गया। यहां वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार 108 कलशों के पवित्र जल से भगवान श्री जगन्नाथ बलभद्र और देवी सुभद्रा का महाअभिषेक किया गया।यह रथयात्रा से पूर्व वह विशेष अवसर होता है,जब भक्त महाप्रभु के दिव्य स्वरूप के साक्षात दर्शन करते हैं।महाअभिषेक के पश्चात भगवान को सादे वस्त्र धारण कराए गए और नित्य भोग अर्पित किया गया। विश्राम के बाद महाप्रभु ने भक्तों को गजानन वेश में दर्शन दिए। संध्या आरती के उपरांत भगवान अणसर भवन के लिए प्रस्थान करेंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार अधिक स्नान के कारण भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं और कुछ दिनों तक अणसर में स्वास्थ्य लाभ करते हैं। इस दौरान मंदिर में उनके दर्शन नहीं होते। रथयात्रा से एक दिन पूर्व आयोजित नेत्र उत्सव में भगवान नवयौवन स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे, जिसके बाद भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी।

इस वर्ष 16 जुलाई को रामजानकी मंदिर से निकलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। रथयात्रा के दौरान भव्य झांकियां,छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, लोकनृत्य,लोकगीत तथा विभिन्न राज्यों से आने वाले कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को आकर्षित करेंगी। आयोजन को लेकर शहर में अभी से उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच रही हैं।श्री जगन्नाथ परिवार युवा बल के सैकड़ों सदस्य आयोजन की तैयारियों में लगातार जुटे हुए हैं।इस बार करीब 12 आकर्षक झांकियां, धमाल, लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां लोगों के लिए विशेष आकर्षण होंगी। महाप्रभु के लिए विशाल रथ का निर्माण भी लगभग पूरा हो चुका है और समिति आयोजन को ऐतिहासिक बनाने में पूरी निष्ठा से जुटी हुई है।

प्रधानमंत्री आवास सूची से नाम गायब!

आक्रोशित 200 ग्रामीणों के साथ जनपद पंचायत पहुंचे संजय पटेल

समवेत शिखर संवाददाता

नवापारा राजिम। प्रधानमंत्री आवास योजना की जारी सूची में पात्र लोगों के नाम शामिल नहीं होने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

इसी आक्रोश के बीच जनपद सदस्य प्रतिनिधि संजय पटेल करीब 200 ग्रामीणों को साथ लेकर जनपद पंचायत अभनपुर पहुंचे और मुख्य कार्यपालन अधिकारी से तत्काल कार्रवाई की मांग की। ग्रामीण अपने कच्चे मकानों की तस्वीरें, आवेदन और अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर पहुंचे थे। उनका कहना था कि वर्षों से कच्चे मकानों में रहने के बावजूद उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नहीं आया, जिससे वे खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। संजय पटेल ने सीईओ से मांग की कि सभी पात्र हितग्राहियों की सूची की पुनः जांच कर जल्द से जल्द उनके नाम प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित रखना उचित नहीं है और पात्र लोगों को उनका अधिकार मिलना चाहिए।

पटेल ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जनपद पंचायत के सीईओ ने जांच कर उचित निराकरण का आश्वासन दिया। वहीं संजय पटेल ने कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे क्षेत्रवासियों और अपने समर्थकों के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

छत्तीसगढ़ के सपूत मेजर जनरल सुधीर कुमार शर्मा को अति विशिष्ट सेवा मेडल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में किया सम्मानित, सैन्य सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला देश का प्रतिष्ठित अलंकरण

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए गौरव और सम्मान का क्षण तब आया जब प्रदेश के पाटन से जुड़े मेजर जनरल सुधीर कुमार शर्मा को सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया। यह सम्मान भारतीय सेना में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, विशिष्ट सेवाओं और राष्ट्र के प्रति असाधारण योगदान के लिए प्रदान किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है।

मेजर जनरल शर्मा ने लगभग चार दशकों तक देश की सेवा करते हुए अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर, सियाचिन, कारगिल और पूर्वोत्तर भारत जैसे अत्यंत चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में सेवा दी तथा अनेक आतंकवाद-रोधी और उग्रवाद-रोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारतीय सेना के प्रशिक्षित हेलीकॉप्टर पायलट भी हैं और विभिन्न परिचालन अभियानों में हेलीकॉप्टर उड़ाकर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

बता दें मेजर जनरल शर्मा ने लगभग साढ़े तीन वर्षों तक फ्रांस में भारत के रक्षा अताशे के रूप में भी कार्य किया। उनके दायित्वों में फ्रांस के साथ-साथ बेल्जियम, नीदरलैंड्स और लक्ज़मबर्ग भी शामिल थे। उनके कार्यकाल के दौरान भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग को नई गति मिली। इसी अवधि में राफेल लड़ाकू विमान और स्कॉर्पीन पनडुब्बी जैसी महत्वपूर्ण रक्षा परियोजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके कार्यकाल के दौरान चार बार फ्रांस का दौरा किया, जिनमें दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को और मजबूती मिली।

वर्तमान में मेजर जनरल सुधीर कुमार शर्मा इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक हैं। उनके नेतृत्व में भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत रूस के सहयोग से भारतीय सेना के लिए छह लाख अत्याधुनिक ए के-203 असॉल्ट राइफलों का निर्माण किया जा रहा है। यह परियोजना भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। इससे पूर्व मेजर जनरल शर्मा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दो बार सेना मेडल तथा विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। अति विशिष्ट सेवा मेडल उनके सैन्य जीवन का चौथा प्रमुख राष्ट्रीय सैन्य सम्मान है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संगठनों ने मेजर जनरल सुधीर कुमार शर्मा को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

सिर्रीखुर्द, खुटेरी, बिजली, कुंडेल, मड़वाडीह क्षेत्र के ग्रामीणों ने जर्जर सड़क के निर्माण की उठाई मांग

सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में भारी वाहन और ट्रक गुजर रहे, आए दिन हादसे की आशंका

समवेत शिखर संवाददाता

फिंगेश्वर। कुंडेल धान संग्रहण केंद्र से होकर गांव सिर्रीखुर्द, खुटेरी, बिजली, मड़वाडीह होते हुए पुरेना मोड़ चौक तक जाने वाला मार्ग इन दिनों अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। इस सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में भारी वाहन और ट्रक गुजरते हैं, जिसके कारण ग्रामीणों के आवागमन के लिए बनी यह सड़क लगातार खराब होती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि धान परिवहन के दौरान भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे राहगीरों, किसानों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, तथा दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू से इस मार्ग के शीघ्र निर्माण और मरम्मत की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि विधायक द्वारा क्षेत्र में कई सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन कार्य कराया जा रहा है, कई सड़कें निर्माणाधीन हैं तथा कई परियोजनाओं को स्वीकृति भी मिल चुकी है। इसी क्रम में इस महत्वपूर्ण मार्ग को भी प्राथमिकता दिए जाने की अपेक्षा की जा रही है।

इस संबंध में विधायक प्रतिनिधि ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए संबंधित मंत्री को प्रस्ताव एवं जानकारी भेजी जा चुकी है और उम्मीद है कि जल्द ही इस सड़क के कायाकल्प का कार्य भी शुरू होगा। ग्रामीणों की मांग है कि क्षेत्र के विकास की रफ्तार के साथ इस महत्वपूर्ण सड़क को भी नई पहचान मिले, ताकि आमजन को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

क्योंकि किसानों का धान इसी मार्ग से धान संग्रहण केंद्र जाता है, फिर वहाँ से अलग अलग राईस मिल यह धान मिलर्स के पास पहुँचाया जाता है ।

क्षेत्र में बन रहा कई सड़क, कई सड़क का कार्य प्रस्तावित

राजिम विधायक की कार्यशैली से जनता तो खुश हैं, राजिम विधानसभा क्षेत्र में बहुत से सड़क बन रहे है, जिसकी कल्पना अन्य विधायकों ने नही किया वह कार्य सड़के अब बन रहा हैं, जिसके मद्देनजर ग्राम सिर्रीखुर्द, खुटेरी, बिजली, मड़वाडीह के ग्रामीणों ने माँग किया है, कि विधायक जी इस रोड़ का भी उद्धार कर दो ताकि ट्रकों के आवागमन से ग्रामीणों का नुकसान व दुर्घटना न हो क्योकि रोड़ हर किसी के काम आना है, रोड़ में हर जात, हर धर्म के लोग गुज़रते हैं, विधायक जी अन्य रोड़ को सवार रहे हैं तो ये रोड़ क्यो बाक़ी रहे ।

एसपी ऑफिस में करोड़ों के वेतन घोटाले का खुलासा

ऑडिट के दौरान सामने आई अनियमितता, तीन कर्मचारी गिरफ्तार

समवेत शिखर संवाददाता

जगदलपुर। बस्तर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में वेतन आहरण से जुड़े एक बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। नियमित ऑडिट के दौरान सामने आई अनियमितताओं ने विभाग में हड़कंप मचा दिया है। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये की हेराफेरी का मामला सामने आने के बाद तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, एसपी कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का समय-समय पर इंटरनल और एक्सटर्नल ऑडिट कराया जाता है। इसी ऑडिट के दौरान वेतन शाखा में गड़बड़ियों की जानकारी मिली। इसके बाद डीएसपी मुख्यालय की ओर से प्राथमिक जांच कराई गई, जिसमें वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि हुई।

जांच में सामने आया कि वेतन शाखा में पदस्थ सहायक गिरीश राय वेतन आहरण से पहले सॉफ्ट कॉपी में बदलाव कर अपने और अपने साथियों के वेतन में अवैध रूप से बढ़ोतरी कर देता था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने इस पूरे खेल को स्वीकार भी कर लिया। इसके बाद पुलिस ने कार्यालय के ही कर्मचारी राजकुमार कत्लम और हेमंत मैथ्यू की भूमिका भी संदिग्ध पाई।

तीनों आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस का अनुमान है कि पिछले लगभग दो वर्षों में अलग-अलग खातों के माध्यम से करीब 1.5 से 2 करोड़ रुपये की अवैध निकासी की गई है। फिलहाल बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन की विस्तृत जांच जारी है।

विवेचना के दौरान एक और चौंकाने वाला पहलू सामने आया है। पुलिस के अनुसार कुछ कर्मचारियों के खातों में लोन देने के नाम पर अतिरिक्त वेतन राशि डाली गई और बाद में वह रकम नकद वापस ले ली गई। ऐसे सभी लोगों की सूची तैयार कर उनसे पूछताछ की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके। SP शलभ सिन्हा का कहना है कि यह जांच अभी शुरुआती चरण में है और जैसे-जैसे नए तथ्य सामने आएंगे, वैसे-वैसे कार्रवाई का दायरा भी बढ़ाया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक देवीचंद श्रीश्रीमाल द्वारा समवेत शिखर प्रेस, रजबंधा मैदान, रायपुर से मुद्रित कर प्रकाशित। संपादक : देवीचंद श्रीश्रीमाल, प्रबंध संपादक : विवेक श्रीश्रीमाल, समाचार संपादक: शंकर चंद्राकर*
(* पीआरबी एक्ट के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार) आर.एन.आई. रजि. क्र.- 52151/91, पो. रजि. नं.-सीजी/आरवाईपी डी.एन./ 28/2026-28 फोन : 0771-4334967, Email : news@samvetshikhar.com, www.samvetshikhar.com

कलेक्टर ध्रुव ने सेवानिवृत्त प्रधान अध्यापक राज लक्ष्मी सिन्हा का किया सम्मान, सौंपा पीपीओ

समवेत शिखर संवाददाता

दंतेवाड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों तक समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपनी सेवाएं देने वाली शासकीय माध्यमिक शाला कलारपारा, मैलावाड़ा की प्रधान अध्यापक श्रीमती राज लक्ष्मी सिन्हा के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर कलेक्टोरेट में गरिमामयी विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने श्रीमती राज लक्ष्मी सिन्हा को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला होते हैं तथा उनकी वर्षों की निष्ठापूर्ण सेवाएं सदैव प्रेरणादायी रहेंगी। प्रशासन की संवेदनशील एवं कर्मचारी हितैषी पहल के तहत कलेक्टर श्री ध्रुव ने सेवानिवृत्ति के अवसर पर ही श्रीमती राज लक्ष्मी सिन्हा को पेंशन भुगतान आदेश (पी.पी.ओ.) भी प्रदान किया, ताकि उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन संबंधी प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और उनके नवीन जीवन की शुरुआत सहज एवं सम्मानजनक ढंग से हो सके। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी श्रीमती राज लक्ष्मी सिन्हा के दीर्घ, समर्पित एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी तथा उनके स्वस्थ, सुखमय एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रमोद ठाकुर, खंड शिक्षा अधिकारी श्री प्रमोद कुमार भदौरिया, एबीईओ श्री मनोज कुमार सिंह राठौर, अकाउंटेंट श्री जितेंद्र पाण्डे उपस्थित थे।

▶▶ न्यूज ब्रीफ

महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुंचें : कलेक्टर

बीजापुर। साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री विश्वदीप ने सभी विभागों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पीजी पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन एवं कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने पर जोर देते हुए कहा कि आमजन की शिकायतों का समय-सीमा में समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि महतारी वंदन योजना का पोर्टल शीघ्र ही पुनः प्रारंभ होने वाला है। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग को योजना से वंचित रह गए हितग्राहियों तथा नए पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उनके आवश्यक दस्तावेजों का शत-प्रतिशत संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सभी पात्र महिलाओं को योजना का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण पर बल दिया। बैठक में विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदिवासी विकास सहित अन्य विभागों की योजनाओं एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री राहत योजना पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इसके माध्यम से अधिकारियों को योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर इसकी जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि संबंधित व्यक्ति को समय पर इसका लाभ प्राप्त मिल सकें।

आज से शुरू होगा खरीफ धान पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे के बिना नहीं होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

दंतेवाड़ा। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए राज्य सरकार ने पूरी प्रक्रिया को डिजिटल और अधिक पारदर्शी बना दिया है। अब केवल उन्हीं किसानों का धान खरीदा जाएगा, जिनकी फसल का डिजिटल क्रॉप सर्वे पूरा होगा तथा जिनकी भूमि एवं फसल संबंधी जानकारी एग्रीस्टेक पोर्टल में दर्ज होगी। यह नई व्यवस्था 01 जुलाई 2026 से लागू होगी और जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा सहित पूरे प्रदेश के किसानों पर प्रभावी रहेगी। नई व्यवस्था के तहत किसानों का नया पंजीयन, पंजीयन में संशोधन तथा आवश्यक जानकारी का अद्यतन कार्य 01 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। वहीं, डिजिटल क्रॉप सर्वे 15 अगस्त से 31 अक्टूबर 2026 के बीच किया जाएगा। सर्वे के दौरान विभागीय अधिकारी-कर्मचारी खेतों में पहुंचकर फसल की फोटो लेकर जियो टैगिंग करेंगे, जिससे खेत का वास्तविक स्थान और फसल का विवरण डिजिटल रूप से दर्ज किया जा सके।

प्रचार-प्रसार का दिख रहा सकारात्मक प्रभाव, बाल विवाह की सूचना देकर बचाई गई एक किशोरी का भविष्य

समवेत शिखर संवाददाता

बीजापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला प्रशासन तथा पुलिस विभाग द्वारा जिले में संचालित बाल विवाह रोकथाम एवं जन-जागरूकता अभियान का सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जागरूक नागरिकों द्वारा समय रहते चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन 181 पर सूचना देने के कारण एक संभावित बाल विवाह को सफलतापूर्वक रोका गया।

प्राप्त सूचना के अनुसार, जिले के भोपालपटनम विकासखंड के एक गांव में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी का विवाह तय किया गया था। सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग, चाइल्ड लाइन टीम तत्काल मौके पर पहुँची। टीम ने किशोरी के माता-पिता सहित उपस्थित ग्रामीणों एवं परिजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा इसके कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। समझाइश एवं विधिक परामर्श के बाद परिजनों ने बाल विवाह नहीं करने तथा बालिका की शिक्षा निरंतर जारी रखने की सहमति व्यक्त की। संबंधित परिवार से भविष्य में बाल विवाह न कराने का लिखित आश्वासन भी लिया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक एवं कानूनी अपराध है। यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले तो तत्काल 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) अथवा 181 (महिला हेल्पलाइन) पर सूचना दें। समय पर दी गई सूचना किसी बच्चे का भविष्य सुरक्षित कर सकती है। जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग ने नागरिकों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि जनभागीदारी और जागरूकता के माध्यम से ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। जिले में लगातार चलाए जा रहे प्रचार-प्रसार, ग्राम स्तरीय बैठकों, विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों तथा सामुदायिक संवाद का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है।

18 जुलाई को जगदलपुर जिला न्यायालय में लगेगी स्पेशल लोक अदालत, चेक बाउंस मामलों का होगा त्वरित निपटारा

समवेत शिखर संवाददाता

जगदलपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जगदलपुर द्वारा आगामी 18 जुलाई 2026 को जिला न्यायालय परिसर में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 (चेक बाउंस प्रकरण) से संबंधित मामलों के त्वरित एवं आपसी सहमति से निराकरण के लिए स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार आयोजित होने वाली इस विशेष लोक अदालत का संचालन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष गोविंद नारायण जांगड़े के मार्गदर्शन में किया जाएगा।लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित चेक बाउंस मामलों का शीघ्र और सौहार्दपूर्ण समाधान कराना है। इसमें परिवादी एवं आरोपी दोनों पक्षों को आपसी सहमति के आधार पर विवाद समाप्त करने का अवसर मिलेगा। लोक अदालत में पारित निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा तथा इसके विरुद्ध किसी न्यायालय में अपील का प्रावधान नहीं रहेगा। विशेष लोक अदालत में बैंक प्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं एवं संबंधित पक्षकारों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी, ताकि मामलों का प्रभावी एवं त्वरित निराकरण हो सके।

इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन (वाद पूर्व) प्रकरणों को भी शामिल किया जाएगा, जिससे न्यायालय में मामला दर्ज होने से पहले ही समझौते के माध्यम से विवाद का समाधान किया जा सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने चेक बाउंस अथवा अन्य पात्र प्री-लिटिगेशन मामलों से जुड़े व्यक्तियों एवं संस्थाओं से अधिक से अधिक संख्या में स्पेशल लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की है।

दो अनावेदक शासकीय सेवक जवानों के खिलाफ अलग-अलग मामलों में आपराध पंजीबद्ध करने का डीएसपी को महिला आयोग अध्यक्ष ने दिया निर्देश

समवेत शिखर संवाददाता

सुकमा। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, डॉ. किरणमयी नायक एवं प्रभारी सदस्य सुश्री दीपिका शोरी, सहा प्रभारी श्रीमती ओजस्वी मंडावी ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में मंगलवार को महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रस्तुत प्रकरणों पर जन सुनवाई की। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में प्रदेश स्तर पर 405 एवं सुकमा जिला में दूसरी सुनवाई हुई। प्रकरण संख्या 21 है।

आज के सुनवाई के दौरान एक प्रकरण में अभय पक्ष उपस्थित दोनों के दो बेटियां है। और पिछले 2 साल से आवेदिका उनका पालन-पोषण कर रही है। और अनावेदक पिछले 2 वर्षो से कोई खर्च नहीं दे रहा है। जबकि वह 30 हजार कमाता है। आयोग के आदेश पर अनावेदक के प्रति महिला 8000 रूपये देने को तैयार है और वह पत्नि व बच्चों के साथ अपना परिवार के पास आना-जाना कर परिवार पर ध्यान दे। उनके परिवार की सुकमा एवं दन्तेवाड़ा के महिला संरक्षण अधिकारी द्वारा किया जायेगा। अनावेदक प्रति माह के 15 तारीख तक आवेदिका के खाते में जमा करेगें। आज के आर्डर शीट की प्रति संरक्षण अधिकारी को निःशुल्क प्रति दिये जाने के निर्देश दिये गये।

एक प्रकरण में अनावेदक क्रमांक 02 प्रा.शा. मुन्दीपारा शिक्षिका है। 50 हजार तनख्वाह है जिसके कारण अनावेदक क्रमांक 1 अपने बच्चों व पत्नि को छोड़ रखा था। आज आयोग की ओर से अनावेदिका 2 का आदेश दिया गया कि समझाइश दिया गया। आज के बाद आवेदिका एवं अनावेदक से कोई संबंध नहीं रखेगी आवेदिका के पति के साथ किसी भी तरह में संबंध में रखे जाने की शिकायत दुबारा करती है तो अनावेदिक क्रमांक 02 की शिकायत की सूचना कलेक्टर को भेजी जायेगी इस स्तर पर अनावेदक क्रमांक 1 एवं अवेदिका ने न्यायालय की तरफ से तलाक लेने की बात रखी है। आवेदिका अनावेदिका के खिलाफ संबंति में भरण पोषण का दावा कर सकेगी। पिछले सुनवाई में की गई सुनवाई की आदेश कॉपी ले सकती है। आज के आर्डर शीट की कॉपी सुकमा संरक्षण अधिकारी को निःशुल्क दिया जाने के निर्देश दिया गया। एक प्रकरण में आवेदिका अनावेदक क्रमांक 01 व अनावेदक क्रमांक 02 शेष अनावेदकगण अनुपस्थित आवेदिका एवं अनावेदक के बीच न्यायालय में भरण-पोषण का मामला दर्ज किया है। जिसके आधार पर आवेदिका को भरण पोषण मिल रहा है। ऐसी दशा में आयोग में प्रकरण नस्ती बद्ध किया गया। एक प्रकरण में आवेदिका, अनावेदिका क्रमांक 01 एवं 02 उपस्थित आवेदिका के मौखित सहमति पर एवं बच्चे नहीं होने के कारण अपने पति को दूसरी शादी की सहमति दिया गया। वर्तमान मे सर्विस बुक में आवेदिका का नाम है एवं अनावेदक ने बड़ा घर बनाया है। जिसमें आवेदिका अकेली रहती है एवं अनावेदकगण को नहीं रहने देती है ऐसी स्थिति में इस प्रकरण को आगे सुना जाने का कोई औचित्य नहीं होने से उभय पक्ष अपना तलाक का प्रक्रिया न्यायालय से करवा ले। प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया।

खेल-व्यापार-मनोरंजन

एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में टीम इंडिया का दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत की अंडर-19 लड़कों की टीम ने सोमवार को बैंकॉक में एशियाई युवा चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हांगकांग को 3-1 से हराकर कम से कम कांस्य पदक और अगले साल होने वाली विश्व युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में सीधे प्रवेश पक्का कर लिया। हांगकांग ने शुरुआती बढ़त बनाई जब ली की हो ने प्रियानुज भट्टाचार्य को 11-6, 7-11, 11-8, 11-8 से हराया। भारत ने पीबी अभिनंद के एक कड़े मुकाबले में वोंग एल्विन पर 8-11, 11-7, 11-3, 5-11, 11-4 की जीत से जल्द ही बराबरी कर ली। फिर एमआर बालमुरुगन ने लो का किट को 11-8, 11-4, 11-7 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई।

अभिनंद ने ली की हो को 11-9, 9-11, 11-5, 11-6 से हराकर जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम अब सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय चीन का सामना करेगी। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही भारत का कम से कम कांस्य पदक पक्का हो गया है। साथ ही सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सभी चार टीम

ने 2027 विश्व युवा चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफिकेशन भी हासिल कर लिया है। भारतीय लड़कों के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले उन्होंने थाईलैंड और उज्बेकिस्तान को 3-0 से हराकर ग्रुप दो में शीर्ष स्थान हासिल किया था और फिर क्वार्टर फाइनल में बाय मिलने से सीधे प्रवेश किया। हालांकि भारतीय अंडर-19 लड़कियां पदक दौर तक नहीं पहुंच सकीं और क्वार्टर फाइनल में हांगकांग से 1-3 से हार गईं। अब उन्हें अगले साल की विश्व युवा चैंपियनशिप के लिए एशियाई क्वालीफिकेशन प्रक्रिया के जरिए क्वालीफाई करना होगा।

इस बीच अंडर-15 बालिका टीम स्पर्धा में चीन ने क्वार्टर फाइनल में भारत को 3-0 से हराया।

पराग्वे ने सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए जर्मनी को किया विश्वकप से बाहर

मैसाचुसेट्स (अमेरिका)। पराग्वे ने विश्वकप का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए चार की बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में हुए पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

फॉक्सबोरो में सोमवार रात खेले गये मुकाबले में पराग्वे के शानदार प्रदर्शन के कारण जर्मनी विश्वकप के राउंड ऑफ 32 में बाहर होने वाली पहली दिग्गज टीम बन गई। इस मुकाबले का फैसला निर्धारित समय में 1-1 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट हुआ। 34वें नंबर पर काबिज पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत दर्ज की। जर्मनी को काई हावर्ट्ज , निक वोल्टेमाडे और जोनाथन टाह के महत्वपूर्ण पेनल्टी मिस करने का खामियाजा भुगतना पड़ा।पराग्वे ने पेनल्टी स्पॉट से दो मौके गंवा दिए, जिससे जर्मनी को टूर्नामेंट से बाहर किया जा सकता था, जिसके बाद जोस कैनाले ने सडन डेथ में गोल किया। जूलियो एनसिसो के शुरुआती गोल को हावर्ट्ज ने

बराबर कर दिया, जिसके बाद पैराग्वे ने जर्मनी को ड्रॉ पर रोक दिया। अतिरिक्त समय में वीएआर ने ताह के गोल को अमान्य घोषित कर दिया, जिससे जर्मन टीम निराश हो गई। मैच की शुरुआत में पराग्वे के जूलिया एंसियो ने 42वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जर्मनी ने जवाबी हमला किया और 54वें मिनट में काई हावर्ट्ज के गोल से उसे सफलता मिली। स्कोर 1-1 से बराबर हो गया। पहले हाफ में जर्मनी के पास 78 प्रतिशत गेंद का कब्ज़ा था, फिर भी एनसिसो के अप्रत्याशित हमले के बाद उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

पराग्वे का अगला मुकाबला चार जुलाई को फिलाडेल्फिया में राउंड ऑफ 16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

कलर्स प्रस्तुत करता है 'जूही मुई': ऑटिज़्म और स्वीकार्यता की प्रेरणादायक कहानी

मुंबई। कहते हैं, ÷हर दिमाग़ अपनी तरह से चमकता है।÷ ऐसेसमय में जब समाज व्यक्तिगतता का जश्न मनाता है लेकिन उसे समझने मेंअक्सर संघर्ष करता है, कलर्स लेकर आ रहा है 'जूही मुई' एक दिल छू लेनेवाली कहानी एक युवा ऑटिस्टिक लड़की की, जो ऐसे संसार में जी रही है जोउसे लगातार कम आंकता है। कहानी के केंद्र में है जूही सूरी एक तेज़ औरउज्ज्वल युवती, जिसकी दुनिया को देखने का अनोखा तरीका उसकी सबसेबड़ी ताक़त भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। असाधारण याददाश्त और पैनीसोच से लैस जूही के पास ऐसी क्षमताएँ हैं जो उसे दूसरों से अलग बनाती हैं। लेकिन अपनी प्रतिभा के बावजूद, जूही अक्सर इस वजह से आंकी जाती है कि वह अलग है और समाज की संकीर्ण परिभाषा के हिसाब से 'नॉर्मल' नहींमानी जाती। कानून के चेंबर के अनुशासन में अपने भाई करण के साथ पलीबढ़ी जुही नेबचपन से ही अपने स्नेही पिता राजेंद्र सूरी को देखा, जो एक सम्मानित वकीलहैं और अपनी खुद की प्रैक्टिस चलाते हैं। वह रोज़ाना जिस दुनिया से लड़ते हैं, उससे जुही को बचाकर रखते हैं। जुही का दिमाग़ कानून के लिए ही बना है उसेधाराएँ शब्दशः याद रहती हैं, वह मिसालों को तुरंत जोड़ लेती है और वेबारीकियाँ देख लेती है जो दूसरों की नज़र से छूट जाती हैं। पिता काओवरप्रोटेक्टिव स्वभाव और भाई की नज़र में 'जीनियस' कहलाने वाली जुहीको सामान्य तरीके से देखने वाला एकमात्र इंसान है इंस्पेक्टर सन्यम सिंह एक ज़मीन से जुड़ा, सहज प्रवृत्ति वाला पुलिस अफ़सर, जो उसका सबसेअप्रत्याशित साथी बनता है।

यूरोग्रिप टायर्स ने किया यूरोपीय विशेषज्ञता का प्रदर्शन भारतीय व्यापार जगत को होगा विशेष लाभ

रायपुर। यूरोग्रिप टायर्स, टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड की एक प्रमुख 2 और 3-व्हीलर टायर ब्रांड ने रायपुर में एक व्यापार जुड़ाव कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन में ब्रांड की यूरोपियन इंजीनियरिंग विशेषज्ञताऔर यूरोप से प्रेरित नवीनतम उत्पाद रेंज का प्रदर्शन किया गया। इस सत्र का संचालन करते हुए, सिल्वियो मोंटानारी, डिज़ाइन हेड एवं ऋ्ष्ठ, मिलान ने कंपनी के उत्पाद विकासदर्शन, उभरती टायर टेक्नोलॉजियों और इंजीनियरिंग क्षमताओं के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं, जोयूरोग्रिप के ग्लोबल टायर पोर्टफोलियो का एक एहम हिस्सा हैं। व्यापार साझेदारों को अगली पीढ़ी के टायरों के बारेमें नवीनतम जानकारी प्रदान की गई जो आने वाले भविष्य को आकार देने के साथ-साथ बाज़ार में चालकों कीबदलती ज़रूरतों को पूरा भी करेगा। इस अवसर पर यूरोग्रिप टायर्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्री टी.के. रवि ने कहा, आज यूरोग्रिप विश्व भरमें टू-व्हीलर टायरों के एक विशेष ब्रांड के रूप में पहचाना जाता है, साथ ही भारत और विदेशों के बाइकिंग समुदायोंमें हमारी प्रीमियम रेंज के टायरों को काफी पसंद किया गया है।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी ने जीस्केल एनर्जी में बहुमत हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली (ए)। भारत की प्रमुख प्रिसिजन और मल्टी-डिसिप्लिनरी इंजीनियरिंग कंपनी, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने जीस्केल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड में 51% इक्विटी हिस्सेदारी (बहुमत हिस्सेदारी) खरीदने की घोषणा की। यह भारत की एआई इंफ्रास्ट्रक्चर जर्नी और एक फुल-स्पेक्ट्रम इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म के तौर पर एसइटीएल के विकास में एक अहम मोड़ है।

एक दशक से ज़्यादा समय से, एसइटीएल ने फ़ार्मा और केमिकल इंडस्ट्रीज़ के लिए ज़रूरी इंफ़्रास्ट्रक्चर बनाने में महारत हासिल की है – वे कूलिंग स्किड्स, हीट एक्सचेंजर्स, वैक्यूम सिस्टम, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, ऑटोमेशन, एयर हैंडलिंग यूनिट्स, प्रोसेस डिस्ट्रीब्यूशन यूनिट्स, मॉड्यूलर प्रोसेस इक्विपमेंट और पूरे टर्नकी प्लांट्स उपलब्ध कराते हैं। हर फ़ार्मा फ़ैसिलिटी को सटीक इंजीनियरिंग वाले पावर मैनेजमेंट, थर्मल

कंट्रोल, क्लीन यूटिलिटीज़ और फ़ेल-सेफ़ ऑटोमेशन की ज़रूरत होती है, और यही ज़रूरत हर मॉडर्न एआई डेटासेंटर की भी होती है।जहाँ एसइटीएल ने रिएक्टरों के लिए कूलिंग सिस्टम बनाए, वहीं जीस्केल जीपीयू क्लस्टर के लिए कूलिंग सिस्टम बनाती है। जहाँ एसइटीएल ने केमिकल प्लांट के लिए इलेक्ट्रिकल सिस्टम तैयार किए, वहीं जीस्केल हाइपरस्केल ‹ढ्ढ फ़ैक्टरियों के लिए पावर इंफ्रास्ट्रक्चर देती है। जहाँ एसइटीएल ने इंटीग्रेटेड टर्नकी फ़ार्मा फ़ैसिलिटीज़ तैयार कीं, वहीं जीस्केल कॉन्सेप्ट से लेकर कमीशनिंग तक पूरे एआई डेटासेंटर बनाकर देती है।एसइटीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर, नागेश्वर राव कंडुला ने कहा, ÷जिस इंजीनियरिंग तरीके से फार्मा प्लांट सुरक्षित और कुशल बनते हैं, उसी तरीके से डेटा सेंटर भी भरोसेमंद और शक्तिशाली बनते हैं। एसइटीएल और जीस्केल का इन्फ़्रास्ट्रक्चर मिशन एक ही है – सही डिज़ाइन, सटीक निर्माण और बेहतरीन परफॉर्मेंस। हम साथ मिलकर सिर्फ़ डेटा सेंटर मार्केट में नहीं उतर रहे हैं, बल्कि हम भारत का सबसे सक्षम एआई इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग प्लेटफ़ॉर्म बना रहे हैं।जीस्केल एनर्जी के फाउंडर और डायरेक्टर, मिस्टर कासु ब्रह्मा रेड्डी ने कहा, ÷जीस्केल को गीगावाट स्केल पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए बनाया गया था। एसइटीएल की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता, फाइनेंशियल मजबूती और काम करने के तरीके के साथ, अब हमारे पास ऐसी रफ़्तार और बड़े पैमाने पर वर्ल्ड-क्लास एआई डेटासेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए ज़रूरी हर चीज़ मौजूद है, जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा।

सैमसंग ने भारत में लांच किया गैलेक्सी ए27 5जी

गुरुग्राम (ए)। सैमसंग ने आज अपने नए स्मार्टफोन गैलेक्सी ए27 5जी को लॉन्च करने की घोषणा की। यह स्मार्टफोन आधुनिक तकनीक को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने की सैमसंग की सोच को आगे बढ़ाता है। इसे खासतौर पर उन युवा उपभोक्ताओं के लिए तैयार किया गया है, जो स्टाइलिश डज़ाइन, दमदार परफॉर्मेंस, लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट, मजबूत सुरक्षा और सहज यूज़र अनुभव वाला भरोसेमंद स्मार्टफोन किफायती कीमत पर चाहते हैं।

गैलेक्सी ए27 5जी की सबसे बड़ी खूबियों में इसका 6.7-इंच का 120Hz सुपर एमोलेड डिस्प्ले शामिल है। यह डिस्प्ले जीवंत रंगों, बेहतरीन डिटेल और स्मूद विजुअल अनुभव के साथ तेज़ टच रिस्पॉन्स देता है। नए इंफिनिटी-O डिस्प्ले में छोटा-सा पंच-होल कैमरा डिज़ाइन दिया गया है, जिससे वीडियो देखने और गेम खेलने का अनुभव और भी शानदार हो जाता है। साथ ही, स्क्रीन की मजबूती के लिए इस पर कॉर्निंग गोरिल्ला

ग्लास विक्टस0+ की सुरक्षा दी गई है। गैलेक्सी ए27 5जी में 4nm स्नैपड्रैगन0 6 त्द्गठ्ठ 3 प्रोसेसर दिया गया है, जो शानदार परफॉर्मेंस के साथ बेहतर पावर एफिशिएंसी भी प्रदान करता है। इसके साथ स्नस्र 3.1 स्टोरेज और LPDDRzX रैम हर तरह के काम को तेज़ और सहज बनाते हैं। बेहतर तक्ककी बदौलत गेमिंग के दौरान ग्राफिक्स पहले से अधिक स्मूद दिखाई देते हैं, जबकि हाई-स्पीड मेमोरी तेज़ डेटा ट्रांसफर और बेहतर ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करती है। मल्टीटास्किंग, वेब ब्राउज़िंग, वीडियो स्ट्रीमिंग, एआई ऐप्स का इस्तेमाल या गेमिंग–हर स्थिति में यह स्मार्टफोन तेज़, भरोसेमंद और सहज परफॉर्मेंस देता है।

►► न्यूज ब्रीफ

जिले में खाद-बीज का पर्याप्त भंडार, किसान समय पर करें उठाव : उप संचालक कृषि तरुण प्रधान

सक्ती। खरीफसीजन 2026 को देखते हुए कृषि विभाग ने जिले के किसानों से समय रहते खाद एवं प्रमाणित बीज का

उठाव करने की अपील की है। उप संचालक कृषि तरुण प्रधान ने बताया कि जिले की सभी सेवा सहकारी समितियों में मांग के अनुरूप खाद और प्रमाणित बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने किसानों से कहा कि अंतिम समय की भीड़ से बचने और समय पर बुवाई सुनिश्चित करने के लिए अपने निकटतम सेवा सहकारी समिति से अनुशंसित मात्रा में खाद एवं बीज का शीघ्र उठाव करें। साथ ही आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर जाएं। विभाग ने किसानों से किसी भी जानकारी या सहायता के लिए संबंधित सेवा सहकारी समिति अथवा कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने का आग्रह किया है।

खरीफ में किसानों को बड़ी राहत, पूर्व वर्ष की तरह मिलेगी एकमुश्त यूरिया खाद

सक्ती। खरीफ मौसम 2026 में किसानों को यूरिया वितरण को लेकर बड़ी राहत दी गई है। अब जिले के किसानों को पूर्व वर्ष 2025 की तरह ही एकमुश्त यूरिया खाद प्राप्त होगी। शासन द्वारा लागू की गई नई व्यवस्था के तहत पहले निर्धारित 80 प्रतिशत वितरण सीमा को समाप्त कर दिया गया है, जिससे पात्र किसानों को पिछले वर्ष के बराबर मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा। कृषि विभाग, जिला सक्ती से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ2026 में किसानों को खरीफ 2025 में प्राप्त यूरिया के बराबर मात्रा का विक्रय किया जाएगा। उप संचालक कृषि तरुण कुमार प्रधान ने बताया कि सहकारी क्षेत्र में उर्वरक वितरण के लिए जारी शासन के नवीन दिशा-निर्देशों के अनुसार यूरिया खाद पर लागू 80 प्रतिशत सीमा को समाप्त कर दिया गया है। इससे किसानों को अब अपनी पात्रता के अनुरूप पूर्व वर्ष के समान यूरिया प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि किसानों को यूरिया खाद का वितरण एकमुश्त किया जाएगा। हालांकि यदि किसी सहकारी समिति में किसी समय यूरिया का पर्याप्त भंडार उपलब्ध नहीं रहता है, तो उपलब्ध मात्रा का वितरण तत्काल किया जाएगा तथा शेष पात्र मात्रा समिति में खाद उपलब्ध होते ही किसानों को प्रदान कर दी जाएगी। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे यूरिया प्राप्त करने के लिए अपनी संबंधित सहकारी समिति से संपर्क बनाए रखें तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खाद का उठाव करें।

रामगढ़ महोत्सव के समापन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

श्री राम के भक्तिमय गीत-संगीत की प्रस्तुतियों से राममय हुआ वातावरण

समवेत शिखर संवाददाता

अंबिकापुर। दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का समापन समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सराबोर रहा। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं एवं कलाकारों ने लोकनृत्य, नाटक व गीत-संगीत की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। पूरे वातावरण में उत्साह, भक्ति और उल्लास की मनोहारी छटा बिखरी रही। कार्यक्रम में श्री राम के भक्तिमय गीत-संगीत की प्रस्तुतियों से वातावरण राममय हुआ।

इस दौरान जांजगीर चाम्पा जिले के शांति प्रतिमा डांस ग्रुप की महिशासुर मर्दिनी नृत्य नाटिका की शानदार प्रस्तुति ने खूब तालियां बटोरीं। कस्तूरबा गांधी विद्यालय लखनपुर की छात्राओं ने मेघदूतम पर आधारित नृत्य नाटिका की मनमोहक प्रस्तुत दी। वहीं साई म्यूजिकल पारम्परिक नृत्य समूह ने हनुमान जी की लीला, रामभजन एवं शबरी प्रसंग पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। प्रकाश

रसीला ने लोक गीत एवं वाद्य यंत्र की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में स्टार ग्रुप ने सामूहिक नृत्य, शास्वती बनर्जी ने नृत्य, जागृति म्युजिकल ग्रुप (विस्वा) ने लोक संगीत, कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय ने बैंड, कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय ने राजस्थानी नृत्य, शा.उ.मा. विद्यालय सलका उदयपुर ने सरगुजिहा नृत्य, कन्या छात्रावास उदयपुर ने आदिवासी नृत्य, सेजेस उदयपुर द्वारा सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। वहीं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिरमिटी उदयपुर ने सामूहिक नृत्य, वियन्नी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय झिरमिटी उदयपुर ने सामूहिक नृत्य, बृजेश शर्मा ने भजन, संदीप गोस्वामी ने लोक गीत भजन, लालसाय सरगुजिहा पार्टी ने छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, बीजीएम म्युजिकल ग्रुप ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। देर शाम तक चले इन कार्यक्रमों ने दर्शकों को उत्सव स्थल पर बांधे रखा।

नशा मुक्ति व कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

नशामुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प, विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

समवेत शिखर संवाददाता

सक्ती। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर के निर्देश तथा अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति डभरा के मार्गदर्शन में रविवार को मंगलदीप क्लस्टर, धुरकोट में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पैरालीगल वालेंटियर (पीएलवी) श्रीमती लक्ष्मी डनसेना ने ग्रामीणों को नशा मुक्ति, विधिक अधिकारों एवं निःशुल्क कानूनी सहायता के संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करता है। साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के उद्देश्य, निःशुल्क विधिक सहायता की पात्रता तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को उपलब्ध कानूनी सेवाओं की जानकारी दी गई। शिविर में 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत, नालसा हेल्पलाइन 15100, साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन धोखाधड़ी से सुरक्षा तथा लोक अदालत के लाभों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। अंत में उपस्थित लोगों से नशामुक्त, जागरूक एवं कानून का सम्मान करने वाला समाज बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया।

खेती किसानी छोड़ सड़क निर्माण की मांग पर ग्रामीणों का आमरण अनशन दूसरे दिन भी जारी

» विधायक शेषराज हरबंश ने दिया समर्थन

» डोंगाकोहरौद में पक्की सड़क निर्माण की मांग को लेकर किसानों और युवाओं का आंदोलन तेज, सरकार पर उपेक्षा का आरोप

समवेत शिखर संवाददाता

जांजगीर-चांपा। आषाढ़ के महीने में जहां किसानों को खेतों में खेती-किसानी के कार्यों में जुटा होना चाहिए, वहीं पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम डोंगाकोहरौद के ग्रामीण और युवा अपनी मूलभूत आवश्यकता पक्की सड़क के लिए आमरण अनशन करने को मजबूर हैं। सड़क निर्माण की मांग को लेकर शुरू हुआ आमरण अनशन सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार उनकी वर्षों पुरानी मांग की लगातार अनदेखी कर रही है, जिसके चलते उन्हें अन्न-जल त्यागकर आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है।

ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन और आमरण अनशन जारी रहेगा। उनका कहना है कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर काम चाहिए।

आंदोलन को कांग्रेस विधायक शेषराज हरबंश का लगातार समर्थन मिल रहा है। विधायक दूसरे दिन भी अनशन स्थल पहुंचीं और आंदोलनकारियों के बीच बैठकर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी जायज मांग पूरी होने तक वे उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेंगी।

अनशनकारियों को संबोधित करते हुए विधायक शेषराज हरबंश ने कहा कि आषाढ़ के इस महत्वपूर्ण कृषि सीजन में किसानों का खेत छोड़कर अनशन पर बैठना सरकार की संवेदनहीनता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की बुनियादी समस्याओं से पूरी तरह बेखबर है।

उन्होंने कहा, ÷यह जनता के अधिकार और स्वाभिमान की लड़ाई है। क्षेत्र की जनप्रतिनिधि होने के नाते मैं अपने लोगों के साथ हर पल खड़ी हूं। जब तक पक्की सड़क निर्माण शुरू नहीं होता, तब तक यह संघर्ष और आंदोलन जारी रहेगा।÷

आंदोलन की प्रमुख बातें

पक्की सड़क निर्माण की मांग को लेकर आमरण अनशन दूसरे दिन भी जारी। खेती-किसानी छोड़कर किसान और ग्रामीण आंदोलन में शामिल। युवाओं ने आंदोलन की कमान संभाली, आर-पार की लड़ाई का ऐलान। विधायक शेषराज हरबंश लगातार दूसरे दिन अनशन स्थल पहुंचीं और समर्थन दिया। ग्रामीणों का स्पष्ट संदेश : ÷सड़क बनेगी तभी अनशन समाप्त होगा।

सीसी रोड का किया गया भूमिपूजन

जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रविन्द्र गवेल रहे , ग्रामीणों को कीचड़ भरे रास्ते से मिलेगी मुक्ति

समवेत शिखर संवाददाता

खरसिया। ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम बनाने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में रविवार 28 जून को ग्राम पंचायत ढिमानी में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। लोक निर्माण विभाग (क्व्वृष्ठ) के अंतर्गत स्पेशल मरम्मत सीसी रोड, (स्क्र) 622 मीटर कार्य का गरिमामयी भूमिपूजन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत रायगढ़ के अध्यक्ष प्रतिनिधि माननीय रविन्द्र गवेल थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत खरसिया के उपाध्यक्ष डॉ. हितेश गवेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत ढिमानी के सरपंच घनश्याम सिदार एवं उपसरपंच श्रीमती महिमा जायसवाल ने की।

रविन्द्र गवेल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचलों का सर्वांगीण विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस 622 मीटर लंबी सीसी रोड के बन जाने से ग्रामीणों को आवागमन में हो रही असुविधाओं से परमानेंट राहत मिलेगी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश भी दिए।

ग्रामीणों में उत्साह, भारी संख्या में रहे मौजूद-भूमिपूजन के पावन अवसर पर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में हरिशंकर जायसवाल, चंद्रिका साहू, धरम साहू, बाबूलाल साहू, टेकचंद पटेल, तिहारू जायसवाल, हेमलाल पटेल, मुकेश जायसवाल, सुरेश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय पंचगण, वरिष्ठ नागरिक और ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कीचड़ और खराब रास्ते से मुक्ति की उम्मीद-ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में कच्चे रास्ते पर कीचड़ के कारण स्कूली बच्चों, मरीजों और बुजुर्गों को भारी परेशानी होती थी। सीसी रोड बनने से अब आवागमन सुगम होगा और गांव का विकास तेज होगा। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जिला पंचायत व जनपद पंचायत के नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी टांडे का टीचर्स एसोसिएशन ने किया स्वागत

शिक्षकों की समस्याओं से कराया अवगत

समवेत शिखर संवाददाता

सक्ती। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, जिला इकाई सक्ती द्वारा 17 जून 2026 को जिले के नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार टांडे का आत्मीय स्वागत कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर आयोजित सौजन्य भेंट कार्यक्रम में एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने जिले की विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समस्याओं से जिला शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया।

जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार टांडे ने सभी शिक्षकों और संगठन पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने की बात कही। उन्होंने स्वागत के लिए संगठन का धन्यवाद भी ज्ञापित किया। बैठक के दौरान शिक्षकों ने वर्तमान में संचालित ङ्कस्य ऐप में आ रही तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की। बताया गया कि कई शिक्षकों का चेक-इन एवं चेक-आउट दर्ज नहीं हो रहा है, वहीं कई मामलों में ऐप द्वारा त्रुटिपूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण जानकारी प्रदर्शित की जा रही है। इसके अलावा बिना विभागीय अनुमति के पूर्व में टीईटी उत्तीर्ण कर चुके शिक्षकों की टीईटी योग्यता को सेवा पुस्तिका में दर्ज करने तथा सभी शिक्षकों की सेवा पुस्तिकाओं का समयबद्ध एवं चरणबद्ध तरीके से नियमित संधारण सुनिश्चित करने की मांग भी रखी गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए शिक्षक हित में सकारात्मक एवं उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रांतीय पदाधिकारी प्यारेलाल साहू, विकास तिवारी, जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह बनाफर, ब्लॉक अध्यक्ष महेन्द्र कुमार राठौर, लोचन प्रसाद चंद्रा, उमेंद यादव, लखेश्वर प्रसाद चंद्रा, भागीरथी चंद्रा, उत्तम कुमार चंद्रा, बालक राम खांडेकर, सत्येंद्र कुमार उरांव, श्रीमती प्रेमलता चंद्रा, श्रीमती रेखा पात्रे, अंतराम सिदार, राजकुमार चंद्रा, रामेश्वर चंद्रा, बृजभूषण चंद्रा, साहिल सिंह, जगदीश प्रसाद गबेल, वेद प्रकाश जायसवाल, मदन टांडे, छतराम कर्ष, रामशंकर कर्ष, डीगेश्वर चंद्रा, फकीरचंद गबेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

सीएम ड्यूटी के बाद रात 10 बजे थाना मुलमुला क्षेत्र के अमोरा पहुंचे एसपी पाण्डेय

- अमोरा 'गांव पूर्णत: नशामुक्त घोषित किया, अब बनेगा ... पूर्णत: हेलमेट युक्त गांव
- एक हेलमेट पति के नाम' से बांटे हेलमेट, महिला कमांडो को मिला हौसला

समवेत शिखर संवाददाता

जांजगीर-चांपा। सामुदायिक पुलिसिंग को धरातल पर उतारने और नशामुक्ति का संदेश गांव -गांव पहुंचाने बीते रविवार ष्टरू ड्यूटी के बाद रात 10 बजे *पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय ढ्ढक्कस्* एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उदयन बेहार, स्ष्ठह्रक्क अकलतरा प्रदीप कुमार सोरी, थाना प्रभारी मुलमुला पारस पटेल खुद ग्राम अमोरा पहुंचे। थाना मुलमुला क्षेत्र के इस गांव में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों, महिला कमांडो टीम और बच्चों से दिल से दिल का संवाद किया।

स्क्क श्री पाण्डेय ने ग्रामीणों से अमोरा को पूर्ण नशामुक्त गांव बनाने का आह्वान करते हुए कहा, ट्ठ÷नशा सिर्फ शरीर नहीं तोड़ता, परिवार का भविष्य भी अंधेरे में धकेल देता है। आज संकल्प लें कि न खुद नशा करेंगे, न किसी को करने देंगे।÷ट्ठ

एसपी ने अमोरा की महिला कमांडो टीम के अनूठे प्रयास की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। गांव की महिलाएं खुद रात में सड़कों पर घूमने वाले आवारा मवेशियों को पकड़कर उनके गले में रेडियम पट्टी बांधती हैं, जिससे रात में वाहन चालकों को दूर से मवेशी दिख जाएं और दुर्घटना टले। एसपी यातायात श्री उदयन बेहार* ने भी इस पहल को पूरे जिले के लिए 'अनुकरणीय मॉडल' बताया।

सड़क सुरक्षा को नई दिशा देते हुए स्क्क ने महिला कमांडो टीम को 'एक हेलमेट पति के नाम' अभियान के तहत हेलमेट वितरित किए। उन्होंने कहा, ट्ठ÷पति की सलामती पत्नी की सबसे बड़ी दौलत है। घर से निकलते वक्त हेलमेट जरूर याद दिलाएं।÷ट्ठ ग्रामीणों ने बताया कि गांव में 90त्न लोग अब हेलमेट पहनकर ही बाइक चलाते हैं और दूसरों को भी टोकते हैं। कार्यक्रम के दौरान स्क्क श्री पाण्डेय ने बच्चों के साथ केक काटकर खुशियां बांटीं। उन्होंने बच्चों से मन लगाकर पढ़ने, अनुशासन में रहने और मोबाइल की लत से दूर रहकर मैदान में खेलने की बात कही। आप ही कल के अमोरा हो, नशामुक्त और सुरक्षित अमोरा आपके हाथ में है,÷ट्ठ स्क्क ने बच्चों का हौसला बढ़ाया। एसपी ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच सीधा संवाद ही सामुदायिक पुलिसिंग की आत्मा है। जब गांव खुद अपनी सुरक्षा का जिम्मा ले लेता है, तो अपराध और हादसे अपने आप कम हो जाते हैं। अमोरा ने यह करके दिखाया है। अवैध शराब पर चोट, महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा ङ्क थाना प्रभारी पारस पटेल को गांव के सरपंच सहित महिला कमांडो ने किया सम्मानित अवैध शराब बिक्री पर लगातार कार्रवाई, नशामुक्ति अभियान में सक्रिय भूमिका और महिला सशक्तीकरण की दिशा में उत्कृष्ट कार्य के लिए थाना प्रभारी मुलमुला निरीक्षक पारस पटेल को ग्राम अमोरा में सम्मानित किया गया। रविवार देर शाम आयोजित कार्यक्रम में महिला कमांडो टीम एवं ग्राम सरपंच ने स्मृति चिह्न भेंट कर थाना प्रभारी का अभिनंदन किया।

उपरोक्त कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, महिला कमांडो टीम के सदस्य एवं थाना मुलमुला पुलिस स्टाफ मौजूद रहे।

साप्ताहिक जनदर्शन में आवास, भूमि, सीमांकन व बोर खनन से जुड़े आवेदन पहुंचे, अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के दिए निर्देश

समवेत शिखर संवाददाता

सक्ती। जिला कार्यालय में आयोजित हुए कलेक्टर जनदर्शन में आज कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अमृत विकास तोपनो द्वारा जिले के दूर दराज के इलाकों से आए विभिन्न लोगों की समस्याएं सुनी गई।

जनदर्शन में आज अलग-अलग समस्याओं के निराकरण हेतु कुल 17 आवेदन प्राप्त हुए। जिस पर कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों को कलेक्ट्रेट परिसर सभाकक्ष में उपस्थित संबंधित अधिकारियों को तत्काल देकर यथाशीघ्र नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए है। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ वासु जैन, अपर कलेक्टर बीरेंद्र लकड़ा सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जनदर्शन में आज तहसील अड़भार अंतर्गत ग्राम कर्रापाली निवासी श्रीमती सरोजनी गबेल ने बोर खनन सह पम्प निर्माण कार्य के सम्बन्ध में, तहसील सक्ती अंतर्गत ग्राम टेमर निवासी श्रीमती किरण कुम्हार एवं श्रीमती काजल कुम्हार ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान करने के सम्बन्ध में, तहसील डभरा अंतर्गत ग्राम चुरतेला निवासी गजानंद ने जमीन सीमांकन में देरी या टालने की शिकायत के सम्बन्ध में, तहसील भोथिया अंतर्गत ग्राम डोंगिया निवासी श्रीमती गुरबारी महंत एवं श्रीमती कुमारी बाई महंत ने मकान के लिए भूमि प्रदान कराने के सम्बन्ध में सहित अन्य विभिन्न आवेदको द्वारा साप्ताहिक जनदर्शन में आवेदन दिया गया।

उल्लेखनीय है कि आमजनों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ तथा शीघ्र निराकरण करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार को जिला स्तरीय जनदर्शन का आयोजन किया जा रहा है।